THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 305 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.13/14, 2082 शनिवार, 31 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

खम्मम में मिड-डे मील खाने के बाद 14 छात्र बीमार

> अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खम्मम जिले में सरकारी स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद 14 छात्र बीमार हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिड-डे मील में दाल और चावल परोसा गया था। पुलिस के मुताबिक छात्रों में फूड पॉइजनिंग जैसे लक्षण दिखाई दिए। फिलहाल सभी छात्रों की हालत स्थिर है। मिड-डे मील के सैंपल लेकर जांच की जा रही है।

'स्कूलों में मुफ्त मिले सैनेटरी पैड'

> सुप्रीम कोर्ट का राज्यों को निर्देश

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को मुफ्त में बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड दिए जाएं। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार संविधान में दिए गए जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है।

स्कूली बच्चियों के स्वास्थ्य से जुड़े आदेश पर अदालत ने कहा है कि अगर सरकारें स्कूली छात्राओं को टॉयलेट और मुफ्त सैनेटरी पैड देने में फेल होती हैं, तो उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। वरिष्ठ न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं के लिए सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में केंद्र सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता नीति को पूरे देश में लागू करने पर यह आदेश दिया है।

प्राइवेट स्कूलों को 'सुप्रीम' चेतावनी : सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अगर प्राइवेट स्कूल लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय और सैनेटरी पैड देने में फेल होते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने कहा, मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। अगर प्राइवेट स्कूल ये सुविधाएं देने में विफल रहते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अलग-अलग शौचालय सुनिश्चित करने के निर्देश :

इसी के साथ अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सभी स्कूलों में दिव्यांगों के लिए अनुकूल शौचालय उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है। वहीं सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्कूलों में महिला और पुरुष छात्रों के लिए अलग-अलग शौचालय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

बता दें कि शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर, 2024 को जया ठाकुर की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक की किशोर छात्राओं के लिए सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में केंद्र सरकार की 'स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता नीति' को पूरे भारत में लागू करने की मांग की गई।

तिरुपति प्रसाद विवाद : लड्डू में नहीं था गोमांस वाला घी

> नकली सामान को लेकर सीबीआई की चार्जशीट में बड़ा खुलासा

तिरुपति, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति मंदिर में प्रसाद के तौर पर दिए जाने वाले लड्डुओं में मिलावट का दावा आंध्र प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की राजनीति में भी एक अहम मुद्दा बन गया था। अब सीबीआई के नेतृत्व में जांच कर रही एसआईटी की टीम ने अपनी फाइनल चार्जशीट दायर कर दी है। इस चार्जशीट में कहा गया कि 2019 से 2024 के बीच लड्डू वाला प्रसाद बनाने में इस्तेमाल किए गए घी में गोमांस की चर्बी या लार्ड नहीं था।

बता दें कि नेल्लोर स्थित भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो की अदालत में 23 जनवरी को आरोप पत्र दाखिल किया गया था। 16 महीने पहले 2024 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने यह आरोप लगाकर एक विवाद खड़ा कर दिया था कि पवित्र तिरुपति लड्डू में पशु वसा की मिलावट की गई है। अक्टूबर 2024 में सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद इस मामले की जांच के लिए सीबीआई की एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया था।

लड्डुओं और घी की जांच में क्या निकला :

आरोप पत्र के अनुसार लड्डू बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी में वनस्पति तेलों और डेयरी मानकों की रासायनिक नकल करने के लिए प्रयोगशाला में तैयार किए गए एस्टर की मिलावट पाई गई। इसमें पशु वसा का उपयोग नहीं पाया गया। चार्जशीट से पता चलता है कि उत्तराखंड के भगवानपुर स्थित प्रमुख आपूर्तिकर्ता भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी एक ऐसी उत्पादन इकाई चला रही थी जिसे जांचकर्ताओं ने आभासी उत्पादन इकाई बताया है। सीबीआई की इस जांच में पता चला कि डेयरी ने 2019 से 2024 के बीच अपनी इकाई में दूध या मक्खन की खरीद नहीं की, फिर भी उसने वेंकटेश्वर मंदिर का संचालन करने वाले तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को कम से कम 68 किलोग्राम घी की आपूर्ति की।

विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, 275 यात्री थे

सऊदी जाते वक्त तकनीकी खराबी आई, मुंबई में उतरने की परमिशन नहीं मिली तो लौटा

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट से सऊदी अरब जा रहे एक विमान की शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उड़ान के कुछ समय बाद विमान में तकनीकी दिक्कत आ गई थी। सूत्रों के मुताबिक, जब विमान मुंबई के पास पहुंचा, तब केबिन प्रेशर में समस्या आ गई। इसके चलते कुछ यात्रियों को सांस लेने में परेशानी होने लगी।

हालात देखते हुए पायलट ने पहले मुंबई एयरपोर्ट से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी, लेकिन वहां से परमिशन नहीं मिली। इसके बाद पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट से संपर्क किया। लखनऊ से इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मिलते ही विमान वापस लौट आया। करीब 82 मिनट में विमान सुरक्षित रूप से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। खराबी दूर होने पर विमान जेद्दा के लिए रवाना हो गया। यह विमान सऊदिया अरबिया एयरलाइंस का था। फ्लाइट नंबर एसवी-891 जेद्दा जा रही थी। विमान में 275 यात्री, 4 पायलट और 6 क्रू मेंबर सवार हैं।

64 लाख घुसपैठियों से बदली असम की डेमोग्राफी?

कांग्रेस ने घुसपैठ को दिया बढ़ावा : शाह

गुवाहाटी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस शासन के दौरान असम की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) में बड़ा बदलाव आया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार इस प्रवृत्ति को पलटने के लिए ठोस कदम उठा रही है।

धेमाजी जिले के करेंग चापोरी में टकम मिसिंग पोरिन केबांग (ऑल मिसिंग स्टूडेंट्स यूनियन) द्वारा आयोजित 10वें मिसिंग यूथ फेस्टिवल के समापन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे राज्य को घुसपैठ की समस्या से पूरी तरह मुक्त किया जा सकेगा। अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में अवैध घुसपैठ के कारण असम की जनसांख्यिकीय

संरचना में व्यापक बदलाव हुआ। उन्होंने कहा, कांग्रेस शासन के दौरान घुसपैठियों की संख्या शून्य से बढ़कर 64 लाख तक पहुंच गई और राज्य के सात जिलों में वे बहुमत में आ गए। गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार असम में बदले हुए डेमोग्राफिक ट्रेंड को पलटने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में लगातार दो भाजपा सरकारों के कार्यकाल में घुसपैठियों द्वारा किए गए अतिक्रमण से 1.26 लाख एकड़ भूमि मुक्त कराई गई है। शाह ने कहा, अगर असम में घुसपैठ को रोकना है तो भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिए चुनना होगा और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के हाथ मजबूत करने होंगे। उन्होंने ऊपरी असम में घुसपैठ को रोकने में मिसिंग समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समुदाय की मेहनतकश जीवनशैली के कारण घुसपैठिए इस क्षेत्र में बस नहीं पाए।

सोना-चांदी क्रैश

चांदी 67,000 गिरकर 3.32 लाख पर

सोना 15 हजार रुपये सस्ता, 1.54 लाख रुपये पर

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में आज यानी 30 जनवरी को जबर्दस्त गिरावट दिखी। प्रॉफिट बुकिंग के कारण एमसीएक्स पर चांदी 67 हजार रुपये (17 प्रतिशत) गिर गई। 1 किलो चांदी का भाव 3.32 लाख रुपये पर आ गया। हालांकि बाद में इसमें थोड़ी रिकवरी हुई है और ये 12 प्रतिशत गिरकर 3.51 लाख पर है। एमसीएक्स पर सोने में भी आज 15 हजार रुपये (9 प्रतिशत) की गिरावट है। 10 ग्राम सोना 1.54 लाख रुपये पर आ गया था। सोना भी थोड़ा रिकवर हुआ है और ये 3 प्रतिशत नीचे 1.64 लाख रुपये पर ट्रेड कर रहा है। वहीं सोने और चांदी के ईटीएफ में आज 23 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजार में चांदी 40,638 रुपये और सोना 9,545 रुपये सस्ता हुआ है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत 3,39,350 रुपये किलो पर आ गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,65,795 रुपये पर आ गया है।

'गांधी एक सोच, जिसे नफरत नहीं मिटा सकती'

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति का नाम नहीं है, बल्कि वे एक सोच और जीवन जीने का तरीका हैं। राहुल गांधी के अनुसार, इतिहास में कई बार साम्राज्यवादी ताकतों, नफरत की विचारधारा और सत्ता के घमंड ने इस सोच को मिटाने की कोशिश की, लेकिन वे हर बार नाकाम रहे।

राहुल गांधी ने क्या कहा :

राहुल गांधी ने बापू को 'भारत की अमर आत्मा' बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' एक पोस्ट में कहा, महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं। वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर राष्ट्रपिता ने हमें आजादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है और हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने बापू को किया याद :

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इस मौके पर बापू को याद किया। उन्होंने कहा कि जिस नफरत ने बापू को हमसे अलग किया, उसका समाधान भी बापू के दिखाए रास्ते में ही मिलता है। उन्होंने सत्य की रोशनी, अहिंसा की शक्ति और प्रेम की करुणा को समाज के लिए सबसे जरूरी बताया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी बापू के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अजित पवार की पत्नी को डिप्टी सीएम बनाने की मांग

मुंबई/पुणे, 30 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद उनका पद पत्नी सुनेत्रा पवार को दिए जाने, एनसीपी के दोनों गुट के विलय और विभागों के बंटवारे को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इन्हीं मांगों को लेकर आज शुक्रवार को एनसीपी के नेता सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिलने उनके घर वर्षा बंगले पहुंचे। इसमें प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे शामिल हुए। मीटिंग आधे घंटे तक चली। महाराष्ट्र सरकार में अजित पवार के पास वित्त, आबकारी और खेल विभाग के साथ-साथ डिप्टी चीफ मिनिस्टर का पद भी था। एनसीपी नेताओं में इस बात पर चर्चा चल रही है कि ये विभाग और पार्टी की नेशनल लीडरशिप किसे दी जाए। यह दावा भी किया जा रहा है कि अजित पवार एनसीपी के दोनों गुट के जिस मर्जर पर बातचीत कर रहे थे, उस पर आखिरी फैसला शरद पवार लेंगे। अजित पवार का 28 जनवरी को बारामती में एक प्लेन क्रैश में निधन हो गया था।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने किया नमन

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और उनके महान विचारों को याद किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर बापू को श्रद्धांजलि देते हुए उनके सिद्धांत पर जोर दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से उन्होंने बापू को नमन करते हुए लिखा, पूज्य बापू ने मानवता की रक्षा के लिए हमेशा अहिंसा पर बल दिया। इसमें वह शक्ति है जो बिना हथियार के दुनिया को बदल सकती है। अहिंसा परमो धर्मस्तथाऽहिंसा परन्तपः। अहिंसा परमं सत्यं यतो धर्मः प्रवर्तते।' (अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है, अहिंसा ही सबसे बड़ा तप है और अहिंसा ही परम सत्य है, जिससे धर्म की स्थापना होती है।)

डॉ.एस. जयशंकर ने की फिलिस्तीन की विदेश मंत्री से मुलाकात

> गाजा शांति योजना पर चर्चा

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में फिलिस्तीन राज्य की विदेश मामलों और प्रवासी मंत्री वर्सेन अघाबेकियन शाहिन से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने ट्वीट किया, गाजा शांति योजना और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

हमारे विकास सहयोग की समीक्षा की और इसे आगे बढ़ाने के लिए पहलों पर सहमति जताई। भारत शनिवार को दूसरी आईएएफएमएम होस्ट करने वाला है। भारत और यूएई द्वारा होस्ट की जा रही इस मीटिंग में दूसरे अरब लीग सदस्य देशों के विदेश मंत्री और अरब लीग के महासचिव शामिल होंगे। बता दें, आईएएफएमएम से पहले शुक्रवार को चौथी भारत-अरब सीनियर ऑफिशियल्स मीटिंग का आयोजन हो रहा है। दूसरी

भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक से मौजूदा सहयोग को आगे बढ़ाने और साझेदारी को बढ़ाने की उम्मीद है। खास बात यह है कि भारत-अरब विदेश मंत्रियों की मीटिंग 10 साल बाद हो रही है। इससे पहले यह मीटिंग पहली बार 2016 में बहरीन में हुई थी। पहली बैठक के दौरान, नेताओं ने सहयोग के पांच जरूरी मुद्दों- अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति, की पहचान की और इसमें कुछ गतिविधियों का प्रस्ताव रखा। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक इस साझेदारी को आगे बढ़ाने वाला सबसे बड़ा इंस्टीट्यूशनल सिस्टम है, जिसे मार्च 2002 में तब औपचारिक रूप दिया गया था जब भारत और एलएएस ने बातचीत की प्रक्रिया को इंस्टीट्यूशनल बनाने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया था।

नागर कर्नूल में आवारा कुत्तों को मारने का सिलसिला जारी

> फिर 100 कुत्तों की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नागर कर्नूल जिले से पशु क्रूरता की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां के थुम्मैपल्ली गांव में लगभग 100 आवारा कुत्तों को बेरहमी से मार दिया गया। इस सामूहिक हत्या की खबर मिलते ही पशु कल्याण कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर :

इस मामले में 'स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया' की सहायक मुदावथ प्रीति ने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। चारपाका पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, यह घटना कथित तौर पर सरपंच के अधिकार क्षेत्र वाले गांव में हुई। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि पिछले दस दिनों के दौरान इन कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मारा गया है। ये काम कथित तौर पर थिम्मैपल्ली गांव के सरपंच और पंचायत सचिव ने किए थे।

जांच के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पशु कल्याण कार्यकर्ता गौतम और गांव के सरपंच के बीच हुई बातचीत की एक रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें सरपंच ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने ही कुत्तों को मारने का आदेश दिया था। सरपंच ने इस काम के लिए 'कुत्ता मारने वालों' को 18,000 रुपये का भुगतान भी किया था। आगे की जांच में पता चला कि ग्राम पंचायत के एक कर्मचारी रवि ने मरे हुए कुत्तों के शवों को वहां से हटाया था। सरपंच ने बताया कि कुत्तों के शवों को गांव से लगभग दो किलोमीटर दूर एक सुनसान जगह पर फेंक दिया गया था।

'एआईएडीएमके को भाजपा ने वॉशिंग मशीन में किया साफ'

चेन्नई, 30 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को भाजपा पर तीखा हमला किया। उन्होंने पूछा कि क्या भ्रष्टाचार के मामलों में कथित तौर पर संलिप्त उनकी सहयोगी एआईएडीएमके को उनकी वॉशिंग मशीन में साफ कर दिया गया है। स्टालिन ने एक कार्यक्रम में कहा कि, जो लोग तमिलनाडु के विकास को पचा नहीं पाते। वे व्हाट्सएप विश्वविद्यालय के माध्यम से झूठ फैलाते हैं। डीएमके प्रमुख ने कहा, हमारे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप एक घिसी-पिटी कहानी पर आधारित हैं। इनमें से पहला आरोप राजनीतिक वंशवाद का है। मैं इसका जवाब पहले ही दे चुका हूं। राजनीति में आने की पूरी आजादी है, लेकिन सफलता पाने के लिए उन्हें जनता के सामने खड़ा होना होगा।

सीतारमण के नाम सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड

800 शब्दों में सबसे छोटी स्पीच

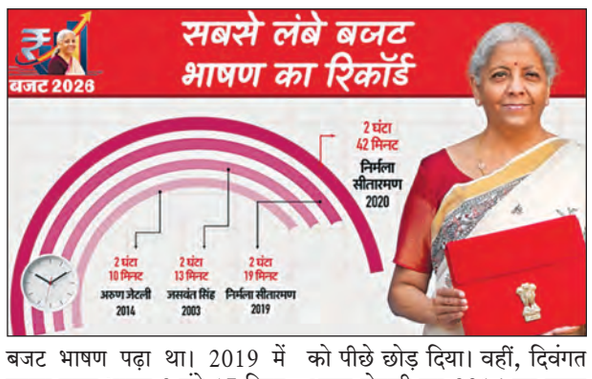

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठ बार लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश कर चुकी हैं और अब 1 फरवरी को वह नौवीं बार बजट पेश करेंगी। अपने आठवें बजट के दौरान उन्होंने करीब 1 घंटे 17 मिनट यानी 77 मिनट तक भाषण दिया था। 2024 में आम चुनाव होने के कारण 1 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश किया गया था, जिसमें वित्त मंत्री का भाषण लगभग 56 मिनट का रहा। चुनाव के बाद मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता में आई, जिसके बाद 23 जुलाई 2024 को पूर्ण बजट पेश किया गया। इस दौरान सीतारमण का बजट भाषण करीब 1 घंटे 25 मिनट तक चला। इससे पहले वित्त मंत्री सीतारमण ने 2023-24 के लिए 87 मिनट का बजट भाषण पढ़ा था। 2019 में उनका बजट भाषण 2 घंटे 17 मिनट का था। 2022 में वह 92 मिनट तक बोलीं थीं।

निर्मला सीतारमण के नाम भारतीय इतिहास में सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड दर्ज है। केंद्रीय बजट 2020 के दौरान उनका भाषण भारतीय इतिहास का सबसे लंबा रहा, जो 2 घंटे 42 मिनट तक चला। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय बजट 2019 में दिए गए 2 घंटे 17 मिनट के अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वहीं, दिवंगत अरुण जेटली का 2014 का बजट भाषण 2 घंटे 10 मिनट का था। अब जानते हैं कि पिछले वर्षों में किस नेता ने अब तक का सबसे छोटा बजट भाषण दिया। साल 2019 में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए अपना पहला बजट पेश किया। इसी भाषण के साथ उन्होंने सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड बना दिया, जो 2 घंटे 17 मिनट तक चला।

मोमो फैक्ट्री से मिले 21 मानव अवशेष दो सीनियर अफसर गिरफ्तार

डीएनए टेस्ट से होगी मृतकों की पहचान

कोलकाता, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कोलकाता के बाहरी इलाके आनंदपुर में लगी आग की जांच में पुलिस ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। यह आग एक मोमो बनाने की यूनिट और दो गोदामों में लगी थी। पुलिस अब फैक्ट्री और गोदाम के कामकाज से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है। इस मामले में पहले भी एक आरोपी को हिरासत में लिया गया था। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मानव अवशेष मिले हैं, इसलिए जांच और संवेदनशील हो गई है। मौतों की सही संख्या डीएनए जांच के बाद ही साफ होगी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को मोमो बनाने वाली कंपनी के मैनेजर मनोरंजन शीत और डिप्टी मैनेजर राजा चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को ही बारुईपुर सब-डिविजनल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मालिक पहले ही हो चुका है गिरफ्तार :

इस मामले में मंगलवार को परिसर और डेकोरेटर फर्म के मालिक गंगाधर दास को गिरफ्तार किया गया था। बुधवार को उसे बारुईपुर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। दास को 4 फरवरी को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पुलिस अधिकारी फिलहाल गंगाधर दास से पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि फैक्ट्री और गोदाम में काम कैसे होता था। साथ ही, घटना के दिन परिसर के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी किसके पास थी, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा की तबीयत बिगड़ी चेस्ट इंफेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती

लुधियाना, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब सरकार के स्थानीय निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा को तबीयत बिगड़ने के बाद फोर्टिस अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंत्री संजीव अरोड़ा को चेस्ट में इंफेक्शन की शिकायत के चलते अस्पताल लाया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए है।

बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिनों से मंत्री संजीव अरोड़ा को सांस लेने में तकलीफ और सीने में असहजता महसूस हो रही थी। प्रारंभिक जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती करने की सलाह दी। फोर्टिस अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनके इलाज में जुटी हुई है और आवश्यक मेडिकल जांचें की जा रही हैं।

ट्रक की टक्कर से कार के परखच्चे उड़े... चार की मौत

ग्वालियर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के बीच सड़क हादसा हो गया। भिंड रोड हाईवे पर बंटू ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने वैगनआर कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। सभी भिंड जिले के हैं। सुबह करीब 8 बजे जैसे ही इनकी कार बंटू ढाबा के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को रौंद दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान सौरभ शर्मा निवासी मेहगांव (भिंड), ज्योति यादव (भिंड), भूरे प्रजापति (गोरमी) भिंड और उमा राठौर पत्नी पति राम राठौर, निवासी मोरोली भिंड के रूप में हुई है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में छिपे जैश के तीन आतंकी

सर्च ऑपरेशन शुरू; इंटरनेट सेवा बंद

जम्मू, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकियों के छिपे होने की खबर है। इन आतंकियों को मार गिराने के लिए सेना का अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को बर्फ से ढके चतरू इलाके में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान को तेज कर दिया है ताकि जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में छिपे जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों के समूह का पता लगाकर उन्हें खत्म किया जा सके। उन्होंने बताया कि चल रहे ऑपरेशन के दौरान राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा इसके दुरुपयोग से बचने के लिए सिंहपोरा, चिंगम और चतरू को कवर करने वाले छह किलोमीटर के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

18 जनवरी को शुरू हुआ था ऑपरेशन

इस इलाके में ऑपरेशन 18 जनवरी को शुरू किया गया था, जिसके बाद मंदराल-सिंहपोरा के पास सोनार जंगल में भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें एक पैराट्रूपर मारा गया और सात सैनिक घायल हो गए। हालांकि, आतंकवादी घनी वनस्पति और मुश्किल इलाके का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे, लेकिन सुरक्षाबलों ने दो फीट से ज्यादा बर्फबारी के बावजूद आतंकवादियों की तलाश जारी रखी। सेना और आतंकवादियों के बीच 22 जनवरी को माली दाना टॉप और 25 जनवरी को जनसीर-कंडीवार में दो और मुठभेड़ हुईं, लेकिन आतंकवादी एक बार फिर जंगल के इलाके में गहरे छिप गए। अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर गृह विभाग द्वारा जारी एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि सिंहपोरा, चिंगम और चतरू में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निलंबन 30 जनवरी को 23:59 बजे तक बढ़ा दिया गया है।

इंटरनेट सेवा किया गया सस्पेंड

यह आदेश गृह विभाग के प्रधान सचिव, चंद्रकर भारती ने जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक से मिले इनपुट के बाद जारी किया, जो टेलीकम्युनिकेशन सेवाओं के अस्थायी निलंबन नियम, 2024 के तहत अधिकृत अधिकारी हैं। निर्देश के अनुसार, यह निलंबन पहचाने गए प्रत्येक स्थान के आसपास छह किलोमीटर के दायरे में लागू होगा। अधिकारियों ने कहा कि हाई-स्पीड मोबाइल डेटा सेवाओं का दुरुपयोग शरारती तत्वों द्वारा किया जा सकता है, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ सकती है

और केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। गृह विभाग ने कहा कि यह फैसला भारत की संप्रभुता और अखंडता, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के हित में लिया गया है। निलंबन आदेश को टेलीकम्युनिकेशन अधिनियम, 2023 और टेलीकम्युनिकेशन सेवा के अस्थायी निलंबन नियम, 2024 के संबंधित प्रावधानों के तहत औपचारिक रूप से पुष्टि की गई है।

कश्मीर पुलिस की बड़ा एक्शन

प्रतिबंधित संगठन इतिहादुल मुस्लिमीन से जुड़े लोगों के घरों पर छापामारी

श्रीनगर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े लोगों पर शिकंजा कसते हुए उनके घरों-व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर अचानक से छापामारी की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह छापामारी मीरगुंड और गुंड ख्वाजा कासिम पट्टन में रहने वाले मुजतबा हुसैन वानी पुत्र मोहि-उद-दीन वानी निवासी मीरगुंड और सैयद मुजफ्फर रिजवी पुत्र सैयद इब्राहिम रिजवी निवासी गुंड ख्वाजा कासिम, पट्टन के घरों पर तलाशी ली।

पुलिस का कहना है कि इन लोगों का पहले एक प्रतिबंधित संगठन, जम्मू-कश्मीर इतिहादुल मुस्लिमीन से संबंध था। सूत्रों ने बताया कि पट्टन पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के बाद यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पट्टन से सर्च वारंट हासिल करने के बाद यह छापामारी की। यही नहीं यह तलाशी का यह सिलसिला एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट पट्टन की मौजूदगी में की गई। इस दौरान कानूनी प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया गया। पुलिस अधिकारी ने अपने बयान में कहा गया है कि बारामूला पुलिस कानून के मुताबिक सख्ती से काम करने और ट्रांसपेरेंसी, प्रोफेशनलिज्म और कानूनी सुरक्षा उपायों का सम्मान करने का अपना वादा दोहराती है।

प्याज-लहसुन बना तलाक की वजह, हाई कोर्ट ने पत्नी की ज़िद को माना मानसिक क्रूरता

अहमदाबाद, 30 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के एक दंपती की शादी केवल इस वजह से टूट गई क्योंकि पत्नी ने घर में प्याज और लहसुन के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया और अपनी धार्मिक मान्यताओं को पति पर थोपने लगी। पति ने कोर्ट में बताया कि उसकी पत्नी ने यह शर्त रख दी थी कि घर में कभी भी प्याज और लहसुन नहीं पकाया जाएगा।

यही नहीं, उसने पति को भी अपनी धार्मिक प्रथाओं के अनुसार जीवन जीने के लिए मजबूर करना शुरू कर दिया। पति ने आगे बताया कि धीरे-धीरे यह मुद्दा केवल भोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक जीवन और मानसिक शांति पर भी असर डालने लगा। पति का कहना था कि पत्नी के इस व्यवहार के कारण वह समाज में घुल-मिल नहीं पा रहा था और मानसिक तनाव का शिकार हो गया। निचली कोर्ट ने पति की दलीलों को स्वीकार करते हुए पत्नी के व्यवहार को क्रूरता की श्रेणी में माना और तलाक मंजूर कर दिया। पत्नी ने इस फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कोर्ट ने पत्नी की आलोचना की

मामले की सुनवाई करते हुए गुजरात हाईकोर्ट ने पत्नी के अत्यधिक हठधर्मी और कट्टर रवैये की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा, "किसी व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता में लगातार हस्तक्षेप करना और मानसिक तनाव देना 'मानसिक क्रूरता' के अंतर्गत आता है।" कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि धार्मिक आस्थाएं व्यक्तिगत होती हैं और उन्हें जीवनसाथी पर थोपना वैवाहिक संबंधों को तोड़ सकता है। हाईकोर्ट ने निचली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए पति को तलाक दे दिया। कोर्ट ने माना कि इस दंपती का साथ रहना अब संभव नहीं है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले दो युवक दबोचे

रोहतक, 30 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक जिले में अवैध हथियारों की तस्करी पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने झज्जर रोड क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं। आरोपित किसी सक्रिय आपराधिक गिरोह से जुड़े बताए जा रहे हैं

और हथियारों की सप्लाई के इरादे से रोहतक पहुंचे थे। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने प्रेसवार्ता में बताया कि सीआईए-2 स्टाफ प्रभारी उपनिरीक्षक सतीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम झज्जर रोड पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि जलेबी चौक के पास बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक अवैध हथियारों के साथ खड़े हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने त्वरित कार्रवाई की और मौके पर दबिश दी। सीआईए-2 स्टाफ ने जलेबी चौक पुल के पास बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल के पास खड़े दोनों युवकों को शक के आधार पर काबू किया।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में एसआईटी की जांच तेज

अभिनेता जयराम से एसआईटी ने की पूछताछ

तिरुवनंतपुरम, 30 जनवरी (एजेंसियां)। सबरीमाला के भगवान अयप्पा मंदिर में मूर्तियों से सोने के चोरी का मामला अब और गहराता जा रहा है। इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मशहूर अभिनेता जयराम से पूछताछ की है। एसआईटी के अधिकारियों ने हाल ही में चेन्नई जाकर अभिनेता के घर पर उनसे कई सवाल पूछे। यह पूछताछ मंदिर की मूर्तियों और दरवाजों से सोना गायब होने के गंभीर आरोपों से जुड़ी है।

जांच टीम ने अभिनेता जयराम से मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ उनके संबंधों के बारे में जानकारी ली। पुलिस ने उनसे पूछा कि उन्होंने पोट्टी के साथ कितनी बार पूजा में हिस्सा लिया था। इसके साथ ही, एसआईटी ने उनके बीच हुए किसी भी तरह के पैसों के लेन-देन की भी जांच की। दरअसल, साल 2019 का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें जयराम चेन्नई में पोट्टी की एक पूजा में शामिल होते दिख रहे थे। इस पूजा में उन मूर्तियों का इस्तेमाल हुआ था, जिन्हें मंदिर से सोने की परत चढ़ाने के लिए लाया गया था।

एसआईटी इस समय दो अलग-अलग मामलों की गहराई से जांच कर रही है। पहला मामला मंदिर के द्वारपाल यानी रक्षक देवता की मूर्तियों से सोना गायब होने का है। दूसरा मामला मंदिर के गर्भगृह (श्रीकोविल) के दरवाजों से सोने की परत चोरी होने से जुड़ा है। इन मामलों में अब तक त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्षों समेत कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इस मामले में गिरफ्तार किए गए टीडीबी के पूर्व अधिकारी बी। मुरारी बाबू और एस। श्रीकुमार को हाल ही में कानूनी जमानत मिल गई है। अदालत ने उन्हें इसलिए रिहा किया क्योंकि एसआईटी गिरफ्तारी के 90 दिनों के भीतर अपनी चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाई थी। हालांकि, श्रीकुमार को दूसरे मामले में आरोपी नहीं बनाया गया है। मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को केवल एक मामले में जमानत मिली है, इसलिए वह अब भी जेल में बंद है।

'संघ-हिंदू महासभा पर नजर रख रहे थे नेहरू और पटेल'

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर बोले जयराम रमेश

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। शुक्रवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने वर्ष 1948 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी को लिखे गए जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल के दो पत्र सार्वजनिक किए। इन दोनों ही पत्रों में दोनों दिग्गज नेताओं ने हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों की कड़ी आलोचना की गई थी।

नेहरू और पटेल ने पत्र में लगाए थे गंभीर आरोप

दोनों नेताओं के पत्र को सार्वजनिक करते हुए जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'महात्मा गांधी की हत्या से दो दिन पहले जवाहरलाल नेहरू ने मुखर्जी को पत्र लिखा था, जबकि कुछ महीने बाद 18 जुलाई 1948 को सरदार

पटेल ने भी उन्हें पत्र भेजा था। दोनों पत्रों में स्वयं को राष्ट्रवाद का संरक्षक बताने वालों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाया गया था। इस दौरान जयराम रमेश ने 30 जनवरी 1948 की रात महात्मा गांधी की हत्या के बाद ऑल इंडिया रेडियो पर दिए गए जवाहरलाल नेहरू के संबोधन का लिंक भी शेयर किया।

आरएसएस ने की थी सरकार के आदेशों की अवहेलना

जयराम रमेश ने अपने पोस्ट में यह लिखा कि नेहरू ने मुखर्जी को लिखे पत्र में आरोप लगाया था कि हिंदू महासभा ने पुणे, अहमदनगर और दिल्ली में प्रतिबंध आदेशों की अवहेलना करते हुए बैठकें की थीं। इन बैठकों के दौरान कुछ भाषणों में महात्मा गांधी को 'देश के लिए बाधा' बताया गया और उनके शीघ्र निधन की बात कही गई थी।

इसके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में आरएसएस की गतिविधियों को और भी अधिक आपत्तिजनक बताया और कहा कि सरकार के पास संगठन से जुड़ी गंभीर जानकारी उपलब्ध है। इसके अलावा रमेश ने सरदार पटेल के पत्र का एक स्क्रीनशॉट भी साझा किया, जिसमें उन्होंने आरएसएस और हिंदू महासभा की गतिविधियों की आलोचना की थी।

प्रीत विहार इलाके में बिल्डिंग गिरी, राहत-बचाव कार्य में जुटी फायर ब्रिगेड टीम

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के प्रीत विहार इलाके में एक हादसा हो गया। यहां एक इमारत गिर गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। उधर, घटना की जानकारी लगते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का कार्य शुरू कर दिया है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे का इंतजार पूरा पंजाब कर रहा है: मनजिंदर सिंह सिरसा

चंडीगढ़, 30 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरु रविदास की 649वीं जयंती पर जांलधर (पंजाब) जाने वाले हैं। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दौरे का पूरे पंजाब को बेसब्री से इंतजार है। मीडिया से बात करते हुए मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, प्रधानमंत्री का गुरु रविदास और पंजाब के लोगों से भावनात्मक रिश्ता रहा है। उनके दौरे का पूरा पंजाब इंतजार कर रहा है। सारी तैयारियां हो चुकी हैं।

प्रधानमंत्री गुरु रविदास की 649वीं जयंती पर जालंधर जा रहे हैं। वे आदमपुर एयरपोर्ट पर उतरेंगे। उनके दौरे से पहले ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आदमपुर एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'श्री गुरु रविदास' के नाम पर करने की मांग की है। मान ने

'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि पंजाब के लोग इसके लिए हमेशा उनके आभारी रहेंगे। पीएम मोदी अपने इस दौरे के बीच डेरा सचखंड बल्लान पहुंचेंगे और वहां के संत निरंजन दास से मिलेंगे। डेरा सतखंड बल्लान को पंजाब के दोआबा इलाके के बड़े धार्मिक डेरों में से एक माना जाता है। यह डेरा जालंधर से करीब 13 किलोमीटर दूर बल्लान गांव में है। संत निरंजन दास को पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। इसके पहले प्रधानमंत्री 1 फरवरी को वर्चुअली लुधियाना के एतिआणा में तैयार हलवारा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के अलावा विधायक उपस्थित रहेंगे। हलवारा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पंजाब के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

एयरपोर्ट को एचडब्ल्यूआर, आईसीएओ कोड वीआईएचएक्स और आयटा कोड प्रदान किए गए हैं। यह एयरपोर्ट बोइंग 737-700 और एयरबस 320 विमानों के लिए तैयार किया गया है। पहले चरण में एयरइंडिया और विस्तारा द्वारा दिल्ली के लिए उड़ानें प्रस्तावित हैं। हलवारा एयरपोर्ट से निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग के बाद डीएसपी को बदलना पड़ेगा हेयर कलर, पुलिस मुख्यालय ने दिया आदेश

भुवनेश्वर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। लाल रंग के बालों के कारण ओडिशा के एक पुलिस अधिकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों के निशाने पर आ गए हैं। अंडरवर्ल्ड के लिए दबंग ऑफिसर माने जाने वाले 49 वर्षीय डीएसपी रश्मी रंजन दास को वर्दी में उनकी तस्वीरें वायरल होने और ऑनलाइन ट्रोल होने के बाद तुरंत अपने भड़कीले बालों का रंग बदलने का आदेश दिया गया है। दास की तैनाती भुवनेश्वर से लगभग 60 किलोमीटर पूर्व में स्थित जगतसिंहपुर जिले में है। उनके लाल बाल, जिन्हें वह कुछ समय से रखे हुए हैं, बुधवार को अचानक चर्चा का विषय बन गए जब उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल गईं। पुलिस मुख्यालय ने हस्तक्षेप किया। आईजी (सेंट्रल रेंज) सत्यजीत नाइक ने दास को औपचारिक चेतावनी जारी करते हुए उनके प्राकृतिक बालों को वापस लाने का निर्देश दिया। नाइक ने कहा, 'पुलिस बल में किसी को भी वर्दी का सम्मान करना चाहिए और अनुशासन और सार्वजनिक शिष्टाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, कि मामला उनके संज्ञान में आते ही उन्होंने कार्रवाई की।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, डीएसपी दास वर्तमान में मानवाधिकार संरक्षण प्रकोष्ठ से जुड़े हुए हैं। सहकर्मियों का कहना है, कि उन्हें पहले भी अनौपचारिक रूप से बालों का रंग बदलने की सलाह दी गई थी, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, कि पुलिस मैनुअल में हेयर स्टाइल को लेकर कोई स्पष्ट नियम नहीं है, लेकिन सादगी और अनुशासन की अपेक्षा जरूर की जाती है। डीएसपी रश्मि रंजन दास ने इस पूरे विवाद पर कोई टिप्पणी करने से इनकार किया है। वहीं, पुलिस मुख्यालय का संदेश साफ है कि खाकी वर्दी में अनुशासन और मर्यादा से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अविमुक्तेश्वरानंद ने की गाय को 'राज्यमाता' घोषित करने की मांग

मीट निर्यात पर रोक के साथ क्या-क्या हैं डिमांड?

वाराणसी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आज (शुक्रवार को) सीएम योगी के सामने 2 प्रमुख मांगें रखी हैं। उन्होंने कहा कि सीएम योगी के पास 40 दिन का समय है, वे गाय को राज्यमाता घोषित करें और गोमांस के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा करें। अगर यूपी सरकार ये नहीं करती है तो 10-11 मार्च को लखनऊ में संत समागम में सीएम योगी आदित्यनाथ को नकली हिंदू घोषित कर देंगे। जानें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और क्या मांगें रखीं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले कि 1966 वाली स्थिति बन गई है। तब की सरकार ने करपात्री जी महाराज को परेशान किया था जबकि आज सीएम योगी और उनके खास रामभद्राचार्य मेरे खिलाफ योजना बना रहे हैं और परेशान कर रहे हैं। मुझसे सरकार की और से कहा गया कि आप शंकराचार्य होने का प्रमाण 24 घंटे के अंदर दें। अविमुक्तेश्वरानंद ने आगे कहा, 'हमने यूपी सरकार को अपने शंकराचार्य होने का प्रमाण उपलब्ध करा दिए हैं जिसे सरकार ने 15 दिन के बाद भी खारिज नहीं किया है। इससे ये साबित हो गया कि मेरा दावा और और प्रमाण सच्चा है। अब आप के ऊपर सवाल है कि अब आप बताएं कि आप असली हिंदू हैं या नकली हिंदू?' उन्होंने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि 40 दिन में अगर गोवंश की हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और निर्यात पर पूरी तरह रोक के साथ-साथ गाय को राज्यमाता का दर्जा नहीं देते तो आपको लखनऊ में ही नकली हिंदू घोषित कर देंगे। हम मांस के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग करते हैं। उत्तर प्रदेश की पवित्र धरती से होने वाले हर तरह के मांस निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाएं। अविमुक्तेश्वरानंद ने दावा किया कि भारत के कुल मांस निर्यात में यूपी की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से ज्यादा है। भैंस के मांस की आड़ में षड्यंत्र निर्यात का सारा डेटा 'भैंस के मांस' के नाम पर दर्ज होता है,

लेकिन यह एक खुला सत्य है कि बिना डीएनए परीक्षण के इस मांस की आड़ में गोवंश को काटा और भेजा जा रहा है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यह सिर्फ एक पद की लड़ाई नहीं, बल्कि सनातन की आत्मा की रक्षा का सवाल है। उत्तराखंड ने 'राष्ट्रमाता' का प्रपोजल दिया, महाराष्ट्र ने गौ माता को 'राज्यमाता' बनाया, तो फिर भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की धरती यूपी मांस निर्यात का केंद्र क्यों बनी हुई है?

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का दौर जारी: 10 जिलों में अलर्ट, 1 फरवरी से भारी हिमपात की चेतावनी

श्रीनगर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में बर्फबारी जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने जल्द ही भारी बर्फबारी के दूसरे दौर की चेतावनी दी है। उधमपुर समेत कई जिलों में 1 फरवरी से बारिश और बर्फबारी के मद्देनजर 10 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग में माइनस 9 डिग्री सेल्सियस और पहलगाम में माइनस 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। श्रीनगर में एक महीने से ज्यादा समय बाद न्यूनतम तापमान शून्य से ऊपर दर्ज किया गया।

जम्मू शहर में भी मौसम में सुधार हुआ है। जम्मू में न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री, कटरा शहर में 8.4 डिग्री, बटोटे में 3.2 डिग्री, बनिहाल में 1.1 डिग्री और भद्रवाह में माइनस 1 डिग्री सेल्सियस रहा। जम्मू-कश्मीर में ज्यादातर बर्फबारी 40 दिन की अवधि में होती है और इस अवधि के आखिरी हफ्ते को छोड़कर घाटी में बहुत ज्यादा बर्फबारी नहीं हुई है। पीने के पानी, सिंचाई वगैरह के लिए पानी की सभी जरूरतें इन 40 दिनों में ऊपरी इलाकों में बारहमासी पानी के जलाशयों में जमा हुई बर्फ की मात्रा पर निर्भर करती हैं, लेकिन घाटी में हाल ही में हुई बर्फबारी से पहले ज्यादातर नदियां, झरने और पानी के दूसरे स्रोत अपने सबसे निचले स्तर पर बह रहे थे। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने का अनुमान लगाया है,

जिससे 1 फरवरी को कुछ बारिश और बर्फबारी होगी। किसानों को 2 फरवरी तक खेती का काम बंद करने की सलाह दी गई है, जबकि यात्रियों और ट्रांसपोर्टरों को श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर यात्रा करने से पहले ट्रैफिक कंट्रोल रूम से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

बर्फबारी वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को अगले 75 घंटों तक बहुत जरूरी होने पर ही घर से निकलने की चेतावनी दी गई है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भूमध्यसागरीय क्षेत्र में एक एक्स्ट्रा ट्रॉपिकल तूफान है जो भारत, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश में बारिश और बर्फबारी लाता है। इन देशों में रबी की फसल की संभावना वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की गतिविधि पर निर्भर करती है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 31 जनवरी, 2026 3

सुविचार

लम्बी छलांग से कही बेहतर है निरंतर बढ़ते कदम, जो एक दिन आपको मंजिल तक ले जाएगी!

तेलंगाना राइजिंग 2047 के तहत तीसरे दिन बैठक जारी

मुख्य सचिव ने विभागीय प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राइजिंग 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्णराव ने डॉ.बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में विभिन्न विभागों की विस्तृत समीक्षा की।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार पिछले तीन दिनों से चल रही इन बैठकों के क्रम में आज कृषि, सहकारिता, पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य, वन, पर्यावरण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण, फैक्ट्री एवं सामान्य प्रशासन विभागों की प्रगति पर चर्चा की गई। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए बीज एवं उर्वरकों की समय पर उपलब्धता, आईटी आधारित वितरण प्रणाली, डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा फसल उत्पादकता बढ़ाने के निर्देश दिए। सहकारिता विभाग के अंतर्गत सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली, ऋण वितरण एवं पारदर्शिता पर बल दिया गया।

पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभागों की समीक्षा में पशु चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, मछुआरों के कल्याण तथा जलाशयों में मत्स्य उत्पादन को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। पर्यावरण एवं वन विभाग की समीक्षा में पर्यावरण संरक्षण, वन क्षेत्र विस्तार, जैव विविधता संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने हेतु उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा हुई। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली, सन्ना चावल की आपूर्ति, राशन दुकानों की कार्यप्रणाली एवं खाद्य सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। श्रम, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग की बैठक में युवाओं के लिए कौशल विकास, उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने हार्वर्ड केनेडी स्कूल लीडरशिप कोर्स पूरा किया

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उनके साथ हार्वर्ड केनेडी स्कूल में शामिल 62 छात्रों के समूह ने अपने कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस कार्यक्रम का नाम था '21वीं सदी में नेतृत्व' (जो प्रतिदिन सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया गया) और तापमान लगभग -15 से -24 डिग्री सेल्सियस के बीच था। कार्यक्रम की सफल समाप्ति के बाद, छात्रों को शुक्रवार को फैकल्टी द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

भट्टी और पोनम ने कस्तूरबा स्कूल का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का और परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर ने रंगारेड्डी जिले के मोगिलिगिड्डा सरकारी स्कूल की 150वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के दौरान पास ही स्थित कस्तूरबा गांधी बालिकाओं के आवासीय स्कूल का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रों से स्कूल और छात्रावास की सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता, शिक्षा संबंधी लक्ष्य और भविष्य की महत्वाकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने छात्रों के साथ भोजन भी किया। भट्टी विक्रमार्का ने स्कूल और छात्रावास प्रबंधन से शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक दोनों पहलुओं पर विस्तृत जानकारी ली और छात्रों की भलाई तथा सुविधाओं को लेकर कई सवाल पूछे।

राज्यपाल ने बापू घाट पर महात्मा गांधी को अर्पित किए श्रद्धांजलि पुष्प

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद के बापू घाट पर शुक्रवार को पुष्पांजलि अर्पित की। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, विधायक, एमएलसी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी वहां उपस्थित रहे और उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरकारी स्कूलों में मुफ्त नाश्ते पर विचार : भट्टी विक्रमार्का

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि यदि वित्तीय स्थिति अनुकूल रही, तो पूरी कैबिनेट और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सभी सरकारी स्कूलों में छात्रों के लिए मुफ्त नाश्ता देने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की निर्वाचन क्षेत्र में यह योजना पहले से ही पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है। बच्चों के पोषण की कमी के कारण उनके समग्र विकास में बाधा आती है, इसलिए सरकार इस दिशा में गंभीर है। भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि केवल समान स्कूल प्रणाली से ही समाज एक परिवार की तरह विकसित हो सकता है। इस दृष्टि के साथ, राज्य में 100 निर्वाचन क्षेत्रों में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेसिडेंशियल स्कूल 25 एकड़ में और 200 करोड़ के बजट से बन रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आईटीआई को आधुनिक मशीनरी और उद्योग-संबंधित पाठ्यक्रम के साथ अपग्रेड किया जा रहा है, ताकि छात्रों को रोजगार सुनिश्चित किया जा सके।

ब्रिटिश उप उच्चायुक्त का मेडारम दौरा

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ विन ओवेन ने मुलुगु जिले के सम्मक्का-सरलम्मा मंदिर, मेडारम का दौरा किया और प्रार्थना की। उन्होंने पारंपरिक हथकरघा पोशाक धारण कर तुलाबारम अनुष्ठान में भाग लिया। इस दौरान मंत्री सीताक्का और जिला कलेक्टर ने उन्हें मेडरम महा जातरा का महत्व और भक्तों के लिए किए गए इंतजामों की जानकारी दी।

हर आउट-ऑफ-स्कूल बच्चा है बाल श्रमिक : शांता सिन्हा

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त बाल अधिकार कार्यकर्ता शांता सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि हर बच्चा जो स्कूल नहीं जाता, उसे बाल श्रमिक माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल स्कूल में नामांकन ही पर्याप्त नहीं है, बाल्यकाल की सुरक्षा, जिज्ञासा का पोषण और समग्र विकास सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों को मोबाइल और टैबलेट के अत्यधिक उपयोग से दूर रखने की चेतावनी दी। 36वें वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों के वास्तविक अनुभवों और सुरक्षित वातावरण में पालन-पोषण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर एनईईएएन के अध्यक्ष डॉ.डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, स्कूल के चेयरमैन डॉ. सुधाकर राव पोलसानी और प्रिंसिपल डॉ.टी. ललिता उपस्थित रहे। कार्यक्रम रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ।

टीजीटीईटी- 2026 प्रारंभिक उत्तर कुंजी जारी

आपत्तियां 1 फरवरी तक

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीटीईटी जनवरी 2026 परीक्षा की प्रारंभिक उत्तर कुंजी शुक्रवार सुबह 10.30 बजे जारी कर दी गई। स्कूल शिक्षा निदेशालय के निदेशक और टीजीटीईटी के अध्यक्ष डॉ.ई. नवीन निकोलस के अनुसार, 3 से 20 जनवरी के बीच ऑनलाइन परीक्षा में शामिल उम्मीदवार कुंजी को https://schooledu.telangana.gov.in पर देख सकते हैं। यदि किसी उम्मीदवार को कुंजी में आपत्ति है, तो वह 30 जनवरी से 1 फरवरी 2026 शाम 5 बजे तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।

रेवंत रेड्डी का शासन राष्ट्रीय मॉडल : जी. चिन्ना रेड्डी

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ.जी. चिन्ना रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का प्रभावशाली प्रशासन अब राष्ट्र के लिए आदर्श बन गया है। संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, फार्मा और एआई समेत तमाम क्षेत्रों में राज्य की प्रगति कुशल प्रशासन का परिणाम है। उन्होंने भूभारती डिजिटल योजना और वी -हब जैसी प्रमुख पहलों को रेखांकित किया, जो भूमि विवाद निपटान और महिला सशक्तिकरण में मदद कर रही हैं। उनका कहना था कि तेलंगाना विज़न 2047 राज्य को तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करेगा।

मेडारम जातारा का डीजीपी ने निरीक्षण किया

राज्यपाल और मंत्री सीताक्का के साथ दर्शन

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले में चल रहे सम्मक्का-सरलम्मा महा जातरा के दौरान भारी भीड़ के बीच पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने शुक्रवार को स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और राज्य मंत्री सीताक्का ने भी मंदिर में जाकर देवी-देवताओं के दर्शन किए और गुड़ के रूप में "निलुवेत्तु बेल्लम" अर्पित किया। डीजीपी ने बताया कि जातरा में पहली बार मेडारम 2.0 तकनीक लागू की गई है, जिसमें टीजी-कैस्ट ड्रोन पुलिसिंग, फेशियल रिकग्निशन, एआई अलर्ट और क्यूआर कोड रिस्ट बैंड्स के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा कि लगभग 13,000 पुलिसकर्मी सात दिन तक निरंतर ड्यूटी पर रहेंगे, 37 पार्किंग स्थल तैयार किए गए हैं और 450 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि को राज्य कमांड सेंटर से मॉनिटर

किया जा रहा है। भक्तों की सुविधा के लिए 3800 आरटीसी बसें चल रही हैं और 24 घंटे हेल्प डेस्क तैनात हैं। डीजीपी ने कहा कि इस आधुनिक तकनीक से बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सकती है।

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में ब्रह्मोत्सव 17 से 25 फरवरी तक

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुबिली हिल्स स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वार्षिक ब्रह्मोत्सव 17 से 25 फरवरी तक आयोजित होंगे। उत्सव की शुरूआत 16 फरवरी को अंकुरार्पण से होगी, जबकि 10 फरवरी को कोइल अल्वर तिरुमंजन अनुष्ठान आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह 8 से 9 बजे और शाम 7 से 8 बजे वाहन सेवाएं होंगी। मुख्य आकर्षण में 21 फरवरी की रात गरुड़ वाहनम, 24 फरवरी को रथोत्सव और 25 फरवरी को चक्र स्नान शामिल हैं। तृतीयक पुष्पायगम 26 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कोलाटा नृत्य, भजन सत्र और अन्नामाचार्य संकीर्तन शामिल होंगे।

ईडी ने पीएनबी को 16 करोड़ रुपये की संपत्तियां लौटाईं

गोल्ड फ्रॉड से जुड़ा मनी लॉन्ड्रिंग मामला

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी गोल्ड फ्रॉड से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को पांच जमीनी संपत्तियों की वापसी पूरी कर दी। ये संपत्तियां 2011 में एफआईआर के समय लगभग 2.55 करोड़ रुपये की थीं, जो अब लगभग 16 करोड़ रुपये की हैं। मामला मेर्सस घनश्यामदास जेम्स एंड ज्वेल्स और उसके प्रबंध साझेदार संजय अग्रवाल से जुड़ा है। आरोप था कि उन्होंने पीएनबी की जाली बैंक गारंटी का उपयोग कर 250 किलो सोना जारी करवाया। ईडी की जांच में पाया गया कि अग्रवाल और उनके भाईयों ने बंधक सोना हटाकर नकद में बेच दिया और पैसे को कई कंपनियों और बेमानी खातों के माध्यम से शुद्ध किया। संजय अग्रवाल को फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया गया था। विशेष पीएमएलए कोर्ट ने 19 जनवरी 2026 को पीएनबी की संपत्तियां वापस करने की मंजूरी दी।

जातीय भारतीय वैद्य परंपरा संस्थ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
National Institute of Indian Medical Heritage
040-24007388
9493627388

अधिसूचना. 01/2026

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ **सलाहकार (आयुर्वेद)-01, सलाहकार (प्रशासन) (सेवानिवृत्त)-01, सलाहकार (संस्कृत)-01 एवं वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (संरक्षण/पुरातत्व)-01** पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

आरआईआईसीओ के प्रतिनिधिमंडल ने टीजीआईआईसी का दौरा किया

टीजीआईआईसी की सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं की सराहना की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान सरकार के अंतर्गत राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरआईआईसीओं) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज तेलंगाना के प्रमुख औद्योगिक एवं आईटी केंद्रों का विस्तृत अध्ययन दौरा किया।

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सुश्री शिवांगी स्वर्णकार, आईएएस, प्रबंध निदेशक, आरआईआईसीओं ने किया। इस दौरे का उद्देश्य तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीजीआईआईसी) द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को समझना था, जिनके माध्यम से तेलंगाना राज्य निवेश के लिए एक वैश्विक गंतव्य के रूप में उभरा है। प्रतिनिधिमंडल ने हाईटेक सिटी, माइंडस्पेस, जीनोम वैली, तथा रविरयाला और महेश्वरम (ई-सिटी) में स्थित इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स (ईएमसी) का दौरा किया। क्षेत्रीय दौरे के उपरांत, प्रतिनिधिमंडल ने टीजीआईआईसी मुख्यालय में के. शशांक, आईएएस, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीजीआईआईसी तथा विभागाध्यक्षों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक के दौरान के. शशांक ने राजस्थान के अधिकारियों को तेलंगाना राइजिंग : विज़न 2047 पहल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य संतुलित क्षेत्रीय विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। उन्होंने राज्य की औद्योगिक सफलता का श्रेय माननीय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के गतिशील नेतृत्व तथा उद्योग, आईटी एवं वाणिज्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू के दूरदर्शी मार्गदर्शन को दिया। आरआईआईसीओं की प्रबंध निदेशक सुश्री शिवांगी स्वर्णकार ने भूमि प्रबंधन एवं बुनियादी ढांचे के रखरखाव में टीजीआईआईसी की सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का आईटी एवं लाइफ साइंसेज इकोसिस्टम भारत के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श उदाहरण है।

उप्पल में अवैध क्लिनिक का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल जोन स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) पुलिस ने गुरुवार को उप्पल के बीरप्पागड्डा में एक अवैध चिकित्सा केंद्र का भंडाफोड़ किया और चिकित्सा एवं फार्मेसी कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने अंजली फार्मेसी और प्राथमिक चिकित्सा क्लिनिक पर छापा मारा और पाया कि बनोथु श्रीनु बिना वैध चिकित्सा योग्यता के डॉक्टर होने का ढोंग कर रही थी। वहीं एम करुणाकरा कथित रूप से बिना आवश्यक फार्मेसी लाइसेंस के मेडिकल शॉप चला रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चिकित्सा उपकरण, दवाइयां, गर्भनिरोधक किट और दो मोबाइल फोन जब्त किए। सभी सामग्री और आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उप्पल पुलिस के हवाले किया गया।

ट्रक के पलटने से अफरा-तफरी, चालक घायल

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के कोकापेट नियोपोलिस इलाके के पास आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर शुक्रवार सुबह एक रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) ट्रक के पलटने से अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, ट्रक डिवाइडर से टकराकर नियंत्रण खो बैठा और ओआरआर से नीचे सर्विस रोड पर गिर गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

Kamalbhen, Mother of No. 14677184X, Hav, Mali Mohan Gawarlal, R/o, Vill & PO : Dindoli, Dist: Surat, Gujarat, changed my name from Kamalbhen to Mali Kamalben Gawarlal, vide Affidavit No. 284488 dt. 28.01.2026, before, Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्थापना:1983 ||श्री आईमाता प्रसादाता|| पंजीकृत सं.1941/83

सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुट्टा हैदराबाद

श्री आईमाताजी मन्दिर (बडेर), पारसीगुट्टा, सिकन्दराबाद फोन: 27505506

के तत्वावधान मे

श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण

आज शनिवार, दि. 31 जनवरी 2026 रात्रि 8.15 बजे से

भजन गायकार: कन्हैया वैष्णव (आस्था टी.वी. चैनल फेम सिंगर)

निवेदन : समाज बन्धुओ व भक्तो से निवेदन है सपरिवार पधारकर श्री खेतलाजी महाराज के दर्शन, भजनों एवं कार्यक्रम का लाभ लेवे

नोट: तीनों कमेटियों के सदस्यगण समय पर पधारे

निवेदक: कार्यकारिणी समिति सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद

: अध्यक्ष : मोहनलाल हाम्बड़ 9948177436
शिक्षा समिति अध्यक्ष: लाबूराम पंवार
सचिव: चेलाराम भायल

: सचिव : नारायणलाल काग 9849722490
महिला मंडल अध्यक्ष: सुशीला देवड़ा
सचिव: निर्मला देवड़ा

P.Solankey

बापू के आदर्शों को आत्मसात कर विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें: सीएम योगी

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।''

सीएम योगी ने लिखा, ''श्रद्धेय 'बापू' का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेंगी।'' मुख्यमंत्री ने आह्वान किया, ''आइए, 'बापू' के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।'' महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गुजरात नंबर की स्कूटी पर पटना पुलिस को हुआ शक लड़का-लड़की को उतारा डिग्गी खोली तो... उड़े होश

पटना, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में पुलिस ने एक स्कूटी से 12 लाख रुपए कैश बरामद किए गए हैं। स्कूटी का नंबर गुजरात का है। स्कूटी पर एक युवक और युवती सवार थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया है और आगे की कर रही है। घटना दीघा थाना क्षेत्र की है। एसडीपीओ लॉ एंड ऑर्डर 2 दिव्यांजलि जायसवाल ने बताया कि गुरुवार को राजधानी के दीघा थाना क्षेत्र अंतर्गत जीप सेतु पर पुलिस रोज की तरह अपनी ड्यूटी कर रही थी और वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक स्कूटी को पुलिस ने रोका। स्कूटी का नंबर गुजरात का था और उस पर एक युवक व एक युवती सवार थे। पुलिस ने जब इस स्कूटी की तलाशी ली तो एक सूटकेस बरामद हुआ, जिसमें 12 लाख एक हजार रुपए मिले। जब उनसे कैश के बारे में पूछा गया तो दोनों कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाए। इसके बाद दोनों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया।

पति ने मजाक में बोली ये बात, मॉडल पत्नी ने कर लिया सुसाइड

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र में एक 28 वर्षीय मॉडलिंग करने वाली महिला तन्नू सिंह ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार का दावा है कि पति राहुल सिंह ने मजाक में उन्हें "बंदरिया" कह दिया था, जिससे आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। लेकिन अभी तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है।

एमओटीएन सर्वे: लोकप्रियता के इस पैमाने पर सबसे आगे निकले राहुल गांधी

अखिलेश यादव भी रह गए पीछे !

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन इंडिया में लीडर को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव के समर्थकों की अपनी-अपनी दलीलें हैं। लेकिन जनवरी 2026 के एमओटीएन सर्वे ने साफ कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी के सामने विपक्ष का चेहरा बनने की रेस में फिलहाल कौन सबसे मजबूत है। बता दें कि एमओटीएन सर्वे में जब लोगों से सवाल पूछा गया कि विपक्षी गठबंधन की अगुवाई करने के लिए कौन नेता सबसे बेहतर साबित होगा तो सबसे ज्यादा 28.6% लोगों ने जिस नाम पर भरोसा जताया है वह काफी चौंकाने वाला है।

लोगों की पहली पसंद बनें राहुल गांधी

एमओटीएन जनवरी 2026 के सर्वे के मुताबिक 28.6% जनता राहुल गांधी को गठबंधन की अगुवाई के लिए सबसे सटीक मानती है। उनके लोकप्रियता के ग्राफ पर नजर डालें तो अगस्त 2023 में यह 23.6% पर था जो अगस्त 2024 में तेजी से उछलकर 32.4% के शिखर तक पहुंच गया था। फिलहाल यह आंकड़ा 28% के मजबूत स्तर पर बना हुआ है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के लिए यह सर्वे चिंताजनक हो सकता है। 2023 के मुकाबले उनकी पसंद में भारी गिरावट दर्ज की गई है। 2023 में 14.8% लोगों की पसंद रहीं ममता बनर्जी अब गिरकर 7.1% पर आ गई हैं। उनके प्रभाव क्षेत्र का राष्ट्रीय स्तर पर सिमटना गठबंधन के भीतर शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकता है। वहीं अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई है। अगस्त 2023 में 14.6% समर्थन पाने वाले केजरीवाल अब केवल 6% पर टिके हैं। दिल्ली और पंजाब के बाहर उनकी स्वीकार्यता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

अखिलेश यादव को लेकर लोगों की राय

वहीं बात करें सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तो उनके ग्राफ में काफी हद तक स्थिरता देखी गई है। हालांकि वे रेस में काफी पीछे हैं। जनवरी 2026 के ताजा एमओटीएन सर्वे के अनुसार 6.1% लोग उन्हें इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के लिए सही मानते हैं। वहीं अगस्त 2025 में यह आंकड़ा 6.7% और फरवरी 2025 में 5.6% था। अगर पिछले सालों की तुलना करें तो अगस्त 2024 में उन्हें सबसे अधिक 7.5% लोगों का समर्थन प्राप्त था जबकि अगस्त 2023 में यह ग्राफ 5.4% पर था। प्रियंका गांधी के नेतृत्व को लेकर जनता की पसंद में उतार-चढ़ाव देखा गया है। एमओटीएन सर्वे के अनुसार जनवरी 2026 में 3.8% लोग चाहते हैं कि प्रियंका गांधी इंडिया गठबंधन को लीड करें। अगस्त 2025 में 4.4% लोग उनके पक्ष में थे। वहीं फरवरी 2025 में यह आंकड़ा 3.2% था।

इससे पहले अगस्त 2024 में भी 3.2% लोगों ने उन पर भरोसा जताया था। जबकि अगस्त 2023 में 5.9% लोग मानते थे कि प्रियंका गांधी इंडिया गठबंधन की अगुवाई के लिए सबसे बेहतर विकल्प हो सकती हैं। इस सर्वे के सबसे चौंकाने वाले नतीजे बताते हैं कि विपक्ष का चेहरा बनने की रेस में राहुल गांधी न केवल सबसे आगे हैं बल्कि उन्होंने अखिलेश, ममता और केजरीवाल जैसे क्षेत्रीय दिग्गजों पर एक बड़ी बढ़त हासिल कर ली है।

भाजपा-विधायक ने यूजीसी नियमों पर सरकार को घेरा

हरदोई, 30 जनवरी (एजेंसियां)। गोपामऊ से भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक का स्वागत किया है। विधायक ने सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट का आभार जताते हुए कहा कि इस निर्णय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ-साथ हम सबकी 'इज्जत और गालियां' बचा ली हैं।

विधायक के इस बयान को राजनीतिक गलियारों में 'सत्ता में रहकर विपक्ष सा साहस' के रूप में देखा जा रहा है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर देशभर के बुद्धिजीवी वर्ग और युवाओं में व्यापक असंतोष था। श्याम प्रकाश ने संदेश दिया कि नियम 'एसी कमरों' में बैठकर नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत को देखकर बनाए जाने चाहिए। सत्ताधारी दल का विधायक होने के बावजूद सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने के उनके इस कदम को सामान्य और मध्यम वर्ग के बीच सराहा जा रहा है।

'प्रधानमंत्री के क्षेत्र में मेट्रो नहीं बनाने दे रहे मुख्यमंत्री'

अखिलेश यादव का डबल इंजन सरकार पर निशाना

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बजट सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया दी और दिल्ली नोएडा में मेट्रो का जाल बिछाने के लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये सरकार राष्ट्रपति से कहलवाती है कि दुनिया में सबसे तेज मेट्रो रेल का विस्तार हमारे देश में हो रहा है लेकिन प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र में मेट्रो नहीं बनवा पा रहे। अखिलेश यादव ने कहा, सरकार कह रही है कि दुनिया में सबसे तेजी से मेट्रो का विस्तार हमारे देश में किया जा रहा है लेकिन नोएडा से ग्रेटर नोएडा समाजवादी पार्टी ने बिछाई, नोएडा को दिल्ली से जोड़ने वाली मेट्रो सपा सरकार ने बिछाई, इन्होंने कौन सी मेट्रो बिछाई हैं?

सपा अध्यक्ष ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे लखनऊ के मुख्यमंत्री बहुत आगे हैं। वो सड़क वाली मेट्रो नहीं बना रहे, वो पानी वाली मेट्रो बना रहे हैं। जो कह रहे हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा मेट्रो का विस्तार हमारे देश में हुआ है, तो प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मुख्य मंत्री मेट्रो नहीं बनाने दे रहे। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के क्षेत्र में मेट्रो बनाने के लिए सपा सरकार ने डीपीआर और बजट दिया था। लेकिन, मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री के यहां मेट्रो नहीं बनने दे रहे हैं और अपने क्षेत्र में मेट्रो नहीं बना पा रहे।

सपा अध्यक्ष ने वीबी-जीरामजी एक्ट को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यूपी में लगभग 800 ग्राम सभाएं शहरी हो गईं। यूपी पहले से ही बजट के लिए दिल्ली की तरफ देख रहा है। अब आप बजट कम करके देख रहे हैं तो यूपी का काम कैसे होगा? गरीब को कैसे रोजगार मिलेगा। दूसरा ये कि जब ये कह रहे हैं कि दुनिया में हम धान में, फसलों में दूध में हम न जाने कहां पहुंच गए हैं। जो इन्होंने सपना दिखाया था कि किसानों की आय दोगुनी होगी क्या वो हो गई हैं।

अपहरण मामले में सीबीआई ने लखीसराय की महिला दारोगा को किया गिरफ्तार

लखीसराय, 30 जनवरी (एजेंसियां)। स्थित भोजपुर के चर्चित निजी शिक्षक कमलेश राय अपहरण मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की। सीबीआई ने कार्रवाई करते हुए लखीसराय टाउन थाना में पदस्थापित महिला दारोगा अंजली कुमारी को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी पटना हाईकोर्ट के सख्त निर्देश के बाद तेज हुई। सीबीआई जांच के दौरान सामने आए अहम तकनीकी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर की गई है। वर्ष 2019 बैच की पुलिस अधिकारी अंजली कुमारी पर आरोप है कि उन्होंने अपहरण से जुड़े महत्वपूर्ण सबूतों को दबाने का प्रयास किया और जानबूझकर जांच की दिशा भटकाई। सीबीआई की कार्रवाई के बाद उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया गया है। वहीं विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, यह मामला उस समय सामने आया था जब भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड अंतर्गत कोल्हरामपुर गांव निवासी निजी शिक्षक कमलेश राय रहस्यमय ढंग से लापता हो गए थे। कमलेश राय आरा में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे और एक निजी कोचिंग संस्थान में अध्यापन कार्य करते थे।

रील, लाइव और कमेंट बंद

बिहार सरकार का बड़ा फैसला, कर्मचारियों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर कड़ा प्रतिबंध

पटना, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर लगाम कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राज्य कैबिनेट की बैठक में आज यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि फेसबुक, ट्विटर (एक्स), टेलीग्राम और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अनुचित टिप्पणी या गलत व्यवहार करने वाले सरकारी कर्मचारियों पर अब सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार का कहना है कि यह नियम प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखने और सरकारी छवि की रक्षा के लिए जरूरी है।

कैबिनेट द्वारा स्वीकृत दिशा-निर्देशों के अनुसार, अब बिहार के किसी भी सरकारी सेवक को सोशल मीडिया अकाउंट बनाने से पहले अपने सक्षम अधिकारी से अनुमति लेनी होगी। यानी कोई भी कर्मचारी बिना विभागीय अनुमति के सोशल मीडिया अकाउंट संचालित नहीं कर सकेगा। सरकार ने स्पष्ट कहा है कि गुमनाम (अनाम) या फर्जी अकाउंट का उपयोग बिल्कुल प्रतिबंधित रहेगा। यदि कोई कर्मचारी ऐसा करता पाया गया तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई तय है।

ड्यूटी के दौरान या कार्यस्थल से संबंधित कंटेंट बनाना भी अब 'सख्त वर्जित' होगा। किसी भी प्रकार की रील, वीडियो, फ़ोटो या बातचीत को लाइव प्रसारित करना सीधे नियमों के खिलाफ माना जाएगा। सरकार का कहना है कि ऐसे वीडियो अक्सर गलत संदेश देते हैं और कार्यस्थल की गोपनीयता का उल्लंघन भी करते हैं। नई गाइडलाइन के अनुसार, सरकारी कर्मचारी किसी भी संवेदनशील जानकारी, विभागीय दस्तावेज़ या आधिकारिक चैट को सोशल मीडिया पर साझा नहीं कर सकेंगे।

कर्मचारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे सोशल मीडिया पर कोई भी आपत्तिजनक, भड़काऊ या अनुचित टिप्पणी करने से बचें। राज्य सरकार का मानना है कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के तेज़ प्रसार के कारण कई बार सरकारी कर्मचारियों द्वारा की गई टिप्पणियां विवाद और भ्रम की स्थिति पैदा कर देती हैं। इसलिए इस नई नीति को डिजिटल अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक आवश्यक कदम बताया जा रहा है। इन कड़े निर्देशों के बाद साफ है कि बिहार सरकार अब डिजिटल आचरण को भी कर्मचारी आचार संहिता का हिस्सा मानते हुए शून्य-लापरवाही की नीति अपनाने जा रही है।

'नीट छात्रा के प्राइवेट पार्ट में था स्पर्म'

पप्पू यादव ने जारी किया नर्स से बातचीत का 'विस्फोटक' ऑडियो

पूर्णिया, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में नीट छात्रा की संदिग्ध मौत के मामला में हर दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। एक तरफ एसआईटी जहां 25 से ज्यादा लोगों का डीएनए टेस्ट कर रही है, तो वहीं छात्रा के पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर एम्स पटना से सेकंड ओपिनियन भी लिया जा रहा है। वहीं इस मामले में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल की एक महिला नर्स के साथ हुई बातचीत का वीडियो वायरल हो रहा है। इस बातचीत में नर्स ने जो खुलासे किए हैं, वे सीधे तौर पर अस्पताल प्रबंधन और स्थानीय पुलिस की थ्योरी पर सवालिया निशान खड़े करते हैं। सांसद पप्पू यादव से फोन पर हुई बातचीत के दौरान नर्स ने बताया कि जब छात्रा को अस्पताल लाया गया, तो वह पूरी तरह अचेत थी।

नर्स के अनुसार छात्रा के प्राइवेट पार्ट में झाग (स्पर्म जैसा) और खून के धब्बे थे, जिसे देखकर अस्पताल स्टाफ को पहले ही पल में अहसास हो गया था कि उसके साथ कुछ गलत हुआ है। नर्स ने आगे बताया कि ड्यूटी पर मौजूद महिला डॉक्टर (गायनेकोलॉजिस्ट) ने जांच के बाद स्पष्ट कहा था कि छात्रा का या तो अबॉर्शन कराया गया है या उसने अबॉर्शन की दवा ली है। इसके साथ ही नर्स ने उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा जा रहा था कि छात्रा पीरियड्स में थी। नर्स ने पुष्टि की कि वह 'मॉर्निंग केयर' ड्यूटी पर थी और सफाई के दौरान ऐसा कुछ नहीं पाया गया।

पप्पू यादव से बातचीत के दौरान नर्स ने यह भी बताया कि भर्ती होने के छात्रा कोदो दिन बाद होश आया था। तब छात्रा ने इशारों में अपनी मां को बताया कि उसके साथ गलत हुआ है और वह रोने लगी। इसके साथ ही नर्स ने सवाल उठाते हुए कहा कि होश में आने के बाद अचानक उसे नींद का इंजेक्शन दिया गया या कुछ और, जिससे वह फिर से कोमा में चली गई। यह पूरी प्रक्रिया जांच के घेरे में है।

नर्स ने पप्पू यादव को बताया कि अस्पताल में एक महिला छात्रा की मां से मिलने आई थी।

उसने इलाज का पूरा खर्च उठाने की बात कही, जिस पर मां ने भावुक होते हुए कहा कि हमें पैसे नहीं, अपनी बेटी चाहिए। इसके अलावा, नर्स ने अपनी जान का खतरा बताते हुए कहा कि सच्चाई सामने आने के बाद से अस्पताल प्रबंधन और स्टाफ उसे लगातार धमका रहे हैं। उसे अस्पताल न आने पर एफआईआर दर्ज कराने और अंजाम भुगतने की धमकी दी जा रही है।

बता दें कि पप्पू यादव ने उसी अस्पताल के नर्स से बातचीत की है जिसकी रिपोर्ट के आधार पर पटना पुलिस ने पहले ही यौन शोषण की बात को खारिज कर दिया था। सांसद पप्पू यादव ने इस मामले को लेकर संसद के बाहर भी प्रदर्शन किया है और वह लगातार शंभू हॉस्टल के मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

केला लदी पिकअप से पुलिस ने 40 बोरियों में बरामद किए 1203 कछुए, 3 तस्कर गिरफ्तार

अमेठी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मुंशीगंज पुलिस व स्वाट टीम ने कछुआ तस्कर को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने केला लदे पिकअप में छोटी-छोटी बोरियों में रखे 1203 कछुआ बरामद किया। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 30 लाख रुपये बताई जा रही है। तस्करी में संलिप्त चालक सहित तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। जबकि बरामद कछुआ वन विभाग को सिपुर्द किया गया।

राजर्षि रणंजय सिंह इस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज के पास रात साढ़े 11 बजे पुलिस वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुंशीगंज चौराहा की तरफ से एक पिकअप आती दिखी। जिसे पुलिस टीम ने रोका। रुकने पर पुलिस को पिकअप सवार असहज दिखे। इससे पुलिस को शंका हुई और पीछे देखा, तो केला लदा हुआ था। लेकिन संदेह होने पर पुलिस ने केला हटवाया, तो छोटी-छोटी बोरियों में कछुआ बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार कुल 1203 कछुआ बरामद हुए है। जगदीशपुर के गांधीनगर मजरे पालपुर निवासी रमेश, राजेश व श्रावस्ती के भगवानपुर मल्हीपुर निवासी चालक वीरेंद्र विक्रम कछुआ की तस्करी करते हैं।

यह लोग कछुआ बेचने वाराणसी जा रहे थे। पुलिस को चकमा देने के लिए कछुआ से भरे बोरियों के ऊपर केला लाद दिया था। पुलिस की तलाशी लेने पर रमेश के पास से रास्ते में बेचे गए कछुआ से मिले कुल 60 हजार रुपये बरामद हुए। जबकि राजेश के पास 400 व वीरेंद्र विक्रम के पास 600 रुपये मिले। कोतवाल शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि बरामद कछुआ को वन विभाग को सिपुर्द कर दिया गया है।

मुश्किल में भोजपुरी फिल्मों की हीरोइन

व्यापारी को 200 करोड़ का लालच देकर ठगे 11.5 करोड़; एफआईआर दर्ज

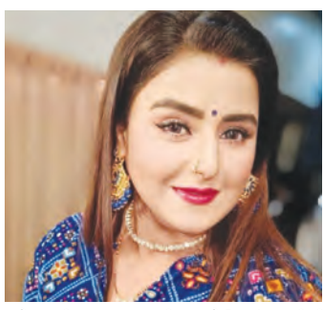

भोजपुरी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। टीवी शो 'इश्क में मरजांवा से लेकर भोजपुरी सिनेमा की बड़ी एक्ट्रेसेस की लिस्ट में अपनी जगह बनाने वाली आकांक्षा अवस्थी मुसीबत से घिरती नजर आ रही हैं। आकांक्षा और उनके पति पर एक शख्स ने ठगी का आरोप लगाते हुए पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई हैं। खेसारी लाल यादव से लेकर भोजपुरी सिनेमा के कई सितारों के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाली आकांक्षा के खिलाफ पुलिस ने 28 जनवरी को मुंबई के पंत नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की। एक खबर के मुताबिक, भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा अवस्थी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने वाले शख्स का नाम हितेश कांतिलाल अजमेरा है, जिनकी उम्र 52 वर्ष है और उनका कस्टम क्लीयरेंस का बिजनेस है। हितेश ने पंतनगर पुलिस स्टेशन में आकांक्षा अवस्थी के अलावा उनके पति विवेक कुमार उर्फ अभिषेक कुमार सिंह चौहान और उनके सहयोगियों के खिलाफ 11.50 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। विक्टिम की शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक्ट्रेस के साथ-साथ उनके साथियों के खिलाफ एफआईआर रजिस्टर की है और छानबीन शुरू कर दी है।

पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि आकांक्षा और उनके साथियों ने उन्हें ये कहकर झांसा दिया कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके मजबूत कनेक्शन हैं और वह काफी पैसे वाले हैं। आकांक्षा अवस्थी ने ये दावा किया था कि उनका अंधेरी में खुद का एक फिल्म स्टूडियो और आर्टिस्ट ट्रेनिंग सेंटर है। अपनी शिकायत में हितेश ने ये भी बताया कि उन्होंने स्टूडियो की ओनरशिप, फेम और 200 करोड़ का इंटरस्ट फ्री लोन का झांसा देकर उन्हें इन्वेस्ट करने के लिए लुभाया है। शिकायत के मुताबिक, एक्ट्रेस के पति विवेक कुमार ने एक कहानी गढ़ते हुए कहा था कि बिहार के बेतिया इलाके में एक वेयरहाउस में उनके 300 करोड़ रुपए कैश में हैं।

पीड़ित ने बताया कि आकांक्षा के पति ने ये दावा किया था कि कुछ कानूनी दिक्कतों की वजह से उनका पैसा फंसा हुआ है और उसे निकालने के लिए इन्वेस्टमेंट जरूरी है, इसके बदले में उन्होंने चार दिनों के अंदर बिना ब्याज के 200 करोड़ रुपए लौटाने का वादा किया था। उनकी पत्नी ने खुद पीड़ित को ये भरोसा दिलाया था कि वह पैसे वापस कर देंगे। पीड़ित ने बताया कि मार्च से जुलाई 2024 के बीच उसने अलग-अलग बैंक अकाउंट में 11.50 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए थे। आकांक्षा और उनके पति विक्टिम को पटना ले गए और कथित वेयरहाउस के उसे डॉक्यूमेंट्स भी दिखाए, ताकि वह उन पर यकीन करे। विक्टिम को बेतिया भी ले जाने का प्लान बनाया गया।

बीएमडब्ल्यू से जा रही महिला यूट्यूबर से छेड़खानी

गौतम बुद्ध नगर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में जानी-मानी महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर का पीछा करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दिल्ली के डीएनडी फ्लाईओवर से लेकर ग्रेटर नोएडा के परी चौक तक करीब 27 किलोमीटर तक कार सवार युवकों ने उनका पीछा किया। बार-बार ओवरटेक किया। चलती कार की विंडो से लटकर अश्लील इशारे किए। सिलसिला महिला के घर पहुंचने तक चलता रहा। इससे वह इन्फ्लुएंसर घबरा गई और कार रोक दी। पति को फोन कर पूरी बात बताई। इस दौरान आरोपी भी वहीं खड़े रहे। घर पास में ही था तो पति जल्दी ही मौके पर पहुंच गया। पुलिस को फोन कर पूरी जानकारी दी। पुलिस के आने तक आरोपियों और महिला के पति के बीच कहासुनी होती रही। इस बीच नॉलेज पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों से बात की। हालांकि, महिला ने शिकायत करने से मना किया तो पुलिस ने आरोपियों को समझाकर छोड़ दिया। पति ने सोशल मीडिया पर मामले का वीडियो भी शेयर किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स और प्रमोटर अनिल मिठास के खिलाफ दायर की पूरक चार्जशीट, संपत्तियां कुर्क

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नोएडा स्थित रियल एस्टेट कंपनी उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड (यूएफएचएल) और उसके मुख्य प्रमोटर अनिल मिठास के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का बड़ा मामला दर्ज किया है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच पूरी करते हुए कंपनी और अनिल मिठास के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत दायर की है। यह शिकायत विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निरोधक (सीबीआई), गाजियाबाद की अदालत में पेश की गई है। जांच उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर पर आधारित है, जिसमें यूएफएचएल, अनिल मिठास, मधु मिठास और कंपनी के अन्य अधिकारियों पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी का आरोप लगा था।

ईडी की जांच में सामने आया कि 2011 से 2019 के बीच कंपनी ने घर खरीदारों और निवेशकों से जुटाए गए फंड का गबन किया। कंपनी के कई बैंक खातों में जमा हुए पैसे को अनिल मिठास ने इक्विटी निवेश, प्रेफरेंस शेयर, डिबेंचर, बॉन्ड, ऋण, अग्रिम और सुरक्षा जमा जैसे तरीकों से संबंधित पार्टियों को लगभग 126 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए। यह फंड मूलरूप से 'अरण्या' जैसे आवासीय प्रोजेक्ट्स के लिए इकट्ठा किया गया था, लेकिन इसका दुरुपयोग होने से प्रोजेक्ट अधूरे रह गए। इससे घर खरीदारों और वित्तीय संस्थानों को भारी नुकसान हुआ, जबकि कंपनी के निदेशकों और प्रमोटरों को गलत फायदा पहुंचा। ईडी ने 16 अप्रैल 2025 को अनिल मिठास को गिरफ्तार किया, जो अभी न्यायिक हिरासत में है। अगले दिन 17 अप्रैल को कंपनी और संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की गई, जिसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल सबूत जब्त हुए। अब तक ईडी ने यूएफएचएल, उसके प्रमोटरों और सहयोगी संस्थाओं से जुड़ी 126 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। इसमें हाल ही में 8 सितंबर 2025 को अरण्या प्रोजेक्ट से जुड़ी अनिल मिठास (एचयूएफ) की लगभग 100 करोड़ रुपए की संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की गईं।

इससे पहले ईडी ने 13 जून 2025 को मुख्य अभियोजन शिकायत दायर की थी, जिस पर अदालत ने 18 अगस्त 2025 को संज्ञान लिया और चार्जशीट फाइल कर दी। जांच में पता चला कि कंपनी ने घर खरीदारों से कुल 522 करोड़ रुपए से ज्यादा जुटाए थे, लेकिन बड़े पैमाने पर फंड का गबन हुआ। ईडी की यह कार्रवाई घर खरीदारों के हितों की रक्षा और मनी लॉन्ड्रिंग रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शहर की सड़कों से आईआईटी के सपनों तक

स्वच्छता कर्मियों के बच्चों के लिए खुला नया द्वार

हमारे स्वच्छता कर्मी हैदराबाद की रीढ़ : आयुक्त

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक ऐतिहासिक पहल के तहत, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम शहर के स्वच्छता कर्मियों के बच्चों के लिए भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक आईआईटी हैदराबाद के द्वार खोल रहा है। पहली बार, इन बच्चों को 31 जनवरी 2026 को विशेष रूप से तैयार किए गए एक्सपोज़र विज़िट कार्यक्रम के अंतर्गत आईआईटी हैदराबाद परिसर ले जाया जाएगा। यह पहल जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन की दूरदृष्टि और विशेष प्रयासों से संभव हो पाई है। यह कार्यक्रम केवल एक कैंपस भ्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य बच्चों में आकांक्षाओं को जगाना, उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाना और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करना है। जीएचएमसी के विभिन्न सर्किलों से कक्षा 6 से 10 तक के वे बच्चे इसमें भाग लेंगे, जिनके परिवार प्रतिदिन चुपचाप शहर को स्वच्छ रखने की सेवा करते हैं। आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को इस पहल की सफलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत आईआईटी के संकाय और छात्रों के साथ संवादात्मक सत्र, शैक्षणिक भवनों, पुस्तकालयों और नवाचार केंद्रों का दौरा, तथा जिज्ञासा और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने वाले प्रेरणादायक सत्र शामिल होंगे। कई बच्चों के लिए यह किसी विश्वस्तरीय संस्थान का पहला अनुभव होगा, जो कल्पनाओं को प्रेरणा में बदल देगा। जो परिवार भोर से पहले उठकर हैदराबाद की सड़कों को साफ करते हैं, उनके लिए यह यात्रा एक सशक्त संदेश लेकर आती है: उनके बच्चों के सपने मायने रखते हैं, और उत्कृष्टता उनकी पहुँच में है।

यह पहल जीएचएमसी के इस विश्वास को दर्शाती है कि हर बच्चे को पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सपने देखने, सम्मान और अवसर पाने का समान अधिकार है। यह कार्यक्रम आईआईटी हैदराबाद के ई-सेल के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बच्चों के लिए परिवहन, भोजन, सुरक्षा और मार्गदर्शन की विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं, ताकि हर बच्चा स्वयं को स्वागत योग्य, सम्मानित और प्रोत्साहित महसूस करे।

यह प्रयास इस बात की याद दिलाता है कि वास्तविक स्वच्छता केवल साफ सड़कों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, आशा और सामाजिक उन्नति की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करना भी उतना ही आवश्यक है। इस भावनात्मक पहल के माध्यम से जीएचएमसी न केवल एक स्वच्छ शहर, बल्कि उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहा है एक बच्चे के साथ, एक समय में। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि हमारे स्वच्छता कर्मी हैदराबाद की रीढ़ हैं। इस पहल के माध्यम से हम उनके बच्चों को यह संदेश देना चाहते हैं कि उनका भविष्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी और का। यह एक्सपोज़र विज़िट उन्हें स्वयं पर विश्वास करने और बिना सीमाओं के सपने देखने में मदद करने की एक छोटी लेकिन सार्थक कोशिश है।

शमीरपेट में चोरी, सोने के आभूषण व नकदी ले उड़े चोर

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के उपनगर शमीरपेट के बोम्मारासिपेट गांव में शुक्रवार को एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई। परिवार के घर से बाहर होने के दौरान अज्ञात चोरों ने नागेश्वर राव के घर के दरवाजे का ताला तोड़कर उसमें सेंध लगाई।

शिकायत के अनुसार, चोर करीब 20 तोला सोने के आभूषण और 2 लाख रुपये नकद चुरा ले गए, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। चोरी का पता उस समय चला जब शुक्रवार सुबह घर के मालिक लौटे और घर का सामान बिखरा हुआ पाया। सूचना मिलने पर शमीरपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि चोरों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

150 वर्षों का सफर किसी भी शैक्षणिक संस्था के लिए गर्व की बात : पोन्नम

मंत्री ने विद्यालय की ऐतिहासिक विरासत को नमन किया

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मोगिलीगिद्द सरकारी उच्च विद्यालय के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने भाग लिया और विद्यालय की ऐतिहासिक विरासत को नमन किया। उन्होंने कहा कि 150 वर्षों का सफर तय करना किसी भी शैक्षणिक संस्था के लिए गर्व की बात है, क्योंकि यह दो पीढ़ियों से अधिक का साक्षी रहा है।

उप मुख्यमंत्री भट्टी की मौजूदगी में मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हैदराबाद के पहले मुख्यमंत्री डॉ. चेन्ना रेड्डी जैसे महान व्यक्तित्वों ने इसी विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वीर योद्धा तुरेबाज़ खान ने इसी क्षेत्र से अंग्रेजों और निज़ाम शासन के खिलाफ संघर्ष किया था और उसी कालखंड में इस विद्यालय की स्थापना हुई थी।

पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर पंडित जवाहरलाल नेहरू की दूरदृष्टि का परिणाम हैं। नेहरू के पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि और औद्योगिक क्रांति, आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों की स्थापना तथा बहुउद्देश्यीय परियोजनाओं का निर्माण हुआ। उन्होंने विद्यालय की स्थापना में योगदान देने वाले सभी महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही चिंता जताई कि आज प्रवेश परीक्षाएं उत्तीर्ण कर शिक्षक बनने वाले स्थानीय विद्यार्थियों की संख्या कम हो रही है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकारी विद्यालयों को फिर से उनका पूर्व गौरव प्राप्त होगा। मंत्री ने कहा कि पहले सरकार गरीबों को जमीन और धन बांटती थी, लेकिन आज सरकार सबसे बड़ी पूंजी शिक्षा के रूप में दे सकती है। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि न तो जाति और न ही धन, बल्कि शिक्षा ही परिवारों को ऊँचाई तक ले जाती है।

ग्रेटर हैदराबाद में विकास कार्यों की शुरुआत के लिए मेयर ने दिए निर्देश

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित होगी

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में पूर्ण हो चुके विकास कार्यों को तुरंत शुरू कराने के निर्देश मेयर गद्दवाल विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने स्थानीय और जनता के प्रतिनिधियों को भी उद्घाटन समारोहों में भाग लेने के लिए कहा।

पेंडिंग कार्यों को शीघ्र पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। जीएचएमसी मुख्यालय के कमांड कंट्रोल रूम में आयोजित 11वीं सामान्य स्टैंडिंग कमेटी बैठक में मेयर की अध्यक्षता में 21 एजेन्डा और 23 अतिरिक्त एजेन्डा मदों पर चर्चा हुई। बैठक में 8 टेबल आइटम पेश किए गए, जिनमें से 6 को स्टैंडिंग कमिटी ने मंजूरी दी और 2 को काउंसिल की मंजूरी के लिए सिफारिश की गई। मुख्य स्वीकृत कार्यों में सनतनगर और फतेनगर क्षेत्रों में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज और सीवर लाइन का निर्माण, पटेल नगर एसटीपी से 36 मीटर चौड़ी सड़क का विकास, पूरे शहर में एटीएससी ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम के लिए अनुबंध विस्तार शामिल है।

इसी क्रम में ड्राफ्ट्समैन ग्रेड-III कर्मचारियों को टाउन प्लानिंग सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नति, युवाओं के कौशल विकास सीएसआर प्रोग्राम के एमओयू का 2 वर्ष के लिए विस्तार, मौलाली आरओबी पुनरुद्धार और एनएफसीएल जंक्शन फ्लाईओवर एवं अंडरपास निर्माण, विभिन्न सीसी और बीटी सड़कों का विकास, पार्क और कम्युनिटी सुविधाओं का रख-रखाव को मंजूरी दी गई है।

टेबल आइटम के प्रमुख निर्णय में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापना, काउंसिल मंजूरी हेतु सिफारिश, एलबी नगर, बायरमलगुड फ्लाईओवर का नामकरण वंगा मधुसूदन रेड्डी के नाम पर, काउंसिल मंजूरी हेतु सिफारिश, छह लेन फ्लाईओवर, रोड विकास और आरओबी निर्माण - प्रशासनिक अनुमति एवं टेंडर रैटीफिकेशन का फैसला लिया गया। बैठक में जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन, अतिरिक्त कमिश्नर, जोनल कमिश्नर और स्टैंडिंग कमेटी सदस्य उपस्थित रहे।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, शव झाड़ियों में मिला

जोगुलम्बा गदवाल, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जोगुलम्बा गदवाल जिले के अनंतपुरम गांव में शुक्रवार को एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। मृतक की पहचान एर्रावल्ली मंडल के दुव्वासीपल्ली गांव निवासी 34 वर्षीय वड्डे वर्मा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, वर्मा का शव अनंतपुरम-पुदुरू सड़क के किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए कस्बे के सरकारी जनरल अस्पताल भेज दिया। वर्मा अपने पीछे दो बेटे और पत्नी को छोड़ गए हैं। बताया गया है कि पारिवारिक कलह के चलते उनकी पत्नी पिछले वर्ष उन्हें छोड़कर चली गई थी। पुलिस को घटनास्थल पर किसी तरह की झड़प के संकेत नहीं मिले हैं, हालांकि वहां से शराब की एक बोतल बरामद हुई है। पुलिस को आशंका है कि अज्ञात लोगों ने वर्मा की हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंक दिया होगा। मामले की जांच जारी है।

चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई होगी : स्नेहा मेहरा

अधिकारियों को सभी मतदान केंद्रों का फील्ड-लेवल दौरा करने का निर्देश

विकाराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले की चार नगरपालिकाओं में आगामी नगर पालिका चुनावों को देखते हुए, जिला पुलिस अधीक्षक स्नेहा मेहरा ने जिले के सभी नागरिकों से चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए हर नागरिक को कानून के दायरे में रहते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग स्वतंत्र रूप से करना चाहिए और किसी भी प्रलोभन में नहीं आना चाहिए।

जिला एसपी ने चेतावनी दी कि मतदाताओं को धन, शराब या उपहार के माध्यम से प्रभावित करने का कोई प्रयास अवैध होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध शराब की बिक्री और वितरण किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं दी जाएगी। चुनाव अवधि के दौरान रैलियों, सार्वजनिक बैठकों या सभाओं का आयोजन बिना लिखित अनुमति के नहीं किया जाएगा, और माइक सेट या किसी भी प्रकार के शोर उत्पन्न करने वाले उपकरणों का प्रयोग सख्ती से निषिद्ध रहेगा। जिला एसपी ने यह भी कहा कि 50,000 रुपए से अधिक नकद राशि ले जाने वाले सभी व्यक्ति को वैध दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़, उकसाने वाले संदेश या घृणास्पद टिप्पणियां फैलाने वालों के खिलाफ साइबर कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। चुनाव के सुचारू संचालन के लिए जिला पुलिस को पूरी तरह से सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को सभी मतदान केंद्रों का फील्ड-लेवल दौरा करने, विशेषकर संवेदनशील मतदान केंद्रों की निगरानी करने, तथा समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

चुनाव में विफल करने वाले व्यक्तियों, अपराधी प्रवृत्ति वाले लोगों और रॉडी-शीटर्स की पहचान पहले से करने और तहसीलदारों के समक्ष बांड कराने के स्पष्ट निर्देश भी जारी किए गए हैं। जिला एसपी ने बताया कि सभी नगरपालिकाओं के नामांकन केंद्रों पर मजबूत पुलिस बंदोबस्त पहले ही किया जा चुका है।

दृष्टिबाधित के लिए "उड़ान-ए-सुर" लॉन्च

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और रोजगार के क्षेत्र में दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी संस्था यूथ4जॉब्स ने तेलंगाना में दृष्टिबाधित और कम दृष्टिवाले व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया गायन ऑडिशन प्लेटफॉर्म "उड़ान-ए-सुर" लॉन्च करने की घोषणा की है। यह पहल विंडहॉर्स रिकॉर्ड्स स्टूडियो के सहयोग से संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य उन प्रतिभाशाली दृष्टिबाधित गायकों को एक पेशेवर मंच प्रदान करना है, जिन्हें मुख्यधारा के संगीत क्षेत्र में अवसर मिलना कठिन होता है। यूथ4जॉब्स के अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से दृष्टिबाधित कलाकारों की प्रतिभा को पहचान दिलाने के साथ-साथ उन्हें आत्मविश्वास और करियर के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। तेलंगाना में निवास करने वाले दृष्टिबाधित और कम दृष्टिवाले व्यक्ति इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। चयनित प्रतिभागियों को हैदराबाद स्थित विंडहॉर्स रिकॉर्ड्स स्टूडियो में अपने गायन का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, जो उनके लिए एक महत्वपूर्ण पेशेवर अनुभव होगा। इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है और आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। यूथ4जॉब्स का मानना है कि "उड़ान-ए-सुर" पहल दृष्टिबाधित प्रतिभाओं को पहचान दिलाने के साथ-साथ संगीत की दुनिया में समान अवसरों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

हॉस्टल के खराब खाने के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन

सिद्दिपेट, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के हुस्नाबाद में स्थित बीसी आवासीय कॉलेज फॉर बॉयज के छात्रों ने गुरुवार रात छात्रावास में मिलने वाले खराब भोजन के विरोध में प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि कई महीनों से उन्हें घटिया और बेस्वाद खाना परोसा जा रहा है। अपनी शिकायत लोगों तक पहुंचाने के लिए छात्र थालियां लेकर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर विभिन्न संगठनों के नेता छात्रावास पहुंचे और भोजन व सब्जी की जांच की। भोजन की गुणवत्ता देखकर वे भी हैरान रह गए।

छात्रों ने सरकार से मांग की कि छात्रावास के कर्मचारियों को तुरंत बदला जाए और भोजन के मेनू में सुधार किया जाए। छात्रों का कहना है कि जब भी विरोध होता है, तब कुछ दिनों के लिए खाना बेहतर कर दिया जाता है, लेकिन बाद में फिर वही पुरानी स्थिति हो जाती है।

फोन टैपिंग मुद्दे पर कांग्रेस के दोहरे रुख से राजनीतिक घमासान

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और कर्नाटक में कथित फोन टैपिंग को लेकर कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग रुख ने राजनीतिक विवाद को और गहरा कर दिया है। आलोचकों का आरोप है कि कांग्रेस इस मामले में दोहरे मापदंड अपना रही है, जिससे दोनों राज्यों में सियासी हलचल तेज हो गई है। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने पूर्व बीआरएस सरकार पर फोन टैपिंग के आरोपों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इस मामले में कई प्रकरण दर्ज किए गए हैं और पूर्व मंत्री के.टी. रामाराव, टी. हरीश राव तथा पूर्व राज्यसभा सांसद जे. संतोष राव से पूछताछ हो चुकी है। शुक्रवार को एसआईटी ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को भी नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है।

वहीं कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को राज्यपाल के आधिकारिक आवास लोक भवन में फोन निगरानी के आरोपों को लेकर सफाई देनी पड़ रही है। कर्नाटक विधानसभा में इस मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ, जिसके चलते सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। भाजपा ने कांग्रेस पर फोन टैपिंग में शामिल होने का आरोप लगाया है, जबकि कांग्रेस सरकार ने इन आरोपों को निराधार बताया है। तेलंगाना में कड़ी जांच और कर्नाटक में आरोपों से इनकार के इस विरोधाभासी रुख को लेकर कांग्रेस पर राजनीतिक दबाव बढ़ता जा रहा है।

उत्पीड़न से तंग महिला कांस्टेबल ने की आत्महत्या

हनमकोंडा, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा में एक महिला सशस्त्र रिजर्व (एआर) कांस्टेबल ने कथित तौर पर अपने एक रिश्तेदार और सहपाठी द्वारा लगातार उत्पीड़न किए जाने से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान वारंगल जिले के पर्वतगिरि मंडल स्थित सीता थंडा निवासी अनीता के रूप में हुई है, जो वारंगल पुलिस आयुक्त कार्यालय के एआर डिवीजन में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत थीं। पुलिस के अनुसार, महबूबाबाद जिले के थोरूर मंडल निवासी उनके दूर के रिश्तेदार राजेंद्र ने बीते चार वर्षों से शादी का झांसा देकर उन्हें परेशान किया। वहीं, सहपाठी जब्बार लाल ने भी कथित तौर पर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और पैसों की मांग की। दोनों के उत्पीड़न से मानसिक रूप से टूट चुकी अनीता ने 27 जनवरी को कीटनाशक पी लिया। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अनीता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महाप्रबंधक ने चेर्लपल्ली स्टेशन का निरीक्षण

शेड में अमृत भारत ट्रेन रेक का निरीक्षण किया
नए रनिंग रूम और क्रू बुकिंग लॉबी का उद्घाटन

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) संजय कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को सिकंदराबाद डिवीजन के चेर्लपल्ली रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उनके साथ डॉ.आर. गोपालकृष्णन, डिविजनल रेलवे मैनेजर, सिकंदराबाद डिवीजन उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान अन्य वरिष्ठ अधिकारी और शाखा अधिकारी भी उपस्थित रहे।

चेर्लापल्ली स्टेशन हाल ही में नगरद्वय, हैदराबाद में नए टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है, जिसकी लागत 413 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य रेल कनेक्टिविटी को बढ़ाना, आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान करना और सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा स्टेशनों का भीड़ कम करना है। इसी क्रम में, कई ट्रेनों को नए विकसित चेर्लपल्ली टर्मिनल पर स्टॉपेज प्रदान किया गया है। ट्रेन रनिंग स्टाफ जैसे लोको पायलट, असिस्टेंट लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चेर्लपल्ली रेलवे टर्मिनल में नए रनिंग रूम और क्रू लॉबी की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर महाप्रबंधक, एससीआर ने नया रनिंग रूम और क्रू लॉबी उद्घाटन किया। महाप्रबंधक ने नए रनिंग रूम में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिसमें कम्प्यूटरीकृत बेड ऑक्युपेशन, महिला स्टाफ के लिए अलग आवास, एयर-कंडीशनिंग, योग और ध्यान कक्ष, मॉड्यूलर किचन, आरओ प्लांट, सीसीटीवी निगरानी आदि शामिल हैं। उन्होंने क्रू लॉबी में उपलब्ध सुविधाओं जैसे क्रू मैनेजमेंट सिस्टम, किचन और बैठने की व्यवस्था की भी समीक्षा की। इसके अलावा, श्री श्रीवास्तव ने चेर्लपल्ली स्टेशन में इंटरमीडिएट ओवरहॉलिंग शेड (आईओएच) का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने कोच रखरखाव की सुविधाओं की समीक्षा की और अधिकारियों के साथ आगे के विकास योजनाओं पर चर्चा की। महाप्रबंधक ने शेड में खाली अमृत भारत ट्रेन रेक का निरीक्षण किया और कोचों में नई सुविधाओं की समीक्षा की। संजय कुमार श्रीवास्तव ने चेर्लपल्ली टर्मिनल के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर प्रस्तावित नए प्रवेश मार्ग की सरेखण और पहुंच का भी निरीक्षण किया। इसके बाद, महाप्रबंधक ने रनिंग रूम के पास पौधरोपण किया, ताकि सततता और हरित भविष्य की दिशा में योगदान किया जा सके।

दानम नागेंद्र की अयोग्यता याचिकाओं की सुनवाई 18 फरवरी तक स्थगित

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं की सुनवाई 18 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी है। यह निर्णय भाजपा नेता अल्लेटी महेश्वर रेड्डी के अनुरोध पर लिया गया। अध्यक्ष बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और महेश्वर रेड्डी द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे थे, जिनमें दल-बदल विरोधी कानून के तहत दानम नागेंद्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। सुबह कौशिक रेड्डी की याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें उनके वकीलों ने दानम नागेंद्र से जिरह की और दल-बदल से जुड़े सबूत पेश किए। सुनवाई के दौरान चुनाव प्रचार से जुड़े फोटो, वीडियो और कांग्रेस का स्कार्फ पहने दानम नागेंद्र की तस्वीरें भी प्रस्तुत की गईं। वहीं महेश्वर रेड्डी की ओर से उनके वकील ने अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए अध्यक्ष ने आगे की कार्यवाही 18 फरवरी तक टाल दी। दानम नागेंद्र ने सुनवाई में उपस्थित होकर हलफनामा दाखिल किया और कहा कि उन्होंने बीआरएस से इस्तीफा नहीं दिया है तथा वे अब भी पार्टी के सदस्य हैं।

शहर में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास : श्रीलता

आरएमसी सड़क कार्यों का शिलान्यास

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर क्षेत्र में स्थित तारनाका डिवीजन की स्ट्रीट नंबर-1, जनरल लेन में नए आरएमसी (रिइंफोर्स्ड मेटल कंक्रीट) सड़क कार्यों का शुक्रवार को भव्य शिलान्यास किया गया। लगभग 182 मीटर लंबाई वाली और 27 लाख रुपये की लागत से यह सड़क निर्माण कार्य ग्रेटर हैदराबाद नगर डिप्टी मेयर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने शुरू किया। कार्यक्रम में टीटीयूसी राष्ट्रीय अध्यक्ष मोते शोभन रेड्डी और तेलंगाना जेएसी चेयरमैन प्रोफेसर कोदंडराम मुख्य अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। डिप्टी मेयर ने बताया कि स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस सड़क निर्माण कार्य को शुरू किया गया है। इस अवसर पर डिप्टी मेयर ने कहा कि शहर में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण से वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों के लिए सुविधाजनक आवागमन सुनिश्चित करना मुख्य उद्देश्य है। डिप्टी मेयर ने यह भी स्पष्ट किया कि बारिश के मौसम में जल जमाव से बचने और लंबी अवधि तक टिकाऊ आरएमसी सड़कें बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अमेरिका में सस्ती दवाओं के लिए वेबसाइट लॉन्च करेंगे ट्रम्प

800% तक खर्च कम होगा, 16 कंपनियों से समझौता, बदले में 3 साल का टैरिफ छूट दिया

वॉशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। ट्रम्प प्रशासन इस महीने 'ट्रम्प Rx' नाम की एक नई सरकारी वेबसाइट लॉन्च करने जा रहा है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए मरीज दवा कंपनियों से सीधे कम दामों पर दवाएं खरीद सकेंगे। प्रशासन का दावा है कि इस पहल से अमेरिकी लोगों के दवा खर्च को 800% तक कम किया जाएगा।

अमेरिकी रेडियो एनपीआर की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन ने पिछले साल सितंबर से अब तक 16 बड़ी दवा कंपनियों के साथ समझौते किए हैं। इन समझौतों को 'मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन)' डील्स कहा गया। बदले में दवा कंपनियों को 3 साल तक इम्पोर्टेड दवाओं पर टैरिफ से छूट मिलेगी।

यह योजना चुनावी वादों और 'अमेरिका फर्स्ट' हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी मानी जा रही है। ट्रम्प का कहना है कि दूसरे अमीर देश अमेरिका में बनी दवाइयां कम कीमत पर खरीदते हैं, जबकि अमेरिकियों को इसके लिए तीन गुना ज्यादा कीमत चुकाना पड़ता है। यह प्रोग्राम सुनिश्चित करेगा कि दवा कंपनियां उसी दाम पर दवा बेचे जो बाकी देशों में मिल रही है।

अमेरिकी कंपनियां को कम कीमतों पर दवा बेचना होगा

अमेरिकी कंपनियां दवाओं के रिसर्च, टेस्टिंग, फैक्ट्री करोड़ों-खरबों रुपये खर्च करती है। दुनिया भर में यह दवा बेची जाती है। अमेरिका में यह दवा बहुत महंगी है, जबकि यूरोप, कनाडा, जापान जैसे अमीर देशों में वही दवा बहुत सस्ती मिलती है।

दरअसल, उन देशों की सरकार कम कीमत पर दवा खरीदने की मांग करती है और ऐसा न करने पर डील रोकने का खतरा रहता है। बाजार खोने के डर से कंपनियां कम कीमत में दवाइयां मुहैया करवाती है। ट्रम्प का मानना है कि अमेरिकी लोगों के पैसे से ही नई दवाइयां बनती हैं। दूसरे देश कम पैसा देकर इसका फायदा उठाते हैं। ट्रम्प के मुताबिक वह अमेरिका की मेहनत पर 'फ्री राइड' करते हैं। इसलिए इस एमएफएन प्रोग्राम में फैसला किया गया है कि अब अमेरिका में भी दवा की कीमत सबसे कम होगी जो किसी अमीर देश में मिलती है। कंपनियों से कहा गया कि अमेरिका को भी वही सस्ती डील दो। इससे विदेशी देशों को भी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी, जैसे ब्रिटेन के साथ हुए समझौते में नई दवाओं की कीमत 25% बढ़ाई गई है। अमेरिकी मरीजों को दवाएं सस्ती मिलेंगी, कंपनियों का एक्स्ट्रा पैसा अमेरिका वापस आएगा और देश में दवा बनाने का काम बढ़ेगा। ट्रम्प Rx की सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें सरकार दवाओं की कीमत तय करने में सीधी दखल देना चाहती है। अभी तक अमेरिका में दवा कंपनियां अपनी नई दवाओं की कीमतें खुद तय करती हैं। अगर ट्रम्प Rx लागू होता है, तो दवाओं की कीमत सरकार तय करेगी। दवा कंपनियों को डर है कि इससे उनका मुनाफा सीधे घट जाएगा।

दूसरी बड़ी वजह यह है कि ट्रम्प Rx के तहत अमेरिका, विदेशों में बिकने वाली सस्ती दवाओं की कीमत को आधार बना सकता है।

डेनमार्क की पीएम ने ट्रम्प को झुकने पर मजबूर किया

देशभर में बढ़ी फ्रेडरिक्स की लोकप्रियता अब सर्वे में पार्टी को 9 सीटों का फायदा

कोपनहेगन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर अमेरिका और डेनमार्क के बीच विवाद का फायदा डेनिश पीएम मेट फ्रेडरिक्सन को मिला है। अमेरिकी वेबसाइट द पोलिटिको ने लिखा है कि फ्रेडरिक्सन को राष्ट्रपति ट्रम्प को शुक्रिया कहना चाहिए क्योंकि उन्होंने उन्हें गहराते राजनीतिक संकट से बाहर निकाल लिया है।

फ्रेडरिकसन की पार्टी के पॉपुलैरिटी में काफी उछाल आया है। सर्वे में सोशल डेमोक्रेट्स को सिर्फ 32 सीटें मिलती दिख रही थीं। यानी एक ही महीने में पार्टी की स्थिति में करीब 9 सीटों का उछाल आया है।

पिछले साल नवंबर 2025 में सोशल डेमोक्रेट पार्टी लोकल चुनाव हार गई थी। सबसे बड़ा झटका कोपेनहेगन में लगा, जहां पार्टी ने 100 साल में पहली बार सत्ता गंवा दी।

स्थिति तब बदलनी शुरू हुई, जब ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को डेनमार्क से छीनकर अपने में मिलाने की धमकी दी। इसके जवाब में डेनमार्क की प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने खुलकर देश की संप्रभुता का बचाव किया।

डेनमार्क में संसद में कुल 179 सीटें हैं, इनमें से प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन की सोशल डेमोक्रेट्स के पास 50 सीटें हैं। सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट पार्टी इस समय देश में गठबंधन सरकार चला रही है। इस गठबंधन में दो सेंटर-राइट पार्टियां मॉडरेटर्स और वेनस्टर भी शामिल हैं।

मेगाफॉन नाम की एक डेनिश कंसल्टेंसी के सर्वे में सोशल डेमोक्रेट पार्टी को 22.7% वोट और संसद की 41 सीटें मिलीं। यह सर्वे 20 से 22 जनवरी के बीच किया गया। दिसंबर में हुए सर्वे में फ्रेडरिकसन की पार्टी को सिर्फ 32 सीटें मिलती दिखाई गई थीं।

ताजा सर्वे दिखाते हैं कि 41 सीटों के साथ भी वे संसद की सबसे बड़ी पार्टी बनी रहेंगी। इससे वे फिर से गठबंधन सरकार बनाने की बातचीत में सबसे मजबूत स्थिति में आ जाएंगी, हालांकि सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

समर्थन में आई यह बढ़त इसलिए और भी खास मानी जा रही है, क्योंकि नवंबर में हुए नगर निगम चुनावों में सोशल डेमोक्रेट्स को करारी हार मिली थी। इस चुनाव में पार्टी ने कोपेनहेगन गंवा दिया था, जो बेहद अहम सीट थी और जिसे पार्टी ने पिछले 100 सालों में कभी नहीं खोया था।

डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन के नेतृत्व वाली मॉडरेट्स पार्टी ने इस सर्वे में अपना वोट शेयर लगभग तीन गुना कर लिया। पार्टी का वोट 2.2% से बढ़कर 6.4% हो गया। यह करीब 12 सीटों के बराबर है।

वहीं एक और एजेंसी वॉक्समीटर के सोमवार को जारी सर्वे में फ्रेडरिकसन की कैबिनेट को 40.9% समर्थन मिला, जो दो साल में सबसे ऊंचा स्तर है। अगर आज चुनाव होते हैं तो गठबंधन के 73 सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया है।

जनवरी की शुरुआत में ट्रम्प ने कहा था कि वे किसी भी तरीके से ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लेंगे।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी के अमीर ने भारत को दी मनचाही राहत

ढाका, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में चुनाव से पहले भारत के लिए एक बड़ी राहतभरी खबर सामने आई है। बांग्लादेश की पाकिस्तान परस्त कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी जमात-ए- इस्लामी के अमीर शफीकूर रहमान ने कहा है कि हम अगर सत्ता में आते हैं तो भारत को कोई तकलीफ नहीं देंगे। रहमान से एक इंटरव्यू में सवाल किया गया था कि अगर भारत शेख हसीना को सौंपने से इंकार कर देता है तो जमात-ए-इस्लामी क्या कदम उठाएगी। इस सवाल के जवाब में जमात के अमीर ने कहा, 'हम भारत के साथ सार्थक बातचीत करेंगे। हमारी पार्टी का रुख साफ है कि हम अपने पड़ोसियों को कोई भी तकलीफ नहीं देंगे। इसके बदले में हम उनसे भी आपसी सम्मान और भरोसे की उम्मीद करते हैं।'

जमात-ए-इस्लामी के चीफ ने अलजजीरा टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में भारत को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। रहमान ने साल 1971 में बंगाली लोगों के खिलाफ हुए भयानक अत्याचार में अपनी पार्टी के शामिल होने के आरोप को भी खारिज किया। उन्होंने कहा, 'जमात ने उस समय जो फैसला लिया था, वह एक राजनीतिक फैसला था। किसी हथियार बंद बल का नहीं।

उस समय हमारे नेताओं का मानना था कि भारत की मदद से पाकिस्तान से अलग होने पर बांग्लादेश पर एक नए रूप में भारतीय प्रभुत्व कायम हो जाएगा।' रहमान ने कहा कि बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान ने खुद जो युद्ध अपराधियों की लिस्ट तैयार की थी, उसमें सभी पाकिस्तानी सैनिक थे। इसमें कोई भी बांग्लादेश की जमीन का नहीं था। इस बीच जमात-ए-इस्लामी न केवल भारत के प्रति नरम रुख अपना रही है, बल्कि शेख हसीना को अब तक सपोर्ट करने वाले हिंदुओं को भी साध रही है।

चीन क्यों जा रहे पश्चिमी देशों के नेता

2 महीने में 5 लीडर्स बीजिंग पहुंचे, ट्रम्प की नीतियों से बदल रहा ग्लोबल बैलेंस

बीजिंग, 30 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर बुधवार को 3 दिन के चीन दौरे पर पहुंचे। पिछले 2 महीने में 5 पश्चिमी देशों के नेता चीन जा चुके हैं। स्टार्मर से पहले फ्रांस, कनाडा, फिनलैंड और आयरलैंड के लीडर्स बीजिंग का दौरा कर चुके हैं।

ऐसे में यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ की धमकियों ने पश्चिमी देशों को चीन के साथ रिश्ते सुधारने पर मजबूर कर दिया है।

यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अमेरिकी इतिहास के एक्सपर्ट डॉ स्टुअर्ट रोलोका ने कहा कि ट्रम्प की आक्रमक नीतियों की वजह से ग्लोबल बैलेंस शिफ्ट हो रहा है।

द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प के नाटो पर सवाल उठाने, ग्रीनलैंड पर कब्जे की मांग और गठबंधन की अनदेखी रवैये ने यूरोपीय सहयोगियों में विश्वास की कमी पैदा की है। इसमें सबसे बड़ा रोल ट्रम्प की टैरिफ धमकियों का है।

यूरोप के टैक्स फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने दुनियाभर के देशों पर औसतन 10 से 25% तक टैरिफ लगाया है। इससे व्यापार में अनिश्चितता का खतरा बढ़ गया है।

यूरोपीय देशों पर लगे 15% टैरिफ का सीधे तौर पर फ्रांस और जर्मनी पर पड़ा है। टैरिफ ने इन देशों में वित्तीय संकट और आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ा दी है। ट्रम्प ने इस महीने यूरोप के 8 देशों को 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे का विरोध कर रहे थे। हालांकि ट्रम्प ने बाद में अपना फैसला वापस ले लिया। ट्रम्प ने 23 जनवरी को स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के मंच से अपने पश्चिमी सहयोगियों के खिलाफ कई विवादित बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब उस ग्लोबल सिस्टम की लीडरशिप नहीं करेगा, जिसे उसने दूसरे विश्व युद्ध के बाद अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर बनाया था। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अब यूरोपीय देशों को अपने बाजार और सैन्य सुरक्षा की सुविधा मुफ्त में नहीं देगा। उनका भाषण कभी आक्रामक, कभी नाराज और कभी खुद की तारीफ से भरा हुआ था।

उन्होंने यूरोपीय सहयोगियों को ऐसे देश बताया जो अमेरिका का फायदा उठाते रहे हैं। ट्रम्प ने ये भी कहा कि वे अपने 'ट्रेड वॉर' को आगे बढ़ाएंगे और टैरिफ को अमेरिकी बाजार में आने की कीमत बताया।

तुर्की के बदले सुर? पाकिस्तान को दो टूक-बाहरी ताकतों के दम पर न रहें

अंकारा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। तुर्की ने इस्लामिक नाटो बनाने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान को तगड़ा झटका दिया है। विदेश मंत्री हाकान फिदान ने यह साफ कर दिया है कि तुर्की किसी नए भू-राजनीतिक गुट का हिस्सा नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि तुर्की किसी नए भू-राजनीतिक गुट को बनाने में दिलचस्पी नहीं रखता है, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित भरोसेमंद क्षेत्रीय एकजुटता मंच बनाने की पहल करता है। इससे पहले ऐसी अटकलें थी कि तुर्की पाकिस्तान-सऊदी अरब रक्षा समझौते में शामिल होगा। ऐसे में इस बयान को सऊदी अरब के लिए भी एक झटका माना जा रहा है।

फिदान ने कहा, अपनी सुरक्षा आउटसोर्स न करें। उन्होंने तर्क दिया कि क्षेत्र में मुख्य समस्या सिर्फ बाहरी हस्तक्षेप नहीं है, बल्कि राष्ट्रों के बीच भरोसे की गहरी कमी है। उनके अनुसार, जब तक क्षेत्रीय देश अपनी समस्याओं की जिम्मेदारी नहीं लेंगे, तब तक स्थिरता नहीं आ सकेगी। तुर्की के लिए, क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एकजुटता, संस्थागतकरण और आखिरकार ऐसे समझौते और मंच बनाने की जरूरत है जो बाहरी शक्तियों पर निर्भरता के बजाय साझा हितों को दर्शाते हों।

फिदान ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कोई भी व्यवस्था समावेशी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कोई तुर्की प्रभुत्व नहीं, कोई अरब प्रभुत्व नहीं, कोई फारसी प्रभुत्व नहीं, कोई अन्य प्रभुत्व नहीं।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि तुर्की का लक्ष्य जिम्मेदार क्षेत्रीय कार्रवाई है, न कि कोई पदानुक्रम बनाने का है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि एक मंच दो या तीन देशों से शुरू हो सकता है, लेकिन समय के साथ इसे सर्व-समावेशी बनने में सक्षम होना चाहिए।

अमेरिका में जन्मे बच्चों को 92 हजार देंगे ट्रम्प

निवेश में बैंक-टेक कंपनियां भी शामिल, 18 साल के होने पर पढ़ाई-बिजनेस में इस्तेमाल कर सकेंगे

वॉशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को सरकार की ओर से 1,000 डॉलर (92 हजार रुपए) दिए जाएंगे। यह रकम बच्चों के नाम से खोले जाने वाले एक स्पेशल अकाउंट में जमा की जाएगी। यह योजना पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुरू की थी। अब इसे अमेरिका की बड़ी-बड़ी कंपनियों का समर्थन मिलने लगा है।

इस योजना को 'ट्रम्प अकाउंट' कहा जाता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह एक टैक्स-फ्री सेविंग अकाउंट होगा, जिसमें सरकार बच्चों के भविष्य के लिए शुरुआती निवेश करेगी।

इस खाते में जमा रकम शेयर बाजार में निवेश की जाएगी ताकि समय के साथ यह बढ़ सके। इस योजना का लाभ उन बच्चों को मिलेगा जो 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2028 के बीच अमेरिका में पैदा होंगे। इससे हर साल करीब 36 लाख नवजात बच्चों को फायदा होगा। इसका मकसद बच्चों को जन्म से ही वित्तीय शुरुआत देना और लंबे समय तक निवेश के जरिए धन बढ़ाना है। ताकि वे 18 साल की उम्र में पढ़ाई, बिजनेस शुरू करने, घर खरीदने या अन्य जरूरतों के लिए फंड का इस्तेमाल कर सकें।

अब कई बड़ी कंपनियां भी इस योजना में आगे आ रही हैं। बैंक ऑफ अमेरिका और जेपी मॉर्गन चेस ने घोषणा की है कि वे अपने कर्मचारियों के बच्चों के ट्रम्प अकाउंट में सरकार की तरह 1,000 डॉलर की बराबर राशि जमा करेंगे।

ट्रम्प ने कहा, हर राष्ट्रपति ने हमारी अगली पीढ़ी को सिर्फ कर्ज दिया है, लेकिन हमारी सरकार हर बच्चे को असली संपत्ति और आर्थिक आजादी का मौका देगी। उन्होंने नियोक्ताओं से अपील की कि वे अपने कर्मचारियों के लिए ट्रम्प अकाउंट में योगदान दें।

ट्रम्प की धमकी पर ईरान बोला- हमारे 1000 ड्रोन तैयार

जमीन और समुद्र से हमला करने में सक्षम, ईरान की तरफ बढ़ रहे अमेरिकी युद्धपोत

तेहरान/वॉशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की सैन्य धमकी के बीच ईरान ने अपनी ताकत को लेकर बड़ा दावा किया है। ईरानी सेना का कहना है कि उसने जमीन और समुद्र से हमला करने वाले 1000 ड्रोन तैयार कर लिए हैं।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान पर और कड़े हमलों की चेतावनी दे चुके हैं। ट्रम्प के मुताबिक अमेरिकी युद्धपोत ईरान की तरफ बढ़ रहे हैं।

ईरानी सेना का दावा है कि अगर अमेरिका हमला करता है, तो ड्रोन और मिसाइलों का यह नेटवर्क देश की रक्षा में अहम भूमिका निभा सकता है।

ईरान के सेना प्रमुख मेजर जनरल अमीर हातामी ने कहा कि पिछले साल जून में हुए 12 दिन के संघर्ष के बाद ईरान ने अपनी सैन्य रणनीति बदली है। इसके तहत बड़ी संख्या में ड्रोन तैयार किए गए हैं।

हातामी के मुताबिक, ये ड्रोन जमीन और समुद्र दोनों जगहों से ऑपरेट किए जा सकते हैं। इसके अलावा ईरान के पास पहले से ही बड़ी संख्या में बैलिस्टिक मिसाइलें मौजूद हैं। ट्रम्प ने 28 जनवरी को ईरान से परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने को कहा था और चेतावनी दी थी कि अगला हमला पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक होगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने भी कहा है कि सेना राष्ट्रपति के किसी भी सैन्य आदेश के लिए तैयार है।

हाल ही में ईरान ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उसके ड्रोन ने अमेरिका के एक जंगी ऊपर उड़ान भरी।

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी और मजबूत करते हुए अरब सागर और लाल सागर में विमानवाहक पोत USS अब्राहम लिंकन, USS थियोडोर रूजवेल्ट और कई मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत तैनात किए हैं। साथ ही कतर, बहरीन, सऊदी अरब, इराक और जॉर्डन के सैन्य अड्डों से वायुसेना की सक्रियता बढ़ी है। अमेरिका अब ईरान के परमाणु ठिकानों, सैन्य अड्डों व कमांड सेंटरों पर समुद्र और आसमान दोनों से हमले की स्थिति में आ गया है।

जेलेंस्की को बिजली घरों पर हमले रोकने के दावे पर संदेह

कीव, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बीते चार साल से जारी भीषण जंग के बीच कीव और अन्य हिस्सों में लोगों को कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेन इस चीज को देख रहा है कि रूस अपना वादा निभा रहा है या नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि रूस ने एक हफ्ते तक यूक्रेन के बिजली घरों और बिजली की आपूर्ति पर हमलों को रोकने की बात मानी है। ट्रंप ने गुरुवार देर रात कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऐसे समय में एक हफ्ते तक कीव और अन्य शहरों को निशाना न बनाने की बात मानी है, जब क्षेत्र में कड़ाके की ठंड ने आम लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, ट्रंप ने यह जानकारी नहीं दी कि पुतिन से कब बातचीत हुई और कब तक हमले रुके रहेंगे। व्हाइट हाउस से जब यह पूछा गया कि हमले रोकने का यह फैसला किन जगहों पर लागू होगा और कब से लागू होगा, तो उसने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। क्रेमलिन की ओर से भी इस बात की तत्काल कोई पुष्टि नहीं हुई कि पुतिन ने ऐसी किसी प्रतिबद्धता पर सहमति दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को इस बात की आशंका है कि पुतिन वास्तव में ऐसा कदम उठाना चाहते हैं। रूस की ओर से पूर्ण पैमाने पर आक्रमण 24 फरवरी 2022 को शुरू हुआ था और अगले महीने उसे चार साल हो जाएंगे।

बांग्लादेश ने भारत से स्पेशल इकोनॉमिक जोन छीना

चीन को ड्रोन फैक्ट्री बनाने के लिए जमीन दी बांग्लादेश को 20 चीनी फाइटर जेट मिलेंगे

ढाका, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने चटगांव में भारत को दी गई सेज (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) का जमीन आवंटन रद्द कर दिया गया है। यूनुस सरकार ने यह जमीन चीन को ड्रोन फैक्ट्री बनाने के लिए दे दी है।

लगभग 850 एकड़ में फैली इस जमीन में इस साल के अंत तक प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। चीन ड्रोन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने को भी राजी हो गया है। यहां मीडियम रेंज और वर्टिकल लिफ्ट वाले ड्रोन बनेंगे।

चटगांव प्लांट भारतीय सीमा से 100 किमी दूर है। बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत-पाकिस्तान के बाद ड्रोन बनाने वाला तीसरा देश बन जाएगा। दूसरी ओर चीन ने बीते साल बांग्लादेश को 20 जे-10सीई फाइटर जेट देने की डील भी की थी। ये सप्लाई भी इस साल के अंत से शुरू हो जाएगी। चीन ने बांग्लादेश को पेमेंट में भी बड़ी मोहलत दी है। भारत और बांग्लादेश के बीच 2015 में एक समझौता हुआ था। पीएम मोदी की ढाका यात्रा के दौरान शेख हसीना के साथ संयुक्त घोषणा में भारत के निवेशकों के लिए एक इंडियन इकोनॉमिक जोन (आईईजड) स्थापित करने का फैसला लिया गया। यह गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट (जी2जी) फ्रेमवर्क पर था, जिसमें भारतीय निवेशकों को प्राथमिकता मिलती और भारत की लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) से फंडिंग होती। इसके लिए चटगांव के मीरसाराई में लगभग 850 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। एक और दूसरा छोटा इकोनॉमिक जोन मोंगला (बागेरहाट) में भी प्रस्तावित था। इसका मकसद द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना, भारतीय निवेश आकर्षित करना, रोजगार सृजन करना और बांग्लादेश में भारतीय कंपनियों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करना था।

अल्बर्टा के अलगाववादियों संग अमेरिका की गुप्त बैठक

ओटावा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीते काफी वक्त से कनाडा से नाराज चल रहे हैं। 100 फीसदी टैरिफ की धमकियों से लेकर कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बताने तक ट्रंप के तेवर काफी सख्त हैं। इस बीच कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के अलगाववादियों के साथ गुप्त अमेरिकी अधिकारियों की बैठक की खबरों पर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भड़क गए हैं और उन्होंने अमेरिका को खुली चेतावनी दी है।

दरअसल, कनाडा के अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं की अमेरिकी अधिकारियों से मिलने से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अल्बर्टा के अलगाववादियों और अमेरिकी अधिकारियों के बीच गुप्त बैठक की गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अल्बर्टा प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट (एपीपी) के नेताओं ने अप्रैल से वॉशिंगटन में विदेश विभाग के अधिकारियों से तीन बार मुलाकात की है। गुप्त बैठक की इन रिपोर्ट पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भड़के हुए दिखाई दे रहे हैं। कार्नी ने सख्त लहजे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से कहा है कि उनकी देश की संप्रभुता के साथ खिलवाड़ ना किया जाए।

कनाडाई प्रधानमंत्री अपने बयान में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका कनाडाई संप्रभुता का सम्मान करेगा।

कल है माघी पूर्णिमा की पूजा

पूर्णिमा तिथि शुरू: 1 फरवरी 2026, सुबह 5:52 बजे

पूर्णिमा तिथि समाप्त: 2 फरवरी 2026, रात 3:38 बजे

शास्त्रों के अनुसार, पूर्णिमा व्रत 1 फरवरी 2026 को ही रखा जाएगा। इसी दिन स्नान-दान और पूजा का विशेष महत्व रहेगा।

पूर्णिमा उपवास के दिन चन्द्रोदय - 05:26 PM

रविवार, 1 फरवरी को माघ मास की अंतिम तिथि पूर्णिमा है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी है, जिससे माघी पूर्णिमा का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। इस तिथि पर तीर्थराज प्रयाग का कल्पवास भी खत्म होता है। माघ पूर्णिमा पर गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, माघी पूर्णिमा के संबंध में कई मान्यताएं प्रचलित हैं। माना जाता है कि माघ माह में सभी देवता धरती लोक आते हैं और माघ पूर्णिमा के दिन तीर्थराज प्रयाग के संगम में स्नान करते हैं। इसके बाद सभी देवता अपने धाम लौट जाते हैं। माघ मास में संगम तट पर साधु-संत और श्रद्धालु एक माह का कल्पवास करते हैं। माघ पूर्णिमा के दिन कल्पवास पूर्ण होता है। कल्पवासी इस दिन विशेष स्नान, दान और पूजा-पाठ कर अपना व्रत पूर्ण करते हैं। इसी मान्यता की वजह से माघी पूर्णिमा पर संगम और गंगा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने का विधान है।

माघी पूर्णिमा पर करें ये शुभ काम

माघ पूर्णिमा पर गंगा, यमुना, सरस्वती संगम, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान नहीं कर पा रहे हैं, तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए। स्नान करते समय सभी तीर्थों का और नदियों का ध्यान करना चाहिए।

माघी पूर्णिमा पर स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। इसके लिए तांबे के लोटे में जल, कुमकुम, लाल फूल, चावल डालें और फिर ऊँ सूर्याय नमः मंत्र जप करते हुए सूर्य को अर्घ्य चढ़ाएं।

घर के मंदिर में अपने इष्टदेव का विधिवत अभिषेक करें। पूजा-पाठ के बाद जरूरतमंद लोगों को वस्त्र, तिल-गुड़, जूते-चप्पल, ऊनी वस्त्र, खाना, अनाज, धन का दान करें। किसी गोशाला में गायों को हरी घास खिलाएं। गायों की देखभाल के लिए धन दान करें।

माघ पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी, भगवान विष्णु और चंद्रदेव की पूजा खासतौर पर करनी चाहिए। दक्षिणावर्ती शंख में दूध, जल, पंचामृत भरकर महालक्ष्मी और भगवान विष्णु का अभिषेक करें। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

सुबह शिवलिंग पर स्थापित चंद्र देव का अभिषेक करें। शिवलिंग पर चंदन का लेप करें। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल चढ़ाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। शाम को चंद्र उदय के बाद चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित करें। ऊँ सों सोमाय नमः मंत्र का जप करें।

इस दिन व्रत रखने से घर-परिवार में सुख-शांति और सफलता बनी रहती है। इसके साथ ही इस दिन सत्यनारायण कथा और विष्णु सहस्रनाम का पाठ भी किया जाता है।

माघी पूर्णिमा के दिन भगवान नारायण स्वयं गंगाजल में विराजमान रहते हैं। इसीलिए इस दिन गंगाजल का स्पर्श करने से भक्तों के पाप कर्म नष्ट होते हैं।

शुक्र ग्रह के उदय से शुरू होंगे मांगलिक कार्य

शुक्र ग्रह अभी अस्त है, इस कारण मकर संक्रांति के बाद भी विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त नहीं है, लेकिन 1 फरवरी को शाम शुक्र ग्रह उदय हो जाएगा। इसके साथ ही शुभ कार्यों पर लगी बाधा हटेगी और शुभ मुहूर्त मिलने लगेंगे।

माघ पूर्णिमा का राशियों पर प्रभाव

मेष राशि

मनचाही सफलता और प्रयासों की पूर्ति। नौकरी और व्यापार में लाभ। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भागीदारी शुभ रहेगी।

मिथुन राशि

कार्य और योजनाओं में सफलता। नौकरी और व्यापार में लाभ। मौजूदा समस्याओं का समाधान और विद्यार्थियों के लिए शुभ समय।

वृश्चिक राशि

मेहनत से मनचाही सफलता। आर्थिक लाभ और प्रतिष्ठा में वृद्धि। व्यापारियों के लिए अच्छा समय। बड़े लेन-देन से अप्रत्याशित लाभ संभव।

धनु राशि

नए अवसर और सफल योजनाएं। निवेश से लाभ, लेकिन सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में सफलता और रिश्तों में सौहार्द।

माघ पूर्णिमा का महत्व

माघ पूर्णिमा पर स्नान, दान और धार्मिक अनुष्ठान करने से सकारात्मक ऊर्जा, पुण्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

इस साल के दुर्लभ योग इसे और भी विशेष बना रहे हैं। जो राशियां इस समय शुभ योगों का लाभ उठाती हैं, उनके जीवन में सुख, संपत्ति और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पूर्णिमा पर लगेगा साल का पहला चंद्र ग्रहण

साल का पहला चंद्र ग्रहण फाल्गुन पूर्णिमा यानी होलिका दहन के दिन लगेगा। ग्रहण की शुरुआत 3 मार्च 2026 को दोपहर 2 बजकर 16 मिनट पर होगी और इसका समापन शाम 7 बजकर 52 मिनट पर होगा। ये ग्रहण भारत में दिखाई देगा जिसकी वजह से इसका सूतक काल मान्य होगा।

ग्रहण का सूतक काल 3 मार्च की सुबह 9 बजकर 39 मिनट से शाम 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। चलिए आपको बताते हैं चंद्र ग्रहण किन तीन राशियों की किस्मत चमकाने जा रहा है।

चंद्र ग्रहण से इन 3 राशियों की चमकेगी किस्मत

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए यह ग्रहण वरदान साबित होगा। आय के नए स्रोत खुलेंगे। निवेश से खूब लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। नए काम की शुरुआत कर सकते हैं।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए यह ग्रहण आर्थिक लिहाज से शानदार साबित होगा। पैतृक संपत्ति से बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से काफी बढ़िया हो जाएगा। अगर आप राजनीति या सरकारी क्षेत्र से जुड़े हैं तो ये ग्रहण आपके लिए ओर भी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

धनु राशि – धनु राशि वालों को अचानक से धन की प्राप्ति हो सकती है। आपकी आर्थिक तंगी दूर होगी। विद्यार्थियों के लिए यह समय बहुत शानदार रहने वाला है। घर में खुशहाली का माहौल बना रहेगा। किसी काम में बड़ी सफलता मिल सकती है। विदेश में नौकरी प्राप्त करने का सना पूरा हो सकता है।

माघ पूर्णिमा और रवि पुष्य योग में करें ये कार्य

माता लक्ष्मी की करें पूजा- पूर्णिमा और रवि पुष्य योग में आपको माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। सूर्यास्त के बाद इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा करने से शुभ फलों की आपको प्राप्ति होती है।

पूजा के दौरान आपको माता लक्ष्मी के मंत्र 'ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः' का 108 बार जप करना चाहिए।

इन चीजों की खरीदारी करना शुभ- रवि पुष्य योग में कुछ चीजों की खरीदारी करने से आपको लाभ मिल सकता है। ये चीजें हैं- सोना, चांदी, इलेक्ट्रोनिक सामान, नया वाहन और जमीन। माना जाता है कि रवि पुष्य योग में इन चीजों को खरीदने से बरकत आती है।

सूर्य-चंद्र की करें उपासना- माघ पूर्णिमा के दिन रवि पुष्य योग है इसलिए इस दिन सूर्य और चंद्रमा की उपासना करने से आपके जीवन के सभी दुख दूर हो सकते हैं। आपको करियर में सफलता मिल सकती है और बिगड़े काम भी बन सकते हैं।

इन चीजों का करें दान- माघ पूर्णिमा के दिन आपको रवि पुष्य नक्षत्र में दान करने से भी शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।

इस दिन आपको गेहूं, गुड़, तिल, पीले रंग के भोज्य पदार्थ और पीले वस्त्र दान करने चाहिए। इन चीजों का दान करने से आपको देवी-देवताओं के साथ ही पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

मंत्र सिद्धि- रवि पुष्य योग और माघ पूर्णिमा के शुभ संयोग में आप मंत्र सिद्धि भी प्राप्त कर सकते हैं। इस दिन अपने इष्ट देव के मंत्र या फिर गायत्री मंत्र का जप करने से आपकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और मानसिक शांति भी आप प्राप्त करते हैं।

इसके साथ ही आप अन्य देवी-देवताओं के मंत्र भी इस दिन कर सकते हैं।

हालांकि इस बात का ख्याल रखें कि माघ पूर्णिमा के दिन किसी भी मंत्र का जप शुरू करने के बाद आपको अगली पूर्णिमा तक हर दिन इस मंत्र का जप करना है।

गलत दिशा में दरवाजा फिर भी नहीं लगेगा दोष

वास्तु शास्त्र में घर की दिशा, बनावट और खुलने का सीधा प्रभाव वहां रहने वाले लोगों के जीवन पर पड़ता है। खासतौर पर फ्लैट में रहने वाले लोग अक्सर इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनका मुख्य दरवाजा किस दिशा में खुल रहा है और उसका उनके सुख, शांति और समृद्धि पर क्या असर पड़ता है। आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए कि अगर फ्लैट का मेन डोर दक्षिण दिशा में हो, तो किन परिस्थितियों में वह शुभ माना जाता है और कब उसका नकारात्मक प्रभाव समाप्त हो जाता है। साथ ही खिड़कियों और बालकनी की सही दिशा भी जानेंगे।

दक्षिण दिशा में खुलने वाला मुख्य दरवाजा

वास्तु शास्त्र में आज हम बात कर रहे हैं दक्षिण दिशा में फ्लैट के मुख्य दरवाजे के बारे में। आमतौर पर दक्षिण दिशा में खुलने वाले मुख्य दरवाजे को लेकर लोगों के मन में कई तरह की शंकाएं होती हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार हर स्थिति में यह दरवाजा अशुभ नहीं होता।

अगर दक्षिण दिशा में खुलने वाला मुख्य दरवाजा किसी गैलरी में खुलता हो, उसके सामने खुला हुआ स्पेस न हो और दरवाजे के ठीक सामने दीवार मौजूद हो, जो उसे ब्लॉक कर रही हो, तो ऐसी स्थिति में दक्षिण दिशा से जुड़े वास्तु दोष फ्लैट के मालिक को नहीं मिलते। इसका अर्थ यह है कि दक्षिण दिशा के बुरे प्रभाव उस घर पर असर नहीं डालते।

खिड़कियों और बालकनी की दिशा

अब बात करते हैं खिड़कियों और बालकनी की। खिड़कियों का वास्तु में विशेष महत्व बताया गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, फ्लैट में मुख्य द्वार से भी ज्यादा ध्यान खिड़कियों और बालकनी की दिशा पर देना चाहिए, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से ऊर्जा का प्रवेश और प्रवाह होता है।

जिस फ्लैट की अधिकतर खिड़कियां पूर्व, उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा में खुलती हों, वह फ्लैट बेहद शुभ माना जाता है, चाहे उस घर का मुख्य दरवाजा पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में न भी खुलता हो। यही नियम बालकनी के लिए भी लागू होता है।

उत्तर दिशा, पूर्व दिशा और उत्तर-पूर्व दिशा में बनी बालकनी को अत्यंत शुभ माना गया है। वहीं, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण दिशा में बालकनी होना भी स्वीकार्य है, लेकिन इसके लिए यह जरूरी है कि उनके विपरीत दिशा में उतनी ही बड़ी या उससे बड़ी बालकनी मौजूद हो, ताकि ऊर्जा संतुलित बनी रहे।

हालांकि, वास्तु शास्त्र में यह स्पष्ट कहा गया है कि किसी भी स्थिति में दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई बालकनी, कोई खिड़की या किसी भी तरह की ओपनिंग नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इससे घर में नकारात्मक प्रभाव बढ़ सकते हैं।

वास्तु शास्त्र में यह चर्चा दक्षिण दिशा में फ्लैट के मुख्य दरवाजे को लेकर थी। उम्मीद है कि आप इन वास्तु सुझावों को अपनाकर अपने फ्लैट में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रख पाएंगे।

शरीर के इन हिस्सों पर तिल होना माना जाता है शुभ

सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति के शरीर की बनावट, रंग, चाल-ढाल और शरीर पर मौजूद निशानों के आधार पर उसके स्वभाव और भविष्य के बारे में बताया गया है। इन्हीं निशानों में तिल का विशेष महत्व होता है। खासतौर पर महिलाओं के शरीर के कुछ खास अंगों पर तिल होना उन्हें बेहद भाग्यशाली और लक्ष्मी स्वरूप माना जाता है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, तिल व्यक्ति के पिछले जन्म के कर्मों और वर्तमान जीवन के फल को दर्शाते हैं। महिलाओं के शरीर पर शुभ स्थानों पर तिल होना उनके जीवन में धन, सम्मान और सुख-सुविधाओं की प्राप्ति का संकेत माना जाता है।

माथे के बीच या दाहिनी ओर तिल

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन महिलाओं के माथे के ठीक बीच या दाहिनी ओर तिल होता है, वे अत्यंत सौभाग्यशाली मानी जाती हैं। ऐसी महिलाएं आत्मविश्वासी होती हैं और समाज में इन्हें मान-सम्मान मिलता है। इनके जीवन में धन की कमी नहीं होती और ये परिवार की उन्नति में बड़ा योगदान देती हैं।

नोज पॉइंट पर तिल

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, नाक की नोक पर तिल होना आर्थिक दृष्टि से बेहद शुभ माना जाता है। ऐसी महिलाएं थोड़ी जिद्दी हो सकती हैं, लेकिन कम मेहनत में बड़ी सफलता हासिल करती हैं। इन्हें ऐशो-आराम और लग्जरी जीवन पसंद होता है।

ठुड्डी पर तिल

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ऐसी महिलाएं जिनकी ठुड्डी पर तिल होती है, ऐसी महिलाएं शांत, गंभीर और समझदार होती हैं। ये धन को संभालकर रखने में माहिर होती हैं और अपने परिवार को आर्थिक रूप से सुरक्षित रखती हैं। इनके घर में हमेशा बरकत बनी रहती है।

कमर पर तिल

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, महिलाओं के कमर पर तिल होना अत्यंत शुभ संकेत माना गया है। ऐसी महिलाएं जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं की कमी नहीं देखतीं। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ये अपने पति और परिवार के लिए बहुत लकी साबित होती हैं।

हथेली के अंदर तिल

दाहिनी हथेली के अंदर तिल होना धनवान बनने का मजबूत संकेत है। ऐसी महिलाओं के पास धन आता भी है और लंबे समय तक टिकता भी है। ये दयालु स्वभाव की होती हैं और दूसरों की मदद करना पसंद करती हैं।

पैरों के तलवों पर तिल

ऐसी लड़कियां जिनके पैरों के तलवों पर तिल होता है, वो भाग्यशाली मानी जाती है। पैरों के तलवों पर होना राजयोग का प्रतीक माना जाता है। ऐसी महिलाएं अक्सर विदेश यात्रा करती हैं और उच्च पदों पर पहुंचती हैं। इनकी किस्मत का असर पूरे परिवार पर पड़ता है और घर में तरक्की आती है।

गांधी और हनुमान दोनों के पास राम नाम की ताकत थी

आज गांधी फिर याद किए जाएंगे। यह बात तो उनके आलोचक भी मानते हैं कि गांधी जी इंसानियत के शिक्षक थे। और भक्तों का कहना है कि हनुमान जी मानवता के गुरु हैं। गांधी कहा करते थे कि जो सत्य की खोज में हो, वो हिंसक नहीं हो सकता। जब हम सुंदरकांड में हनुमान जी की लंका यात्रा देखते हैं तो इसका प्रमाण मिल जाता है। कुछ बातें गांधी की आज भी सही लगती हैं- सत्यता, सादगी, सदाचार, स्वदेशी और स्वच्छता। गांधी से जुड़ने के लिए सारे रास्ते राजनीति की भेंट चढ़ गए, लेकिन हनुमान जी से जुड़ने के लिए एक रास्ता बड़ा सरल है- हनुमान चालीसा। इसे मंत्र के रूप में सामूहिक रूप से पढ़ें तो पूरे ब्रह्मांड में उसकी पॉजिटिव एनर्जी विस्तारित होगी। इसीलिए एक कार्यक्रम 'महानिर्वाण' के नाम से किया जाता है। संस्कार टीवी पर आज शाम 7 बजे उसे देखा जा सकता है।

हनुमान जी और गांधी- दोनों ने भक्ति का सक्रिय रूप समाज को अर्पित किया था। दोनों के पास राम नाम की ताकत थी। हम इसे अपना सकते हैं।

प्रेरक कथा: शिष्य बनाने लगा था गुरु से अच्छे खिलौने

आप कितने भी योग्य हो जाएं, लेकिन अपने गुरु के सामने घमंड न करें, हमेशा सीखते रहने की कोशिश करें

पुराने समय की बात है, एक गांव में गुरु और शिष्य खिलौने बनाकर जीविका चलाते थे। गुरु की उम्र अधिक थी, उनका अनुभव भी ज्यादा था, जबकि शिष्य युवा था और नए-नए विचारों से भरा था। दोनों मिलकर खिलौने बनाते और बेचते थे। गुरु के मार्गदर्शन में शिष्य धीरे-धीरे बेहतरीन खिलौने बनाने लगा। उसके खिलौनों की बिक्री इतनी अच्छी होने लगी कि वे गुरु के खिलौनों से अधिक कीमत पर बिकने लगे।

गुरु रोज शिष्य को यही कहते थे कि तुम्हारे खिलौने अच्छे हैं, लेकिन उनमें सफाई और निखार की आवश्यकता है।

शुरू में तो शिष्य ने गुरु की बातों को गंभीरता से लिया, लेकिन कुछ दिनों बाद उसे यह सलाह बुरी लगने लगी। वह सोचने लगा कि मेरे खिलौने तो गुरु के खिलौनों से अच्छी कीमत पर बिक रहे हैं। शायद उन्हें जलन हो रही है, इसीलिए मुझे ही लगातार सुधार की सलाह देते हैं।

धीरे-धीरे शिष्य का घमंड बढ़ने लगा। एक दिन, उसने गुस्से में गुरु से कहा कि गुरुजी, मेरे खिलौने ज्यादा पैसे कमा रहे हैं, फिर भी आप मुझे ही सुधार करने की सलाह देते हैं। मुझे लगता है कि आपको अपनी कला पर ध्यान देना चाहिए।

गुरु ने शांति से शिष्य की बात सुनी और मुस्कुराते हुए कहा कि बेटा, जब मैं तुम्हारी उम्र का था, मेरे खिलौने भी मेरे गुरु के खिलौनों से बेहतर बिकते थे। उस समय मैं भी यही सोचता था कि गुरु क्यों लगातार सुधार की बातें करते हैं, लेकिन एक दिन गुरु ने मुझसे सलाह देना बंद कर दी और मैं अपनी कला में और अधिक निखार नहीं ला सका। मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे साथ भी ऐसा हो।

गुरु की बातों में नाराजगी नहीं थी, लेकिन उनमें गहरी सीख थी। शिष्य को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने गुरु से क्षमा मांगी और फिर पूरी लगन से अपनी कला सुधारने में जुट गया। धीरे-धीरे शिष्य ने न केवल बहुत अच्छे खिलौने बनाना सीख लिया, बल्कि उसने अपनी शालीनता और अनुशासन के कारण गांव में सम्मान भी पाया।

कथा की सीख- गुरु की सलाह का सम्मान करें यदि आप अपने काम में पारंगत बनना चाहते हैं, तो गुरु की सलाह का सम्मान करें। सफलता मिलने पर घमंड न करें, क्योंकि गुरु का मार्गदर्शन ही आपकी कला को शिखर तक पहुंचा सकता है।

सफलता में विनम्र रहें- जब किसी काम में सफलता मिले, तो घमंड करना आसान हो जाता है, लेकिन महान लोग जानते हैं कि हर उपलब्धि सीखने का अवसर है। अपनी उपलब्धियों को गुरु, अनुभव और परिश्रम का फल समझें। सफल होने के बाद भी विनम्र रहें, यही महान लोगों की निशानी है।

गुरु के सामने घमंड न करें

चाहे आप कितने भी योग्य हो जाएं, गुरु के अनुभव और मार्गदर्शन से सीखना हमेशा उपयोगी रहता है। घमंड करने से आप अपने गुरु की मूल्यवान सलाह खो सकते हैं। घमंड का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह आपको सीखने और बढ़ने से रोकता है। आत्मनिरीक्षण करें और याद रखें कि हर विशेषज्ञ कभी शिष्य था।

सुधार की आदत डालें- किसी भी काम में हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है। छोटी-छोटी सलाह को गंभीरता से लें और उन्हें अपने कौशल में निखार के रूप में अपनाएं।

तुलना करने से बचें

अपने काम की दूसरों के काम से तुलना करने की आदत से बचें। इससे ईर्ष्या, घमंड और गलतफहमियां बढ़ती हैं। अपने आप पर ध्यान दें और सुधार की दिशा में मेहनत करते रहें।

आलोचना को सकारात्मकता के साथ अपनाएं

आलोचना को व्यक्तिगत हमला समझने के बजाय सीखने का अवसर समझें। गुरु आपके सुधार के लिए कुछ कहते हैं, न कि आपकी आलोचना करने के लिए। दूसरों की आलोचना को सुझाव समझें और काम में सुधार करें।

अनुशासन और धैर्य बनाए रखें

किसी भी कला में महारत पाने के लिए समय और अनुशासन की आवश्यकता होती है। छोटे-छोटे सुधार ही व्यक्ति को महान बना सकते हैं।

लगातार सीखने की कोशिश करें

सफलता एक ठहराव नहीं है, बल्कि सीखने और सुधारने की प्रक्रिया है। हमेशा अपने काम में नवीनता और गुणवत्ता लाने की कोशिश करते रहें।

सफलता को सच्ची मेहनत से जोड़ें

केवल परिणाम देखकर संतुष्ट न हों। अपने प्रयासों और मेहनत पर गौर करें और अपनी कला को लगातार सुधारते रहें।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 31 जनवरी- 2026

विकास की रफ्तार कायम

संसद में पेश आर्थिक समीक्षा इस बात का साफ संकेत देती है कि सरकार बीते बजट में किए गए वादों की प्रगति को परखने के साथ-साथ आने वाले वित्त वर्ष की आर्थिक दिशा भी तय करने जा रही है। समीक्षा यह स्वीकार करती है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने स्थिरता तो दिखाई है, लेकिन चुनौतियाँ अभी समाप्त नहीं हुई हैं। आर्थिक समीक्षा के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में देश की विकास दर 6.8 से 7.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। विदेशी पूंजी प्रवाह में कमी, रुपये पर दबाव और मुद्रा में आई कमजोरी को समीक्षा अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी भरा संकेत मानती है। विकसित भारत और वैश्विक प्रभाव के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार मजबूत और स्थिर मुद्रा को स्वाभाविक आवश्यकता बता रही है। इसके साथ ही रुपये के मूल्य में गिरावट को निर्यात के लिए पूरी तरह हानिकारक नहीं माना गया है, क्योंकि इससे कुछ हद तक आयात शुल्क के दबाव को संतुलित करने में मदद मिलती है। यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को लेकर उम्मीद जताई गई है कि इससे भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धा, निर्यात क्षमता और रणनीतिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। समीक्षा इस बात पर भी जोर देती है कि घरेलू मांग को विकास का प्रमुख इंजन बनाए रखना आवश्यक है, जिसके लिए वित्तीय सुरक्षा उपायों और लक्षित योजनाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वैश्विक आर्थिक समीकरणों में तेजी से हो रहे बदलावों और अंतरराष्ट्रीय तनावों के बीच भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए आत्मनिर्भरता पर जोर दिया है। आर्थिक समीक्षा में नवाचार और वैश्विक सहभागिता को कमजोर किए बिना, घरेलू उत्पादन और स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ाने का आह्वान किया गया है, जिससे आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को मजबूती मिल सके। कृषि क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए समीक्षा में यह स्वीकार किया गया है कि कृषि निर्यात में व्यापार नीतियों का बार-बार बदलना कीमतों और उत्पादन में अस्थिरता पैदा करता है। ऐसे में कृषि नीतियों में दीर्घकालिक स्थिरता और संतुलन की जरूरत पर जोर दिया गया है। महंगाई को लेकर राहत भरे संकेत जरूर हैं, लेकिन खाद्य पदार्थों की कीमतें आम जनता के लिए चिंता का बड़ा कारण बन रही हैं। अस्थायी कामगारों के लिए न्यूनतम आय सुनिश्चित करने और रोजगार से जुड़ी नई नीतियों पर काम करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया है। नागरिकों की सेहत की सुरक्षा के लिए पोषण-युक्त खाद्य उत्पादों की उपलब्धता और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों पर नियंत्रण के सुझाव भी दिए गए हैं। आर्थिक समीक्षा में कई राज्यों में लोकलुभावन घोषणाओं और नकद हस्तांतरण योजनाओं से बढ़ते राजकोषीय घाटे पर चिंता जताई गई है। ऐसे में सवाल है कि जिस देश में मुफ्त योजनाओं की राजनीति तेज हो रही है, वहां आगामी बजट क्या इस प्रवृत्ति पर कोई लगाम लगा पाएगा? विकास, स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा के बीच आर्थिक समीक्षा संकेत देती है कि सरकार के सामने संतुलन साधने की चुनौती है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बजट इन संकेतों को कितनी मजबूती से नीति और क्रियान्वयन में बदल पाता है?

टीनेजर्स में बढ़ता डिजिटल एडिक्शन का खतरा

स्नेहा सिंह

भारत में किए गए और वैश्विक स्तर पर हुए कई सर्वे बताते हैं कि 12 से 24 वर्ष के किशोरों और युवाओं में डिजिटल माध्यमों की लत लगातार बढ़ रही है। इसके चलते चिड़चिड़ापन, गुस्सा, डिप्रेशन, आत्मविश्वास की कमी, साइबर बुलिंग और साइबर क्राइम जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। युवाओं में कंपल्सिव स्क्रालिंग, सोशल मीडिया कंपैरिजन और गेमिंग डिसआर्डर जैसी मानसिक बीमारियां भी बढ़ रही हैं। इसके परिणामस्वरूप किशोरों और युवाओं में नींद कम हो रही है, गुस्सा और उग्रता बढ़ रही है, सामाजिक जुड़ाव में कमी दिखाई दे रही है और डिप्रेशन गहराता जा रहा है। आस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों को रोकने के लिए 'उचित कदम' उठाने का निर्देश दिया गया है। यदि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग करते पाए गए तो कंपनियों पर 49.5 मिलियन डालर (लगभग 270 करोड़ रुपए) तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। संसद में सरकार द्वारा वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की गई थी। खास बात यह रही कि इस रिपोर्ट में सरकार ने देश की आर्थिक स्थिति के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों को भी उजागर किया। इस सर्वे में बताया गया कि देश के युवाओं, टीनेजर्स और बच्चों में डिजिटल एडिक्शन लगातार बढ़ रहा है और यह भारत के लिए चिंता का विषय है। सोशल मीडिया की लत से लेकर आनलाइन सट्टेबाजी एप्स तक, विभिन्न आयु वर्ग के बच्चे, किशोर और युवा अपनी जिंदगी खराब कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि जिस तरह से बच्चे और किशोर सोशल मीडिया और इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं, उसके कारण वे डिप्रेशन, एंग्जायटी, हिंसा और साइबर क्राइम जैसी समस्याओं के शिकार बन रहे हैं। इसके चलते उनके परिवार भी पीड़ा झेल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वे में बताया गया है कि डिजिटल एडिक्शन के कारण बच्चों में नींद की समस्या सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है। इसके चलते उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों और पढ़ाई पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

वे ध्यान लगाकर पढ़ाई नहीं कर पाते, जिससे उनके परिणाम कमजोर हो रहे हैं। नींद पूरी न होने से शरीर में थकान और सुस्ती बनी रहती है। इसके कारण सामाजिक गतिविधियों में भी चिड़चिड़ापन बढ़ता जा रहा है। इस बारे में सरकारी रिपोर्टों और अन्य सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं ने चिंता व्यक्त की है और कई गाइडलाइंस भी जारी की गई हैं। विशेष रूप से नेशनल कमीशन फार प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राइट्स ने बच्चों के स्क्रीन टाइम को सीमित करने का सुझाव दिया है।रिपोर्ट में बताया गया कि भारत और वैश्विक स्तर पर किए गए कई सर्वे यह दर्शाते हैं कि 12 से 24 वर्ष के किशोरों और युवाओं में डिजिटल माध्यमों की लत लगातार बढ़ रही है। मोबाइल और सोशल मीडिया अब लोगों के लिए लत और बुरी आदत बनते जा रहे हैं। इसके कारण चिड़चिड़ापन, गुस्सा, डिप्रेशन, आत्मविश्वास की कमी, साइबर बुलिंग और साइबर क्राइम जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। साथ ही युवाओं में कंपल्सिव स्क्रालिंग, सोशल मीडिया कंपैरिजन और गेमिंग डिसआर्डर जैसी मानसिक बीमारियां भी बढ़ रही हैं। इसके चलते किशोरों और युवाओं में नींद कम हो गई है, गुस्सा और उग्रता बढ़ गई है, सामाजिक जुड़ाव में कमी दिख रही है और डिप्रेशन बढ़ता जा रहा है।

सरकार का दावा है कि इस स्थिति पर काबू पाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 'टेलीमानस' नाम की एक टेलीफोन हेल्पलाइन चलाई जा रही है, जो 24 घंटे और 7 दिन उपलब्ध है। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कोई भी व्यक्ति इस हेल्पलाइन के जरिए सोशल मीडिया की लत या डिजिटल डिटॉक्स के लिए सहायता ले सकता है। इसके अलावा 2024 में टेलीमानस एप भी लांच की गई थी। लांच होने के बाद से अब तक 32 लाख लोगों ने इसका लाभ लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को 16 वर्ष से कम उम्र के यूजर्स पर सोशल मीडिया उपयोग को लेकर प्रतिबंध लगाने पर विचार करना चाहिए। अन्य देशों की तरह भारत में भी कड़े नियम बनाए जाने चाहिए। साथ ही आफलाइन यूथ हब्स बनाए जाने चाहिए। खासकर शहरी इलाकों, स्लम क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में शारीरिक गतिविधियों और अन्य एक्टिविटी सेंटर शुरू किए जाने चाहिए, ताकि युवा मोबाइल से दूर रहकर इन गतिविधियों में व्यस्त हो सकें और आनंद ले सकें। स्कूलों और कालेजों में भी विभिन्न स्तरों पर सेमिनार आयोजित किए जाने चाहिए, जो बच्चों को डिजिटल एडिक्शन से दूर रखें और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाकर उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें। डिजिटल वेलनेस को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि साइबर लिटरेसी, साइबर सेफ्टी और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़े।

उल्लेखनीय है कि दुनिया के कई देशों में सोशल मीडिया उपयोग के लिए आयु सीमा से जुड़े कानून बनाए गए हैं और उन्हें सख्ती से लागू भी किया गया है। वैश्विक परिदृश्य पर नजर डालें तो सबसे कड़ा कानून आस्ट्रेलिया ने दिसंबर, 2025 में लागू किया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सख्त कानून है। यहां 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह प्रतिबंध है। यह कानून लागू हो चुका है। सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों को रोकने के लिए 'उचित कदम' उठाने का निर्देश दिया गया है। यदि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग करते पाए गए तो कंपनियों पर 49.5 मिलियन डालर (लगभग 270 करोड़ रुपए) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अब माता-पिता की सहमति भी मान्य नहीं है। 16 वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को सोशल मीडिया उपयोग की अनुमति नहीं है। इसी तरह फ्रांस भी इस दिशा में काफी सक्रिय है। वहां के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों लगातार इस मुद्दे पर आवाज उठा रहे हैं। वहां 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एकाउंट बनाने पर प्रतिबंध की तैयारी चल रही है। हाल ही में (जनवरी, 2026) नेशनल असेंबली ने इस संबंध में एक बिल को मंजूरी दी है, जिसे सितंबर, 2026 तक पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य है। फिलहाल 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को एकाउंट बनाने के लिए माता-पिता की अनुमति जरूरी है। इसके अलावा अमेरिका में भी कुछ कानून हैं। अमेरिका में फिलहाल कोई समान राष्ट्रीय कानून नहीं है, लेकिन राज्य स्तर पर कई सख्त नियम लागू हैं। संघीय कानून के तहत 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का डेटा माता-पिता की अनुमति के बिना नहीं लिया जा सकता। फ्लोरिडा, यूटा और वर्जीनिया जैसे राज्यों ने 14 से 16 वर्ष के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। भारत में फिलहाल 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत 'किशोर' माना जाता है और उनके लिए माता-पिता की सहमति जरूरी है। चिंता की बात यह है कि सोशल मीडिया एक्सेस के लिए कोई सख्त आयु सीमा नहीं है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, गोवा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य आस्ट्रेलिया माडल पर विचार कर रहे हैं। दूसरी ओर, आर्थिक सर्वेक्षण में डिजिटल प्लेटफार्म्स के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए कुछ सख्त कदम सुझाए गए हैं। इनमें सबसे पहले आस्ट्रेलिया की तरह प्लेटफार्म की जिम्मेदारी तय करने की सिफारिश की गई है।

जहां बच्चे दरिंदे बनें, वही समाज कटघरे में

आरके जैन

रात की खामोशी में दबा दी गई एक नन्ही बच्ची की चीख अब पूरे देश की अंतरात्मा को हिला रही है। 18 जनवरी 2026 की वह रात केवल दिल्ली के भजनपुरा (उत्तर-पूर्वी दिल्ली) इलाके की त्रासदी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक पराजय का प्रतीक बन चुकी है। 6 वर्ष की एक मासूम बच्ची को 3 नाबालिग लड़कों, जिनकी उम्र 10, 13 और 14-15 वर्ष थी, ने बहला-फुसलाकर एक सुनसान इमारत में ले जाकर अमानवीय हिंसा का शिकार बनाया। खाने-पीने या छोटे लालच में फंसाई गई बच्ची जब घर लौटी, तो उसका शरीर जख्मों से भरा था, उसकी आवाज थम चुकी थी और उसके कदम साथ छोड़ चुके थे। यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भयावह प्रमाण है। यह घटना उस झूठे विश्वास को तोड़ देती है कि अपराध केवल वयस्कों द्वारा ही किए जाते हैं। सच्चाई यह है कि अपराध उम्र से नहीं, वातावरण और सोच से जन्म लेता है। प्रश्न केवल यह नहीं कि अपराध किसने किया, बल्कि यह है कि ऐसी मानसिकता को पनपने का अवसर किसने दिया। जब इतनी कम उम्र में करुणा, सहानुभूति और भय समाप्त हो जाए, तो यह पूरे सामाजिक ढांचे पर गंभीर आरोप है। यदि आज इस सच्चाई को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाला कल हर घर के लिए असुरक्षा का संदेश होगा।

इस अमानवीय घटना के बाद अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की प्रतिक्रिया एक साधारण सामाजिक पोस्ट तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह पूरे समाज के लिए चेतावनी बनकर सामने आई। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा, "वेक अप इंडिया! यह बच्ची हमारी सड़कों पर सुरक्षित नहीं है। उन्होंने अपराधियों को 'मॉन्स्टर्स' कहते हुए उस सोच पर प्रहार किया, जो अपराध के बाद बच निकलने का भ्रम पालती है। उनकी आवाज अकेली नहीं थी। पीड़िता के परिजन सड़कों पर उतरे, न्याय की मांग के साथ प्रदर्शन हुए और प्रशासन से जवाबदेही मांगी गई। मां ने बताया कि बच्ची घर पर है, लेकिन गहरे मानसिक आघात से जूझ रही है। यह आक्रोश तभी अर्थ पाएगा, जब समाज इसे क्षणिक संवेदना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक जिम्मेदारी में बदले। नाबालिग अपराधी-यह शब्द अब केवल कानूनी शब्दावली नहीं रहा, बल्कि सामाजिक भय का पर्याय बन चुका है। 10 वर्ष की उम्र, जिसमें खेल, कल्पनाएं और सपने होने चाहिए, वहां हिंसा की विकृत छाया दिखाई दी। पुलिस जांच में सामने आया कि बच्ची को लालच देकर ले जाया गया और क्रूरता की सारी सीमाएं पार की गईं। इसके पीछे एक कड़वी सच्चाई छिपी है-अनियंत्रित डिजिटल प्रभाव। अश्लील सामग्री तक सहज पहुंच, माता-पिता की निगरानी का अभाव और विद्यालयों में यौन शिक्षा की कमी बच्चों की सोच को विकृत कर रही है। ये बच्चे भी सामाजिक उपेक्षा और गलत दिशा के शिकार हैं। प्रश्न यह है कि क्या समाज केवल सजा देकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाएगा।

कानून की भूमिका पर अब मौन घातक है। पॉस्को कानून और भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया, लेकिन जुवेनाइल कानून की सीमाएं बार-बार सामने आती हैं। 16 वर्ष से कम उम्र के अपराधियों पर वयस्कों जैसा मुकदमा नहीं चलता, चाहे अपराध कितना भी जघन्य क्यों न हो। पीड़िता का परिवार कठोरतम दंड की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, एक दृष्टिकोण यह भी है कि दंड के साथ पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक उपचार आवश्यक है। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा भी है। यदि कानून अपराध को रोकने में असमर्थ है, तो उसमें परिवर्तन अपरिहार्य है। इस क्रूर घटना की जड़ें केवल कानून की खामियों में नहीं, बल्कि समाज की बनावट में गहराई तक फैली हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी बच्चों में से कुछ पीड़िता के परिवार से परिचित थे, लेकिन वही भरोसा हिंसा में बदल गया। यह विश्वासघात केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक है।

क्या दूसरा एमजीआर बन पायेंगे विजय?

राज कुमार सिंह

तमिल राजनीति का जन नायक बनने के महत्वाकांक्षी फिल्म अभिनेता थलापति विजय की अंतिम फिल्म 'जना नायकन' की सिनेमाघरों से दूरी कम होती नहीं दिख रही। नौ जनवरी को रिलीज होनेवाली जना नायकन अभी तक कानूनी लड़ाई में अटकी है। 20 जनवरी को सुनवाई बाद के मद्रास उच्च न्यायालय का फैसला सुरक्षित है। विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु का राजनीतिक विमर्श दो फिल्मों के इर्दगिर्द सिमट जाना चौंकाता हैः 'पराशक्ति' और 'जना नायकन'। सेंसर बोर्ड से प्रमाणपत्र के बाद 'पराशक्ति' रिलीज हो चुकी है, लेकिन 'जना नायकन' अटकी है। उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीटी आशा ने 'जना नायकन' के प्रदर्शन की अनुमति दे दी थी, लेकिन सेंसर बोर्ड ने कुछ दृश्यों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया तो मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्ववाली खंडपीठ ने अनुमति रद्द कर 20 जनवरी को पुनः सुनवाई तय की। फिल्म निर्माता सर्वोच्च न्यायालय भी गये, लेकिन वहां से भी उच्च न्यायालय में 20 जनवरी की सुनवाई में जाने की नसीहत मिली, जहां अब फैसला सुरक्षित है। विवाद का चुनावी एंगल भी है। 'पराशक्ति' 1960 के आसपास हिंदी विरोधी आंदोलन और तमिल राजनीतिक भावनाओं की याद दिलाती है, जबकि 'जना नायकन' अभिनेता विजय को जन नायक के रूप में पेश करती है। 'जना नायकन' को अपनी अंतिम फिल्म बता कर जोसेफ विजय चंद्रशेखर तीन दशक लंबी सिनेमाई पारी से संन्यास का ऐलान भी कर चुके हैं। विजय की सिनमाई छवि जन नायक-सी रही है। तमिझगा वेट्री कषगम (टीवीके) नामक राजनीतिक दल बनानेवाले विजय की विधानसभा चुनाव लड़ कर मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा है।

द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच दो ध्रुवीय रही तमिल राजनीति में जयललिता के निधन से उत्पन्न शून्य को भाजपा विभाजित अन्नाद्रमुक के एकीकरण और उससे गठबंधन के जरिये भरने की कोशिश कर रही है। टीटीवी दिनाकरन की पार्टी एएमएमके की भी राजग में वापसी हो गयी है। जब विजय ने टीवीके बना कर द्रमुक सरकार पर निशाना साधना शुरू किया तो माना गया कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सत्ता से विदाई के लिए भाजपा उनकी लोकप्रियता की लहर की सवारी भी कर सकती है, लेकिन 'जना नायकन' विवाद में सेंसर बोर्ड की भूमिका से समीकरण बदले हैं। विजय ने 'जना नायकन' की रिलीज में देरी के लिए सेंसर बोर्ड और सरकार के बजाय द्रमुक और भाजपा पर निशाना साधा। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल द्रमुक ने भी विवाद का ठीकरा भाजपा पर फोड़ा है, ताकि टीवीके से मुकाबले में अल्पसंख्यकों के बीच उसकी लोकप्रियता प्रभावित न हो। कांग्रेस ने मित्र दल द्रमुक को चुनौती देनेवाले विजय की फिल्म 'जना नायकन' का समर्थन किया है। साथ चुनाव लड़ने के बावजूद द्रमुक, सरकार में कांग्रेस को शामिल करने से परहेज करती रही है। विधानसभा चुनाव अप्रैल-मई में संभावित हैं, लेकिन सीट बंटबारे पर द्रमुक-कांग्रेस बातचीत में ठोस प्रगति नजर नहीं आती। राहुल गांधी द्वारा 'जना नायकन' का समर्थन और रिलीज में रोड़ा अटकाने के लिए भाजपा पर निशाने से लग रहा है कि टीवीके से गठबंधन पर कांग्रेस भी विचार कर रही है।

द्रमुक- कांग्रेस का गठबंधन पुराना है, लेकिन राजनीति में सुविधानुसार मित्र बदलते रहते हैं। महाराष्ट्र और बिहार में मित्र दलों से तनातनी भी कांग्रेस की चुनावी रणनीतिक दुविधा का संकेत है। भाजपा को हराने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बनाये गये दो दर्जन विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' में विधानसभा चुनावों से दरारें लगातार चौड़ी हो रही हैं। शायद तमिलनाडु में फिल्मी सितारों की चमत्कारिक राजनीतिक सफलता भी कांग्रेस को विजय की ओर आकर्षित कर रही हो। दक्षिण भारत में कुछ सितारे ऐसे लोकप्रिय राजनेता भी साबित हुए कि राजनीति की धारा ही बदल दी। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सवा साल में दिल्ली की सत्ता पर दस्तक की चर्चा बहुत होती है, लेकिन सबसे चमत्कारिक चुनावी सफलता एनटीआर के नाम से लोकप्रिय नंदमुरि तारक रामाराव के नाम दर्ज है। तेलुगु फिल्मों में राम-कृष्ण आदि धार्मिक भूमिकाएं निभा कर घर-घर में लोकप्रिय बन चुके एनटीआर ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) बनाने के नौ महीने के अंदर कांग्रेस को आंध्र प्रदेश की सत्ता से खदेड़ दिया था। वह 1983 से 1994 के बीच तीन बार मुख्यमंत्री बने। उनके निधन के बाद टीडीपी पत्नी लक्ष्मी पार्वती और दामाद चंद्रबाबू नायडू के बीच विभाजित हुई। अंततः नायडू ही एनटीआर के राजनीतिक वारिस साबित हुए। 2008 में चिरंजीवी द्वारा बनायी गयी प्रजा राज्यम पार्टी 2009 के विधानसभा चुनाव में 18 सीटें जीतने में सफल रही, लेकिन 2011 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। केंद्र में मंत्री भी रहे चिरंजीवी 2018 से राजनीति में सक्रिय नहीं। उनके भाई पवन कल्याण अवश्य जन सेना पार्टी बना कर अब चंद्रबाबू नायडू सरकार में भागीदार हैं। दक्षिण भारतीय राजनीति में फिल्मी सितारों की चमत्कारिक सफलता की शुरूआत तमिलनाडु से ही हुई, जहां एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) ने 1953 में कांग्रेस के साथ अपनी राजनीतिक पारी शुरू की। तमिल सिनेमा के इस सुपर स्टार को बाद में सीएन अन्नादुरई ने अपनी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल होने के लिए मना लिया। 1962 में पहली बार विधायक बने एमजीआर ने अन्नादुरई के निधन के बाद द्रमुक में बढ़ते भ्रष्टाचार का विरोध किया तो उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। तब उन्होंने अलग पार्टी अन्नाद्रमुक बनायी। 1977 के विधानसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक ने 234 में से 130 सीटें जीतीं और एमजीआर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। एमजीआर से निकटता के चलते लोकप्रिय अभिनेत्री जयललिता अन्नाद्रमुक में शामिल हो कर प्रचार सचिव भी बनीं, लेकिन पार्टी में विरोध के चलते पद छोड़ना पड़ा। एमजीआर के निधन के बाद जयललिता को उनके परिवार के विरोध का भी सामना करना पड़ा, लेकिन खुद को उनकी राजनीतिक वारिस साबित करते हुए अंततः 1991 में तमिलनाडु की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं। एमजीआर और फिर जयललिता के मुकाबले द्रमुक का नेतृत्व करते हुए मुख्यमंत्री बने एमके करुणानिधि भी तमिल सिनेमा के लोकप्रिय लेखक रहे। बेशक हिंदी सिनेमा के सितारों ने भी राजनीति में किस्मत कम नहीं आजमायी, पर दक्षिण भारतीय सितारों जैसी सफलता किसी को नसीब नहीं हुई। कुछ सांसद-मंत्री बनने में सफल रहे, लेकिन पार्टी की कृपा से ही।

उच्च शिक्षण संस्थानों को जातीय हिसाब-किताब बराबर करने का केंद्र नहीं बनने दिया जाए

ज्ञान चंद पाटनी

सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों पर रोक लगा दी है। इन नियमों का सवर्ण वर्ग भारी विरोध कर रहा था। कोर्ट ने सुझाव दिया कि विशेषज्ञों की एक समिति इन नियमों में खामियों को भरने पर विचार कर सकती है। यूजीसी के 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम' का प्रभाव शिक्षण संस्थानों तक सीमित नहीं रहा। इसे लेकर पूरे देश में बवाल शुरू हो गया। इन नियमों में समान अवसर केंद्र, आरक्षित सदस्यों वाली समितियां बनाने, निगरानी दस्ते गठित करने का प्रावधान है लेकिन झूठी शिकायतों पर मौन साध लिया गया। भले ही इनका लक्ष्य जातीय भेदभाव को समाप्त करना है, लेकिन इससे जातीय राजनीति को हवा मिली और शिक्षण संस्थानों में ही नहीं, पूरे देश में जातीय वैमनस्य बढ़ने की आशंका पैदा हो गई। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि नए नियमों के प्रावधानों में प्रथम दृष्टया अस्पष्टता है और इनके दुरुपयोग की आशंका है।

सवर्ण संगठनों का उग्र विरोध और सोशल मीडिया पर यूजीसी रोलबैक का तूफान इसका प्रमाण है कि इन नियमों को लेकर एक वर्ग में कितना रोष है। इसी के चलते उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। जाने-माने कवि कुमार विश्वास की सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया भी चर्चा का विषय बनी। कुमार विश्वास ने दिवंगत कवि रमेश रंजन की एक कविता साझा की। लिखा, चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा सवर्ण हूं, मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा...। उधर कांग्रेस जैसे प्रमुख विपक्षी दल राजनीतिक कारणों से मौन साधे रहे जबकि दलित-ओबीसी संगठनों ने नए नियमों को अपनी विजय माना। राजद प्रवक्ता कंचना यादव का बयान तो बहुत चर्चित हुआ। यूजीसी बिल पर एक टीवी डिबेट में उन्होंने कहा कि आपको यानी सवर्ण समाज को फंसाया जाना चाहिए क्योंकि आपने कभी भी इस देश के 90 प्रतिशत ओबीसी, एससी-एसटी आबादी, माइनॉरिटी को उसका हक नहीं दिया। जिस तरह की बयानबाजी हुई, उससे यह आशंका है कि इन नियमों का सर्वाधिक विनाशकारी प्रभाव समाज के सामाजिक ताने-बाने पर पड़ेगा। नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक से विवाद खत्म भले ही नहीं हो लेकिन इसकी उग्रता जरूर कम हो जाएगी। यूजीसी के नए नियमों में प्रावधान किया गया है कि हर उच्च शिक्षण संस्थान में अनिवार्य समान अवसर केंद्र (ईओसी) और दस सदस्यीय समानता समिति का गठन अनिवार्य होगा। समानता समिति में पांच सदस्य आरक्षित वर्गों से होंगे और घूमते-फिरते निगरानी दस्तों की व्यवस्था भी होगी लेकिन, झूठी शिकायतों पर किसी तरह की सजा का प्रावधान न होने के कारण निर्दोषों के उत्पीड़न का मार्ग खुलने की आशंका जताई जा रही है। इन नियमों के चलते उच्च शिक्षा परिसरों में संवाद की जगह संशय का वातावरण बनने की आशंका है। माना जा रहा है कि डर के कारण सवर्ण छात्र आरक्षित वर्गों से दूरी बनाए रखेंगे और एक दूसरे के प्रति अविश्वास का माहौल बन जाएगा। इससे जातीय तनाव बढ़ने का डर भी है। आजादी के बाद जातीय समरसता के जो प्रयास किए जा रहे थे, उन पर इन नियमों पर वज्रपात जैसा असर हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि इनका दुरुपयोग होने की आशंका है। जरूरतमंद को सुरक्षा जरूर मिलनी चाहिए लेकिन लक्ष्य जातिविहीन समाज ही होना चाहिए।

नए नियमों को 2012 के इसी नाम के यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) विनियमों की जगह लेना था। 2012 के नियम ज्यादातर सलाहकारी प्रकृति के थे। उनमें कहा गया था कि सजा भेदभाव या उत्पीड़न की प्रकृति के अनुरूप होगी। इनमें ओबीसी वर्ग भी शामिल नहीं था। ऐसे संस्थान के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान नहीं किया था जो नियमों का पालन नहीं करता है। अब उन संस्थानों को कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, जो नियमों का पालन नहीं करेंगे। यूजीसी उन्हें आयोग की योजनाओं में भाग लेने, डिग्री और ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित करने से रोक सकता है। ऐसे संस्थानों को केंद्रीय अनुदान प्राप्त करने के योग्य संस्थानों की सूची से भी हटाया जा सकता है।

उच्च शिक्षा को राष्ट्र-निर्माण का आधार स्तंभ माना जाता है। इन नियमों से जुड़ी आशंकाएं सच साबित हुईं तो यह मजबूत स्तंभ हिल सकता है। नियमों से कागजी कार्रवाई बढ़ेगी। शिक्षक खुलकर पढ़ाने से हिचकिचाएंगे, विद्यार्थी चर्चा से कतराएंगे। संस्थानों में नवाचारों पर भी इसका असर हो सकता है। ब्रेन ड्रेन की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। उच्च शिक्षण संस्थान ज्ञानार्जन नहीं बल्कि जातीय हिसाब-किताब बराबर करने के केंद्र बन सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत की तरफ झुकाव बढ़ा है। अब वे अपने कदम पीछे खींच सकते हैं। केंद्रीय अनुदान रद्द करने, डिग्री कार्यक्रमों पर रोक जैसे नए नियमों से संस्थानों दबाव में आ सकते हैं। भारतीय राजनीति पर इन नियमों का व्यापक प्रभाव पड़ना तय है। राजनीति के चलते जातीय टकराव भड़क सकता है। भारतीय राजनीति में जातीय रंग हमेशा ही रहा है लेकिन अब यह अधिक गहरा हो सकता है। अब यह एससी-एसटी-ओबीसी बनाम सवर्ण का रूप ले सकता है।

अपमान विशारद विश्वविद्यालय

डॉ. सुरेश कुमार

लुटियंस दिल्ली की सफेद कोठियों पर जब सुबह की पहली किरण पड़ती है, तो वह नैतिकता जगाने नहीं, बल्कि चालाकी का नया संस्करण तैयार करने आती है। इंडिया गेट के चारों ओर पसरी वह रहस्यमयी धुंध दरअसल फैक्ट्रियों का धुआं नहीं, बल्कि उन फाइलों की राख है जिन्हें 'जनहित' के नाम पर जलाया गया है। इसी माहौल में, जहाँ हवा में ऑक्सीजन कम और अहंकार का पार्टिकुलेट मैटर ज़्यादा है, एक नए 'अपमान विशारद विश्वविद्यालय' की घोषणा हुई। यह संस्थान ईंट-गारे से नहीं, बल्कि कड़वाहट के सीमेंट और तानों की बजरी से खड़ा किया जा रहा है। काका घमंडी अपनी पुरानी लाठी और सत्तू का डिब्बा लेकर जब जनपथ की एक बेंच पर मास्टर बीठल के साथ बैठे, तो उन्हें लगा कि यहाँ की हर कोठी एक-दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ में ज़्यादा सफ़ेद होने का ढोंग कर रही है। मास्टर बीठल ने जैसे ही न्यूज़पेपर में इस विश्वविद्यालय का विज्ञापन पढ़ा, काका ने खैनी की पीक थूकते हुए अपनी देसी शैली में मोर्चा खोल दिया। काका बोले, अरे मास्टर, ई कवन नौटंकी पसारले बाड़ऽ? अब ई दिल्ली के गोरा-चिट्ठा साहेब लोग हमनी के बताई कि जीभ कइसे लपलपावल जाला? जवना शहर में लोग 'नमस्ते' भी अईसन करेला कि लागेला तोहार किडनी माँगत बा, उहाँ अपमान के कवन पढ़ाई होई? हमनी त खैनी ठोक के केहू के अईसन 'भद' पिटा देब जा कि ओकर सात पुश्त के नानी अपना जनम पर रोवे लगिहें। ई दिल्ली वाला लोग त बस पालीस कइल जानत बा, हमनी त सीधे खाल उधेड़ देब जा।₹ काका के लिए अपमान एक सीधा प्रहार था, जबकि दिल्ली के लिए यह एक सूक्ष्म कला। मास्टर बीठल, जो खुद को दिल्ली के बौद्धिक विमर्श का हिस्सा मानते थे, ने अपना चश्मा थोड़ा और ऊपर चढ़ाया और काका को ऐसे देखा जैसे कोई संग्रहालय का क्यूरेटर किसी पुरानी टूटी हुई मूर्ति को देखता है। उन्होंने समझाया कि काका, दिल्ली का अपमान कोई अनगढ़ पत्थर नहीं है, यह तो 'क्रिस्टल कट' हीरा है जो चुभता भी है और चमकता भी है। यहाँ अपमान एक 'इंस्टीट्यूशनल' प्रक्रिया है, जहाँ बाकायदा पाठ्यक्रम होगा कि सामने वाले को उतना ही नीचे गिराओ कि वह गिरते समय भी आपको 'थैंक यू' कहे। यहाँ 'मूर्ख' को 'बौद्धिक रूप से चुनौतीपूर्ण' कहा जाता है। यह सुनकर काका ने अपनी मूंछों को ताव दिया और बोले, रे मास्टर! तू त अईसन बात करत बाड़ऽ जैसे कवनो कसाई जंतर-मंतर पर बैठ के जीव-हत्या के पाप गिनावत होखे! दिल्ली के इस विश्वविद्यालय की 'हैंडबुक' का सबसे अनिवार्य अध्याय है- 'विक्टिम प्रोफाइलिंग' यानी शिकार की पहचान। दिल्ली के बड़े बंगलों में रहने वाले लोग हर राह चलते पर अपना ताना ज़ाया नहीं करते, वे तो केवल उसे चुनते हैं जिसकी साख बाज़ार में ऊँची हो, क्योंकि ऊंचे पेड़ को गिराने में ही लकड़ी ज़्यादा मिलती है। मास्टर साहेब ने काका को जब यह बारीकी समझाई, तो काका ने ज़मीन पर अपनी लाठी पटकी और दहाड़कर बोले, का हो मास्टर, अब नीचता के भी मीटर बनिहें का? अरे भाई, केहू के नीचा देखावे के असली मजा त तब बा जब सामने वाला अपना के समाज के 'स्तंभ' समझत होखे और तू ओकर जड़ में अईसन तेजाब डाल दऽ कि ऊ अपना ही बोझा से ढह जाव। विश्वविद्यालय का शब्दकोश पुराने पड़ चुके गालियों और तानों को 'म्युज़ियम' में भेजने की तैयारी कर रहा है। यहाँ 'भ्रष्ट' को 'संसाधन हस्तांतरण में कुशल' कहा जाता है। मास्टर साहेब ने जब काका को यह बताया, तो काका ने खैनी का पीक हवा में अईसे फेंका जैसे कोई मिसाइल टेस्ट कर रहे हों। वे हँसते-हँसते बोले, का हो मास्टर, अब गाली भी कंप्यूटर से निकाली का? कि प्रोफेसर क्लास में हाथ के अंगुरी नचा-नचा के सिखाई कि केकरा के 'मिडल फिंगर' देखावला पर कतना 'पब्लिसिटी' मिली?

ट्रांसफॉर्मर ब्लॉस्ट होने से गिरी दीवार, दो बच्चों सहित 11 लोग घायल

पानीपत, 30 जनवरी (एजेंसियां)। गांव शेरा के चौधरी लेयर पोल्ट्री फार्म हाउस में शुक्रवार सुबह बिजली ट्रांसफार्मर में हुए भीषण धमाका हुआ। धमाका इतना खतरनाक था कि साथ लगती हैचरी की दीवा रगिर गई। हादसे में दो बच्चों समेत 11 लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवार हैचरी के पास ही सो रहा था। सुबह अचानक ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी के कारण जबरदस्त धमाका हुआ। इस कारण कारण हैचरी की दीवार सो रहे परिवार पर जा गिरी। मलबे के नीचे दबने वालों में 35 वर्षीय मनसा राम, 25 वर्षीय रंजना, 11 वर्षीय नितेश और मात्र 9 साल की मासूम सोनम शामिल हैं। इनके अलावा सात लोगों को ट्रांसफार्मर फटने के बाद उससे निकले ज्वलनशील पदार्थ के छींटे लगे। जिन्हें उपचार के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद मतलौडा थाना पुलिस और बिजली निगम की टीम जांच में जुटी हुई है

'गजनी, लोदी सब हिन्दुस्तानी लुटेरे थे'

हामिद अंसारी के बयान पर बवाल, बीजेपी का करारा पलटवार

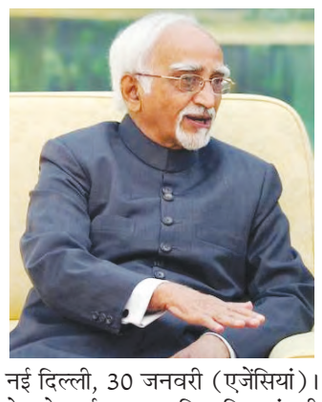

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने एक बार फिर से विवादित बयान देकर खलबली मचा दी है। उन्होंने कहा कि गजनी और लोदी हिन्दुस्तानी लुटेरे थे। हामिद अंसारी ने कहा कि अपनी किताबों में लोग छपवाते हैं कि कोई लोदी है तो कोई गजनी है...ये सब हिन्दुस्तानी लुटेरे थे। ये बाहर से नहीं आए थे। पूर्व उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि राजनीतिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए लोग कहते हैं कि उन्होंने ये तोड़ दिया और वो तोड़ दिया। सब हिन्दुस्तानी थे। बीजेपी ने हामिद अंसारी के बयान पर करारा पलटवार किया है। भाजपा ने पूर्व उपराष्ट्रपति के बयान पर कहा कि शरजील इमाम और उमर खालिद को युवा नेता बताने के बाद हामिद अंसारी ने अब सोमनाथ मंदिर को तोड़ने वाले गजनी की तारीफ की है।

अब भाजपा ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के मध्यकालीन शासकों महमूद गजनवी और लोदी वंश को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस और तथाकथित कांग्रेस इकोसिस्टम पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया कि विपक्ष इतिहास को नए राजनीतिक नजरिये से पेश कर रहा है और हिंदू धार्मिक प्रतीकों पर हुए हमलों को कमतर दिखाने की कोशिश कर रहा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि अंसारी की टिप्पणी कोई अलग घटना नहीं है, बल्कि यह उस पैटर्न का हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस से जुड़े लोग बार-बार भारत के मध्यकालीन इतिहास को साफ-सुथरा दिखाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा, 'शरजील इमाम और उमर खालिद को युवा नेता बताने के बाद अब कांग्रेस इकोसिस्टम और हामिद अंसारी महमूद गजनवी जैसे शासक का महिमामंडन कर रहे हैं, जिसने सोमनाथ मंदिर को नष्ट और अपवित्र किया था।'

गजनी-लोदी विदेशी नहीं – हामिद अंसारी

पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस लगातार मध्यकालीन इतिहास की अपने अनुसार फिर से व्याख्या कर समकालीन राजनीतिक एजेंडे के तहत कर रही है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस इकोसिस्टम गजनवी का गुणगान करता है, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का विरोध करता है और औरंगजेब जैसे शासकों द्वारा हिंदुओं पर किए गए अत्याचारों को सफेदपोश बनाता है।' भाजपा की प्रतिक्रिया हाल ही में अंसारी की उस टिप्पणी के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोदी और गजनवी भारतीय लुटेरे थे, वे बाहर से नहीं आए थे। उन्हें विदेशी कहना राजनीतिक रूप से सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन वे विदेशी नहीं थे।'

इतिहासकारों के अनुसार, महमूद गजनवी गजनवी साम्राज्य का शासक था, जिसका केंद्र वर्तमान अफगानिस्तान में था। उसने 10वीं और 11वीं शताब्दी के बीच भारतीय उपमहाद्वीप में कई सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया, जिन्हें व्यापक रूप से लूट और विस्तार के उद्देश्य से किए गए आक्रमण माना जाता है।

समकालीन स्रोतों में कई मंदिरों के विध्वंस का उल्लेख मिलता है, जिनमें गुजरात का सोमनाथ मंदिर प्रमुख है। गजनवी ने भारत में स्थायी शासन स्थापित नहीं किया और उसका राजनीतिक आधार उपमहाद्वीप के बाहर ही रहा। वहीं, लोदी वंश 1451 से 1526 तक दिल्ली सल्तनत का अंतिम शासक रहा। इसकी स्थापना बहलोल लोदी ने की थी और इसके शासक अफगान मूल के माने जाते हैं।

हालांकि, लोदी शासकों ने लंबे समय तक उत्तर भारत के बड़े हिस्से पर शासन किया और प्रशासनिक ढांचे में गहराई से शामिल हुए, लेकिन इतिहासकार आमतौर पर उन्हें विदेशी मूल के शासक मानते हैं जिन्होंने विजय के जरिए सत्ता स्थापित की।

स्कूल में शिक्षक ही निकला हैवान! 6 साल की छात्रा से रेप का प्रयास, हुआ गिरफ्तार

टीकमगढ़, 30 जनवरी (एजेंसियां)। स्कूल एक ऐसी जगह होती है जहां बच्चे शिक्षित होने जाते हैं और शिक्षक पढ़ाने जाते हैं, लेकिन सोच कर देखिए क्या हो जब ऐसे पवित्र स्थानों पर भी छात्राएं हैवानियत का शिकार हो जाए और हैवानियत करने वाला और कोई नहीं, बल्कि एक शिक्षक हो। कुछ ऐसा ही मामला मध्य प्रदेश से सामने आया है। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना क्षेत्र में 30 जनवरी 2026 को एक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली 6 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। आरोप उसी स्कूल के 58 वर्षीय शिक्षक पर है, जिसे पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

मियां मुस्लिमों को इतना परेशान करो कि असम छोड़ दें... सीएम हिमंत के बयान पर विवाद

गुवाहाटी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। असम समेत देश के 5 राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इनमें खासतौर पर असम चर्चा में बना हुआ है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा लगातार तीखी बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच सीएम ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को इतना परेशान करो कि वे असम छोड़ने पर ही मजबूर हो जाएं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी मिया मुसलमानों वाली टिप्पणी से राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे विपक्षी पार्टियों में जबरदस्त गुस्सा है। हिमंत ने कहा कि वह "मिया मुसलमानों" के लिए परेशानी पैदा करने को बढ़ावा देते हैं ताकि वे राज्य से भाग जाएं।

असम में, बीजेपी अक्सर अवैध घुसपैठ से जुड़े बंगाली बोलने वाले मुसलमानों का ज़िक्र करते समय मिया शब्द का इस्तेमाल करती है। मिया मुसलमानों के प्रति अपनी नापसंदगी ज़ाहिर करते हुए, हिमंत ने ज़ोर देकर कहा कि वह उन्हें राज्य से बाहर निकालने के लिए कभी भी कुछ भी करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम सीधे तौर पर मिया मुसलमानों के खिलाफ हैं। हम कुछ भी नहीं छिपा रहे हैं। हम सीधे कहते हैं कि हम मियाओं के खिलाफ हैं।

असम के सीएम ने साफतौर पर जनता को संबोधित करते हुए कहा कि बिना किसी डर के उन्हें परेशान करो। हिमंत ने यह भी दावा किया कि बांग्लादेशी नागरिक असम में मौजूद थे और इस मुद्दे को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) से जोड़ा। सीएम हिमंत ने इस दौरान विपक्ष पर हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने इस मुद्दे को गलत तरीके से संभाला है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस ने इस पहले ही कार्रवाई की होती, तो असम में आज ऐसे हालात नहीं होते। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इसका विरोध नहीं किया गया तो ये समुदाय पूरे असम में फैल जाएगा।

कांग्रेस पार्टी ने चेतावनी दी है कि ऐसे बयान समाज को बांटने की कोशिश हैं और चुनाव वाले पूर्वोत्तर राज्य में सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ सकते हैं।कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, ऐसे बयानों के नतीजे अच्छे नहीं होंगे; वे खतरनाक होंगे। इन लोगों को देश की कोई परवाह नहीं है। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो देश को उथल-पुथल का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, बीजेपी ने ज़ोर देकर कहा कि सीएम की मिया वाली टिप्पणी बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों के लिए थी।

आबकारी विभाग ने पकड़ी अवैध शराब:1050 किलो महुआ लाहन भी मिला, वेटरनरी विभाग की पुरानी बिल्डिंग में छिपाई थी

जबलपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग ने सिहोरा में बड़ी कार्रवाई की है। धनगवां गांव में छापामारी के दौरान टीम को बड़ी मात्रा में अवैध शराब और महुआ लाहन मिला, जिसे मौके पर ही जलाकर नष्ट कर दिया गया। शराब बनाने वालों की तलाश शुरू कर दी गई है। आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त को सूचना मिली थी कि धनगवां गांव में बड़ी मात्रा में शराब बनाई जा रही है और आसपास के गांवों में बेची जा रही है। शुक्रवार की सुबह आबकारी टीम मौके पर पहुंची तो शराब बनाने वाले आरोपी फरार हो चुके थे। टीम ने गांव में खोजबीन के दौरान वेटरनरी विभाग की पुरानी बिल्डिंग पर ध्यान दिया, जिसमें अवैध शराब छिपाई गई थी। वृत प्रभारी आरएस मरावी ने बताया कि पुरानी पशु चिकित्सालय की बिल्डिंग में ताला बंद था। पशुचिकित्सा विभाग के कर्मचारियों की मदद से तलाशी लेने पर 25 लीटर हाथ भट्टी शराब और 70 प्लास्टिक डिब्बों में लगभग 1050 किलो महुआ लाहन बरामद किया गया।

बंगाल में प्रशासनिक अधिकार का दुरुपयोग

वोटर्स की वेरिफिकेशन प्रक्रिया में हो रही हेराफेरी की कोशिश: सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों की तरफ से वेरिफिकेशन प्रोसेस में हेराफेरी करने के गैर-कानूनी आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह टीएमसी और प्रशासन के बीच गठजोड़ को दर्शाता है। नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, एसआईआर प्रक्रिया में चौंकाने और बेशर्म 'टीएमसी-ममता प्रशासन का गठजोड़' सामने आया। साउथ 24 परगना के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (एडीएम) की ओर से भेजा गया एक कथित व्हाट्सएप मैसेज चुनावी लिस्ट के चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के पीछे की सच्चाई को उजागर करता है। सुवेंदु अधिकारी ने कहा, एडीएम की तरफ से अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी टीम को बताएं कि अभी किसी भी हालत में 'नॉट वेरिफाइड' ऑप्शन पर क्लिक न करें। किसी भी कन्फ्यूजन की स्थिति में कृपया मेरे साथ या ओसी इलेक्शन के साथ मामला उठाएं।

हर हाल में प्रतिदिन 3000 वेरिफिकेशन का टारगेट पूरा करना है। भाजपा नेता ने कहा कि यह वेरिफिकेशन प्रक्रिया में हेराफेरी करने का सीधा और गैर-कानूनी आदेश है। अधिकारियों से कहा जा रहा है कि वे जानबूझकर 'नॉट वेरिफाइड' मार्क न करें, भले ही ठीक से वेरिफिकेशन न किया गया हो। उन्होंने कहा, यह प्रशासनिक अधिकार का खुला दुरुपयोग है, जिसे तृणमूल कांग्रेस के इशारे पर अयोग्य मतदाताओं और फर्जी एंट्रीज को बचाने व छिपाने के लिए किया जा रहा है, जिन्हें टीएमसी की वोटबैंक की राजनीति को बनाए रखने के लिए व्यवस्थित तरीके से लिस्ट में जोड़ा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार भारत के चुनाव आयोग के साफ और पारदर्शी वोटर लिस्ट के आदेश को खराब करने के लिए जिला प्रशासन का हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है।

टीएमसी डरी हुई है कि असली एसआईआर उनके लंबे समय से चल रहे चुनावी धोखाधड़ी को उजागर कर देगा। सुवेंदु अधिकारी ने चुनाव आयोग से अनुरोध करते हुए कहा कि वह इस तरह के अनौपचारिक प्रशासनिक दबाव के तरीकों के इस पैटर्न का तुरंत संज्ञान ले और एडीएम और इन गैर-कानूनी निर्देशों को जारी करने या उनका पालन करने में शामिल अन्य अधिकारियों की भूमिका की उच्च-स्तरीय जांच शुरू करे। उन्होंने यह भी मांग की कि सत्ताधारी पार्टी के इशारे पर लोकतंत्र को कमजोर करने वाले सभी दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए।

विजयवर्गीय बोले-यदि पिता पीडब्लूडी मिनिस्टर हो,कपड़े दिलाने ठेकेदार ले जाए तो कैसा चरित्र निर्माण

इंदौर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के एक स्कूल के कार्यक्रम में नैतिक शिक्षा और चरित्र निर्माण पर बात करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक ऐसा उदाहरण दिया, जिसकी चर्चा राजनीतिक हलकों में होने लगी है। वे बच्चों के चरित्र निर्माण को लेकर बात कर रहे थे और उन्होंने कहा कितनी भी शिक्षा नीति बना लो, लेकिन घर के अंदर वातावरण ऐसा है कि यदि पिता पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर हो और कपड़े दिलाने ठेकेदार ले जाए तो फिर कैसा चरित्र निर्माण होगा।'

विजयवर्गीय ने यह भी कहा कि 'शाम को माता-पिता बच्चों के सामने पार्टी करेंगे तो बच्चा वही सीखेगा जो देखेगा। फिर हम चाहे जितने भी ज्ञान-चरित्र एकता की बात करें, कोई मतलब नहीं। मेरा मानना है कि स्कूली शिक्षा के साथ बच्चे के साथ माता-पिता का सिलेबस भी होना चाहिए।' विजयवर्गीय ने कहा कि 'दुनिया में कौन सा संगठन है जो राष्ट्रभक्त बनाने की बात करता है। हम इंजीनियर, डॉक्टर बनाने की बात करते हैं। हमारा बेटा चरित्रवान और राष्ट्रभक्त हो, यह चर्चा का विषय नहीं होता है।' आपको बता दें कि मंत्री विजयवर्गीय पिछले दिनों दस दिन के अवकाश पर गए थे। पारिवारिक सदस्य के निधन का हवाला देकर उन्होंने छुट्टी पर जाने की वजह सोशल मीडिया पर बताई थी, हालांकि अब वे फिर से सार्वजनिक आयोजनों में नजर आने लगे हैं। गुरुवार को उन्होंने एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर एक बैठक भी ली थी।

फैक्ट्री में बनते थे नामी कंपनियों के नकली जूते पुलिस ने किया भंडाफोड़

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए नामी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के नकली जूते बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। यह अवैध फैक्ट्री उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार थाना क्षेत्र स्थित अंबे एन्क्लेव, चौहान पट्टी में चल रही थी। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री मालिक संदीप सिंह (44) को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में नाइकी, न्यू बैलेंस, एडिडास और स्केचर्स जैसी मशहूर कंपनियों के नकली जूते तैयार किए जा रहे हैं। सूचना को पुख्ता करने के पुलिस के द्वारा इलाके की रेकी की। जांच में जानकारी सही पाई गई और संबंधित कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधियों से भी पुष्टि कराई गई। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर फैक्ट्री पर छापा मारा।

अमेरिकी पर्यटक से 400 मीटर के लिए वसूले 18,000

टैक्सी चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के ट्रैफिक में बीच 400 मीटर की दूरी तय करने एक अमेरिकी पर्यटक पर भारी पड़ गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि उस से कथित तौर पर इतनी कम दूरी के लिए 18,000 रुपये वसूले गए। इस आरोप में पुलिस ने एक 50 वर्षीय टैक्सी चालक को गिरफ्तार किया गया है।एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने देशराज यादव को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर पर्यटक को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उठाया और उसे हवाई अड्डे के पास एक पांच सितारा होटल में छोड़ दिया। यह घटना तब सामने आई जब पर्यटक ने शहर में अपनी महंगी सवारी के अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा किया। अर्जेंटीना एरियानो @ ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा हाल ही में मुंबई पहुंची और हिल्टनहोटल्स जाने के लिए टैक्सी ली। ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति पहले हमें एक अनजान जगह पर ले गए, हमसे 200 डॉलर (18,000 रुपये) लिए और फिर हमें होटल पर छोड़ दिया, जो केवल 400 मीटर दूर था। टैक्सी नंबरः एमएच 01 बीडी 5405, पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस सप्ताह की शुरुआत में संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज की। इसके साथ ही यादव को तीन घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

जमीन हड़पने का मामला

भाजपा विधायक अरविंद पांडे बोले-दोषी पाया गया तो राजनीति छोड़ दूंगा

देहरादून, 30 जनवरी (एजेंसियां)। गदरपुर से भाजपा विधायक अरविंद पांडे के भाई देवानंद पांडे एवं चार अन्य के खिलाफ बाजपुर पुलिस ने फर्जीवाड़ा कर जमीन हड़पने के आरोप में धोखाधड़ी और धमकी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। भाजपा विधायक ने मामले में पुलिस महानिदेशक से मिलकर प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले में दोनों पक्षों का नार्को टेस्ट कराया जाए। भाजपा विधायक ने यह भी कहा कि वह या उनका परिवार यदि प्रकरण में दोषी पाया जाता है, तो वह राजनीति छोड़ देंगे। गांव बहादुरगंज निवासी संजय बंसल ने कोतवाली में तहरीर दी थी। बताया कि उसकी गांव मुंडिया पिस्तौर में जमीन है। उन्होंने आपसी रजामंदी से मझरा बक्श निवासी एक व्यक्ति को जमीन काम करने और देखभाल के लिए दी थी। 21 अगस्त 2025 को प्राधिकरण की ओर से उन्हें मौके पर बुलाया गया। उक्त भूमि पर नए निर्माण करने पर उन्हें एक कारण बताओ नोटिस दिया गया। बताया कि यह निर्माण अवैध है। उसे ध्वस्त करा दो। मौके पर मौजूद विधायक के भाई ने अन्य साथियों के साथ मुझे धमकी दी कि जमीन पर दोबारा दिखाई मत देना और फोटो स्टेट कागजात फेंक दिए। कहा कि कागज पढ़ लो जमीन हमारी है। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने मिलकर फर्जी तरीके से किरायानामा बनाकर जमीन हड़पने की कोशिश की है और मुझे धमकी भी दी गई।

धनंजय मुंडे के नाम से फेसबुक पर फेक अकाउंट बनाना पड़ेगा महंगा, साइबर पुलिस लगाएगी बैन

बीड, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री ए धनंजय मुंडे के नाम से सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर फर्जी अकाउंट बनाकर आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट करने का मामला सामने आया है। इस प्रकरण को लेकर धनंजय मुंडे की ओर से बीड साइबर पुलिस स्टेशन में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत के बाद फर्जी अकाउंट संचालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। साइबर पुलिस न केवल केस दर्ज करेगी, बल्कि संबंधित व्यक्ति पर बैन और गिरफ्तारी की भी कार्रवाई की जाएगी।

धनंजय मुंडे सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। इसी का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने फेसबुक पर उनके नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर उस पर आपत्तिजनक और भ्रामक कंटेंट पोस्ट किया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए धनंजय मुंडे की सलाह पर उनके पर्सनल असिस्टेंट और प्राइवेट पब्लिक रिलेशन

ऑफिसर सुदर्शन (सुधीर) सांगले ने बीड साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर श्री नीलेश केले मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जनप्रतिनिधियों के नाम से फेक अकाउंट बनाना और उसके माध्यम से उन्हें बदनाम करना आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता के तहत गंभीर अपराध है। इस मामले में अज्ञात अकाउंट होल्डर के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले को लेकर धनंजय मुंडे ने बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कवत से भी संपर्क किया है।

एसपी नवनीत कवत ने आश्वासन दिया है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा और मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिकायत में सुदर्शन सांगले ने साफ तौर पर कहा है कि फेसबुक पर धनंजय मुंडे के नाम से चलाया जा रहा उक्त अकाउंट पूरी तरह फर्जी है और इसे जानबूझकर धनंजय मुंडे की छवि को नुकसान पहुंचाने के इरादे से बनाया गया है। उस अकाउंट या उस पर की गई किसी भी पोस्ट से धनंजय मुंडे या उनके कार्यालय का कोई लेना-देना नहीं है,

और आपत्तिजनक पोस्ट की पूरी जिम्मेदारी फर्जी अकाउंट संचालक की होगी। इस बीच शुरुआती जांच में सामने आया है कि संबंधित फेसबुक अकाउंट को शेल्के नाम का कोई व्यक्ति ऑपरेट कर रहा है। हालांकि, साइबर पुलिस इस जानकारी की पुष्टि करते हुए आगे की तकनीकी जांच में जुटी हुई है।

12 साल के मासूम की हत्या, सौतेले बाप ने पत्नी से वीडियो कॉल पर कहा- जा उठा ले अपना बच्चा

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में एक सौतेले पिता ने नुकीले हथियार से वार करके 12 साल के बच्चे की हत्या कर दी। इसके बाद पत्नी को वीडियो कॉल करके बच्चे का शव दिखाया और लोकेशन बताकर कहा, जा उठा ले अपना बच्चा निपटा दिया उसको। कॉल काटने के बाद आरोपी फरार हो गया। मृतक की पहचान अल्तमश के रूप में हुई है। मृतक की मां मुमताज की शिकायत पर शास्त्री पार्क थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। फरार आरोपी वाजिद की तालाश में पुलिस छापामारी कर रही है।

अल्तमश अपने परिवार के साथ शास्त्री पार्क में रहता था। परिवार में मां मुमताज, बड़ा भाई अमन, वसी और सौतेला पिता वाजिद है। मृतक की बहन ईरम ने बताया कि वर्ष 2019 में उनके पिता शफीक की मौत हो गई थी। कुछ माह बाद ही मां ने वाजिद से निजामुद्दीन में निकाह कर लिया था। बताया कि बड़े बेटे को रिक्शा में बैठे रहने दिया और छोटे बेटे को यह कहकर झाड़ियों में ले गया कि चूहे दिखाऊंगा। एक घंटे के बाद झाड़ियों से अकेला वापस लौटा।

सरकार ने दी लोगों को राहत, डीजेबी में 15 अगस्त तक बढ़ी लेट पेमेंट सरचार्ज स्कीम

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने लोगों को बड़ी राहत देते हुए दिल्ली जल बोर्ड के लंबित बिलों पर लागू लेट पेमेंट सरचार्ज स्कीम माफी योजना को इस साल 15 अगस्त तक के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। स्कीम की तारीख बढ़ाने का ऐलान करते हुए जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि यह पहली और आखिरी बार बढ़ाया जा रहा है और इसके लिए मुख्यमंत्री (रेखा गुप्ता) की सहमति मिल चुकी है। पहले इसकी मियाद 31 जनवरी को खत्म हो रही थी। जल मंत्री प्रवेश ने कहा कि दिल्ली की जनता ने इस योजना के जरिए यह साबित कर दिया है कि लोग बिल भरना चाहते हैं, बशर्ते सिस्टम सही हो। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान छोटे घरों में भी लाखों रुपये के पानी के बिल भेजे गए और चुनाव के समय उन्हें माफ करने की बातें की जाती थीं।

अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए प्रवेश वर्मा ने कहा कि जब केजरीवाल यह कहते थे कि बिल भरने की जरूरत नहीं है, तो इसका मतलब यह नहीं था कि बिल जीरो हो गया, बल्कि वह ब्याज के साथ और बढ़ता गया। मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार ने ब्याज दर को कम किया है। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली जल बोर्ड के सॉफ्टवेयर पूरी तरह खराब थे, जिन्हें अब अपडेट किया जा रहा है। घरेलू उपभोक्ताओं में 14 लाख 68 हजार ऐसे कनेक्शन थे जिन पर बकाया था, और इसमें से 3 लाख से अधिक लोगों ने अब तक बिल जमा कर दिया है। कुल एलपीएससी राशि करीब 11,011 करोड़ रुपये थी।

जल मंत्री ने बताया कि हाल ही में जीरो ऑफिस के निरीक्षण के दौरान कई तरह की शिकायतें भी सामने आईं, जिसके बाद संबंधित अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। सांसदों, विधायकों और आरडब्ल्यूए की ओर से योजना की तारीख बढ़ाने की मांग लगातार की जा रही थी। हालांकि सरकार इसे बढ़ाना नहीं चाहती थी, लेकिन समस्याएं सिस्टम की ओर से थीं, इसलिए तारीख बढ़ाने का फैसला लिया गया। उन्होंने लोगों से जल्द से जल्द बकाया जमा कराने की अपील करते हुए कहा कि 15 अगस्त का इंतजार न करें और जल्द से जल्द अपने बिल जमा करें।

इस दौरान केवाईसी प्रक्रिया पूरी की जाएगी और बिलिंग सिस्टम को और बेहतर बनाया जाएगा। सरकार चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग ऑनलाइन ही बिल का भुगतान करें और उपभोक्ताओं को 100 फीसदी स्पष्ट बिल मिले, जिससे उन्हें मूल राशि और सरचार्ज की पूरी जानकारी हो सके।

'सैयारा' फेम अहान पांडे ने एक्टर बनने से पहले चुने कई करियर, आखिर में एक्टिंग की दुनिया में इस वजह से रखा कदम

पिछले साल अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही है। अहान को भी खूब फेम मिला। लेकिन एक्टर बनने से पहले अहान ने एक नहीं कई करियर अपने लिए चुने। आखिर में उन्होंने एक खास वजह से एक्टर बनने का फैसला किया।

डीजे से लेकर वीडियो गेम डिजाइन तक का किया काम

हाल ही ग्रेजिया (Grazia) से की गई बातचीत में अहान पांडे ने बताया कि उन्होंने एक्टर बनने से पहले कई करियर चुने थे। वह कहते हैं, 'सोलह साल की उम्र में, मैंने डीजे का प्रोफेशनल ट्राई किया। फिर म्यूजिक प्रोडक्शन में हाथ आजमाया। मेरा एक ग्रुप था जिसका नाम 'बेस ट्रैप' था। इसमें हमने कुछ ट्रैक रिलीज किए। फिर मैं वीडियो गेम डिजाइन में आया।'

फिल्मी दुनिया में इस तरह रखा कदम

अहान पांडे आगे कहते हैं, 'आखिर में मैंने फिल्म सेट पर असिस्ट करना शुरू किया क्योंकि कहानी कहने का पैशन मेरे अंदर कहीं छुपा था। मैंने फिल्म सेट पर सब कुछ चुपचाप देखा। उसके बाद मैंने अपना पहला फिल्म ऑडिशन भी दिया। तब मुझे पता चला कि सही लोगों के सामने परफॉर्म करना कैसा लगता है? यहीं से मैंने तय किया कि मैं इसी एक चीज पर टिका रहूंगा। मजे की बात यह है कि इतनी सारी चीजें करने की चाहत ने मुझे सिखाया कि एक्टिंग क्यों परफेक्ट है। मुझे उन सभी चीजों को करने का मौका एक्टिंग में ही मिल जाता है।'

ओटीटी पर रिलीज हुई 'धुरंधर', दर्शकों को कई कट व डायलॉग को म्यूट किये जाने पर आया गुस्सा

रणवीर सिंह की अदाकारी वाली फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद 30 जनवरी को ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया गया है। ओटीटी पर रिलीज होने के बाद दर्शक इसे देख रहे हैं। कई दर्शकों का कहना है कि फिल्म में कई कट लगाने के साथ कई डायलॉग को म्यूट किया गया है। दर्शक इसे लेकर नाराज हैं।

ओटीटी पर 'धुरंधर' को देखकर क्या बोले दर्शक?

फिल्म 'धुरंधर' को ओटीटी पर देखने के बाद कई यूजर्स ने एक्स पर इसके बारे में लिखा है। एक यूजर ने बताया है कि फिल्म को 10 मिनट छोटा किया गया है। इसमें गाली वाले डायलॉग को सेंसर किया गया है। एक दूसरे यूजर का कहना है कि उन्हें अनसेंसर्ड वर्जन देखना था। एक यूजर ने पूछा है कि 18 प्लस प्लेटफॉर्म पर एडल्ट फिल्म को सेंसर करने का क्या मतलब है? एक और यूजर ने लिखा है अनसेंसर्ड वर्जन चाहिए। एक यूजर ने लिखा है 10 मिनट का कट लगा दिया। एक और यूजर ने कहा यह अनसेंसर्ड वर्जन नहीं है।

'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया है। भारत में इसने 56 दिनों में 835.85 करोड़ रुपये की कमाई की। दुनियाभर में इसने 1301.50 करोड़ रुपये की कमाई की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का बजट 250 करोड़ रुपये है।

कब रिलीज होगा फिल्म का सीक्वल?

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह के अलावा संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे कलाकार हैं। सिनेमाघरों में यह फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी। फिल्म का सीक्वल 19 मार्च 2026 को रिलीज होगा।

मिमी चक्रवर्ती के साथ 'उत्पीड़न' मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती के साथ हुए उत्पीड़न मामले में पुलिस ने गुरुवार को तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी तनाय शास्त्री और उसके दो साथियों को उसके आवास पर हुई झड़प के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि पुलिस उत्तर 24 परगना जिले के बोंगांव में आयोजित एक कार्यक्रम में मिमी चक्रवर्ती के साथ हुई उत्पीड़न की शिकायत की जांच कर रही है। मिमी चक्रवर्ती फिलहाल अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भानुप्रिया भूतेर होटल' के प्रचार में व्यस्त हैं। इस घटनाक्रम पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह घटना रविवार रात को हुई। बोंगांव के नयागोपालगंज इलाके में एक कार्यक्रम में गईं अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि मंच पर उनके साथ उत्पीड़न किया गया।

उन्होंने कहा, मैं परफॉर्म कर रही थी। अचानक कार्यक्रम के आयोजक तनाय शास्त्री मंच पर आए और मुझे रोक दिया। उन्होंने मुझे जाने के लिए कहा। बिना कुछ कहे, मैं पूरी परफॉर्मेंस समाप्त किए बिना ही चली गई।

उनका व्यवहार बहुत ही अपमानजनक था।

इसके बाद उन्होंने ईमेल के जरिए स्थानीय पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पूर्व सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि अन्य कलाकारों के विपरीत शास्त्री के घर अतिथि बनने से इनकार करने के कारण उनके साथ यह अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया। इस घटना को लेकर सोमवार से ही तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

दूसरी ओर, कार्यक्रम के आयोजक ने दावा किया कि ये आरोप पूरी तरह निराधार और झूठे हैं। शास्त्री के अनुसार, मिमी चक्रवर्ती के आने का निर्धारित समय रात 10:30 बजे था, लेकिन वह लगभग डेढ़ घंटे देरी से यानी रात 11:45 बजे पहुंचीं। उन्होंने मिमी के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि इसके बावजूद उन्हें पूरा सम्मान दिया गया और मंच तक ले जाया गया।

हालांकि, जब पुलिस ने मामले की जांच करने की कोशिश की और शास्त्री के घर गई, तो उन्होंने पुलिस को अपना काम करने से रोक दिया। इसके बाद उन्हें और उनके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

विजय सेतुपति इस वजह से बने एक्टर, कपिल शर्मा के शो में बताया कौन था इंस्पिरेशन? फैंस को जानकर होगी हैरानी

साउथ फिल्मों के चर्चित एक्टर विजय सेतुपति ने शाहरुख खान हिंदी फिल्म 'जवान' में भी दमदार रोल किया था। इसके अलावा कुछ हिंदी वेब सीरीज में भी नजर आ चुके हैं। जल्द ही वह एक साइलेंट फिल्म 'साइलेंट टॉक्स' में नजर आएंगे। यह फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी। इस फिल्म के प्रमोशन के लिए वह कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो में पहुंचे हैं। शो का एक प्रोमो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिसमें विजय सेतुपति बता रहे हैं कि किस वजह से वह एक्टर बने थे? कौन उनकी इंस्पिरेशन था।

इस वजह से बने विजय सेतुपति एक्टर

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के प्रोमो में विजय सेतुपति से कॉमेडियन ने पूछा कि क्या उन्होंने एक्टर बनने की ट्रेनिंग ली है। इस पर विजय सेतुपति ने कहा, 'मैं कभी एक्टिंग स्कूल नहीं गया। इसके बजाय एक थिएटर ग्रुप के लिए अकाउंटेंट के तौर पर काम करता था।'

इस पर कपिल ने कहा, 'क्या किसी स्टार का बैंक बैलेंस देखकर आपने एक्टर बनने की सोची? तो जवाब में विजय ने कहा, 'नहीं, मैंने अपना अकाउंट देखा, पैसा नहीं थे, तो पैसा कमाने के लिए एक्टर बनने की सोची।' इस तरह विजय ने जता दिया कि वह खुद ही अपनी इंस्पिरेशन हैं।

क्या है फिल्म 'गांधी टॉक्स' की कहानी?

'गांधी टॉक्स' की कहानी की बात करें तो यह फिल्म महात्मा गांधी के संदेशों की याद दिलाई। फिल्म में म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है। इस फिल्म में अदिति राव हैदरी, अरविंद स्वामी और कॉमेडियन सिद्धार्थ जदाव भी अहम किरदारों में हैं।

रानी मुखर्जी की दमदार वापसी, सधा हुआ अभिनय; कुछ हिस्सों में चौंकाती हुई कहानी

'मर्दानी 3' रिव्यू

कलाकार :रानी मुखर्जी , मल्लिका प्रसाद , प्रजेश कश्यप , जानकी बोदीवाला , मिखाइल यवलकर , दिग्विजय श्रीकांत रोहिदास , जिम्पा संगपो भूटिया और एंड्रनील भट्टाचार्य

लेखक :आयुष गुप्ता , दीपक किंगरानी और बलजीत सिंह मारवाह

निर्देशक:अभिराज मीनावाला

निर्माता:आदित्य चोपड़ा

'मर्दानी 3' रानी मुखर्जी की सबसे पसंद की जाने वाली फ्रैंचाइजी का नया हिस्सा है। पहले दो भागों से अलग यह फिल्म छोटी बच्चियों पर हो रहे अपराध, उनकी सुरक्षा और पुलिस की मेहनत को सामने रखती है। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। शुरुआत से ही फिल्म का माहौल गंभीर है और कहानी एक ऐसे अपराध के बारे में है, जिसे रोकना आसान नहीं दिखता।

कहानी

फिल्म में शिवानी NIA के साथ काम कर रही होती है और शुरुआत में ही उसे एक हाई-प्रोफ़ाइल किडनैपिंग केस मिलता है। एक बड़े अधिकारी की बेटी और उसी घर की नौकरानी की बेटी अचानक गायब हो जाती हैं। यह घटना पुलिस पर तुरंत दबाव बना देती है। इसी समय देश के कई हिस्सों से 8–12 साल की कुल 93 बच्चिया भी लापता पाई जाती हैं। शुरुआत में ये मामले अलग लगते हैं, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर शिवानी को पता चलता है कि इसके पीछे एक संगठित मानव तस्करी गिरोह है। इस गिरोह की मुखिया एक बुज़ुर्ग महिला अम्मा है, जो पूरे नेटवर्क को चलाती है।

जांच के दौरान यह भी सामने आता है कि इस गिरोह का संबंध एक भिखारी गैंग से भी है, जो मजबूरी का दिखावा करके बड़े स्तर पर मेडिकल फील्ड में गैर-कानूनी काम करता है। शिवानी अपनी टीम के साथ सबूत जुटाती है, नेटवर्क का पता लगाती है और बच्चियों को बचाने के लिए लगातार कार्रवाई करती है।

अभिनय

रानी मुखर्जी (ACP शिवानी रॉय): यह फिल्म रानी की ही फिल्म है। उनका प्रदर्शन बहुत मजबूत है। चाहे जांच का तनाव हो, गुस्से वाले सीन हों या पूरी स्थिति की गंभीरता...हर जगह रानी का कंट्रोल और स्क्रीन-प्रेजेंस साफ दिखता है। उन्होंने एक पुलिस ऑफिसर की थकान, जज्बा और गुस्सा .. सबको बिना ओवरएक्टिंग के दिखाया है।

मल्लिका प्रसाद (अम्मा):इस बार विलेन का किरदार यानी अम्मा फिल्म की जान है। मल्लिका प्रसाद का काम बहुत प्रभावी है। वह शांत भी दिखती हैं, खतरनाक भी और उनकी मौजूदगी से ही कई सीन भारी लगते हैं। रानी और मल्लिका

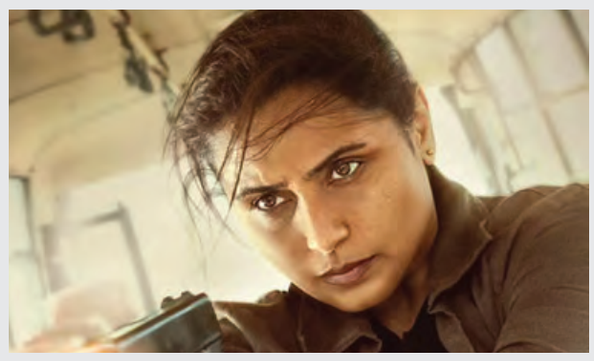

के बीच की टक्कर फिल्म को और ऊंचा ले जाती है।

जानकी बोदीवाला (फातिमा):'शैतान', 'वश' और 'छेल्लो दिवस' से पहचान बनाने वाली जानकी बोदीवाला इस फिल्म में भी अहम रोल में नज़र आती हैं। वह शिवानी की टीम का हिस्सा होती हैं और अपने सीन में सहज दिखती हैं। उनके किरदार में एक हल्की-सी कॉम्प्लेक्सिटी भी है, जो उन्हें बाकी टीम से थोड़ा अलग बनाती है । उनका रोल सीधा-सादा नहीं है और फिल्म में उनका योगदान ध्यान खींचता है।

अन्य कलाकार

प्रजेश कश्यप फिल्म में रामानुजन के रूप में दिखते हैं और उनका अंदाज प्रभावी है। जिस भी सीन में आते हैं, उनकी मौजूदगी मजबूत महसूस होती है। उन्होंने विलेन के किरदार को सादगी और दम दोनों के साथ निभाया है। बाकी सभी किरदार अपने हिस्से का काम ठीक तरह से निभाते हैं। कहीं भी यह नहीं लगता कि कोई भूमिका ज़्यादा चढ़ी हुई है।

निर्देशन

'मर्दानी 3' का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। उनका डायरेक्शन सीधा और कंट्रोल में है। वे कहानी को भटकने नहीं देते और फिल्म की रफ्तार ठीक बनी रहती है। केस की गंभीरता भी बिना ज़रूरत का ड्रामा बढ़ाए दिखाई गई है, जिससे फिल्म असर छोड़ती है। अभिराज पहले बैंड बाजा बारात, गुंडे, सुल्तान, जब तक है जान और टाइगर 3 जैसी फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर रहे हैं। मर्दानी 3 उनकी पहली बड़ी डायरेक्टेड फिल्म है। बैकग्राउंड स्कोर कहानी की टेंशन बढ़ाता है। कैमरा वर्क.. जगहों और माहौल को वास्तविकता के करीब रखता है। एडिटिंग अच्छी है, फिल्म खिंचती नहीं। एक्शन कम है लेकिन असरदार है..ज्यादा दिखावा नहीं है। कहानी का ढांचा पहले की दोनों फिल्मों जैसा लग सकता है। कुछ मोड़ आसानी से समझ में आ जाते हैं और इंटरवल से पहले वाला हिस्सा थोड़ा अनुमान लगाने लायक लगता है। सस्पेंस के कुछ हिस्से उतने चौंकाने वाले नहीं हैं जितनी उम्मीद होती है। इमोशनल सीन्स जल्दी निपटा दिए गए महसूस होते हैं; थोड़ी और गहराई होती तो असर ज़्यादा होता।

देखें या न देखें?

अगर आप रानी मुखर्जी का दमदार अभिनय देखना चाहते हैं..गंभीर और सच्चाई से भरी क्राइम कहानियाँ पसंद करते हैं...ऐसी फिल्में देखते हैं जिनमें ड्रामा से ज्यादा केस की पकड़ मजबूत हो, तो मर्दानी 3 आपके लिए ज़रूर देखने लायक है।

'मैं रीटा के किरदार से खुद को जोड़ पाती हूं' : भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर की नई सीरीज 'दलदल' ओटीटी प्लेटफार्म पर आ चुकी है। इस बार अभिनेत्री एक महिला पुलिस के रुप में क्रइम से लड़ती नजर आयेगीं ।इस इंटरव्यू में भूमि ने 'दलदल' की कहानी में दिखाये गए समाजिक आइने समेत इस सीरीज में अपने किरदार और उसके पीछे की गंभीरता के बारे में भी चर्चा की। साथ ही यह भी बताया कि किस तरह वो और उनके किरदार में क्या समानता हैं।

'दलदल'एक घुटन और बेचैनी

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने इंटरव्यू में 'दलदल'के बारे में बताते हुए कहा ' इस शो का अनुभव वैसा ही है जैसे आप किसी चीज में फंसते चले जा रहे हों वही घुटन, वही बेचैनी, वही क्लॉस्ट्रोफोबिक सी फीलिंग। मेरा किरदार उस भावना को बहुत अच्छी तरह समझाता है। हालांकि शो में एक तरह की डार्कनेस है लेकिन इसके साथ ही हल्कापन भी है। यह एक बहुत इंटेलिजेंट और मनोवैज्ञानिक क्राइम ड्रामा है। इस जॉनर में कई शो आए हैं लेकिन फूली फील्स की राइटिंग इसमें एक अलगपन लेकर आती है।

रीटा फरेरा की डार्कनेस शो की जड़

'दलदल'में अपने किरदार डीसीपी रीटा फरेरा के किरदर के बारे में भूमी ने काफी बातें बताई।' भूमि ने बताया कि'रीटा अपने काम के प्रति बेहद ईमानदार है, लेकिन वर्दी में और वर्दी के बाहर उसका व्यक्तित्व बिल्कुल अलग दिखता है। उसके भीतर गहरी डार्कनेस है, बहुत सा ट्रॉमा है जिससे वह पूरी तरह बाहर नहीं आ पाई। यही इस शो की जड़ है कि हम सब अपने बचपन के घावों को ठीक से संभाल नहीं पाते।इसी कमी ने उसे हर तरह की खुशी से दूर कर दिया। उसके अंदर गुस्सा भी है, हिंसा भी है और उतनी ही गहरी संवेदनशीलता भी। यही उसका दलदल है और यही वह जाल है जिसमें इस शो का हर किरदार अपने अपने तरीके से फँसा हुआ है।'

भूमि पेडनेकर ने एक इंटरव्यू में अपने और रीटा फरेरा के बारे में बताया कि ' मैं यानी भूमि खुद को रीटा से जिस एक चीज के जरिए जोड़ पाती हूं वह है काम के प्रति उसकी ईमानदारी।रीटा की तरह मेरे अंदर भी अपने काम को

लेकर गहरी सच्चाई है। मैं हमेशा कोशिश करती हूँ कि अपने किरदार को जितनी ईमानदारी और सच्चाई से निभा सकूं निभाऊं। शायद यही वह जगह है जहाँ मैं और रीटा एक दूसरे से मिलते हैं। उसकी तरह मैं भी अपने काम में पूरी तरह डूब जाती हूं '

'दलदल'आज ओटीटी पर रिलीज

'दलदल'को दर्शक आज से 30 जनवरी को अमेजन प्राइम पर देख सकते हैं। भूमि पेडनेकर इस सीरीज में मुख्य किरदार में हैं, साथ ही समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी सीरीज में अहम भूमिका में हैं। इस वेब सीरीज में बाकी सपोर्टिंग किरदार जैसे की जया भट्टाचार्य,चिनमय मंडलेकर,गीता अग्रवाल, संदीप कुलकर्णी, सौरभ गोयल भी मौजूद हैं।

तेलुगु सिनेमा में डेब्यू के लिए तैयार राशा थडानी, शेयर किया फिल्म का मोशन पोस्टर

बॉलीवुड में फिल्म 'आजाद' से डेब्यू कर चुकी अभिनेत्री राशा थडानी अब तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म 'श्रीनिवास मंगापुरम' में नजर आने वाली हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का मोशन पोस्टर सामने आ चुका है। सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए राशा थडानी ने खुशी जाहिर की है। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। आइए जानते हैं इसमें क्या है?

राशा की फिल्म का मोशन पोस्टर

इंस्टाग्राम पर राशा थडानी ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने हल्की बैंगनी रंग की ड्रेस पहनी है। उन्होंने अपने बाल खोले हैं। इसके बैकग्राउंड में गुड़हल के फूल लगे हैं।

मोशन पोस्टर शेयर करते हुए राशा थडानी ने लिखा है 'श्रीनिवास मंगापुरम की मंगा से मिलिए। आभार और उम्मीद से भरे दिल के साथ, मैं तेलुगु सिनेमा में अपना पहला कदम रख रही हूं। यह एक ऐसी दुनिया है, जहां जमीन से जुड़ी कहानियां होती हैं। इस सफर ने मुझे अपने ऊपर यकीन करना और सब्र करना सिखाया है। उन लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मुझ पर शुरुआत में भरोसा किया।'

कौन है फिल्म का निर्देशक?

फिल्म 'श्रीनिवास मंगापुरम' के निर्देशक अजय भूपति हैं। राशा थडानी इस फिल्म में मंगा का किरदार निभाएंगी। यह फिल्म कब रिलीज होगी इसके बारे में जानकारी नहीं है। अजय भूपति ने पहले 'आरएक्स 100', 'महा समुद्रम' और 'मंगलावरम' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

राशा थडानी का करियर

आपको बता दें कि राशा थडानी ने फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसमें अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने भी अभिनय किया था। फिल्म का निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया था। 17 जनवरी 2025 को रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी। राशा जल्द ही फिल्म 'लइकी लइका' में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह तेलुगु सिनेमा में डेब्यू के लिए तैयार हैं।

बजट से उम्मीद- 300 नई ट्रेनों की घोषणा संभव

13 लाख तक की कमाई टैक्स फ्री हो सकती है, बजट में 5 बड़े ऐलान की संभावना

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को बजट में 5 बड़ी घोषणाएं कर सकती हैं।

1. इनकम टैक्स: 13 लाख तक की कमाई टैक्स फ्री

इनकम टैक्स की नई रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन 75 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपए किया जा सकता है। इससे सैलरीड लोगों की 13 लाख रुपए की इनकम टैक्स-फ्री हो जाएगी। अभी 12.75 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स फ्री है।

क्यों हो सकती है घोषणा

उद्योग संगठन कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री यानी, सीआईआई ने सरकार को सुझाव दिया है कि खपत बढ़ाने के लिए लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा छोड़ना जरूरी है। टैक्स छूट बढ़ने से लोगों की 'पर्चेजिंग पावर' बढ़ेगी। इससे इकोनॉमी को फायदा होगा। सरकार पुरानी टैक्स रिजीम को नई टैक्स रिजीम से बदलना चाहती है। इसके लिए नई टैक्स रिजीम को फायदेमंद बनाए रखना जरूरी है। इसी मकसद से नई रिजीम में सैलरी पाने वालों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाया जा सकता है।

फायदा: मिडिल क्लास के हाथ में आने वाला पैसा बढ़ेगा। महीने में कुछ हजार रुपए की बचत हो सकती है। ये खर्च, सेविंग या निवेश में काम आएगी।

2. किसान सम्मान निधि: 50% बढ़ सकती है सालाना रकम

पीएम-किसान योजना की राशि 6 हजार से 9 हजार रुपए सालाना की जा सकती है। बीते 3 साल से इसे बढ़ाने की बात हो रही है।

क्यों हो सकती है घोषणा

2019 में योजना शुरू होने के बाद से इसमें बदलाव नहीं हुआ है। 2024 में संसदीय स्थायी समिति ने रकम दोगुना करके 12 हजार रुपए सालाना करने की सिफारिश की थी।

किसान संगठनों का कहना है कि 2019 से मिल रहे 6 हजार रुपए की कीमत महंगाई की वजह से 5 हजार रुपए रह गई है। इसे बढ़ाकर 12 हजार रुपए किया जाना चाहिए। नवंबर 2025 में बिहार सरकार ने 3 हजार रुपए एक्स्ट्रा देने का ऐलान किया था। इससे वहां के किसानों को कुल 9 हजार रुपए मिलेंगे। केंद्र पूरे भारत में इसे लागू कर सकता है।

खर्च का गणित: फिलहाल करीब 11 करोड़ लोगों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। केंद्र सरकार हर साल इस पर 60 हजार से 65 हजार करोड़ रुपए खर्च करती है। इसे बढ़ाकर 9 हजार रुपए सालाना करने पर यह खर्च बढ़कर करीब 95 हजार

करोड़ सालाना हो जाएगा।

फायदा: देश के करीब 11 करोड़ किसान परिवारों को इसका फायदा मिलेगा। 3 हजार रुपए की एक्स्ट्रा राशि से किसान अपनी खेती की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

3. रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर: 300+ नई अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेनें

सरकार नई ट्रेनें चलाकर 2030 तक रिजर्वेशन की वेटिंग लिस्ट खत्म करना चाहती है। ऐसे में 300 से ज्यादा अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेनों का ऐलान हो सकता है। पिछले बजट में रेलवे के लिए 2.65 लाख करोड़ रुपए अलॉट किए गए थे। यह अब तक का सबसे बड़ा रेल फंड है। इस बार भी इसके बढ़ने की उम्मीद है।

क्यों हो सकती है घोषणा

सरकार 2030 तक ट्रेन रिजर्वेशन में वेटिंग लिस्ट खत्म करना चाहती है। फिलहाल पीक सीजन में डिमांड और सीट उपलब्धता में करीब 20-25% का अंतर रहता है।

इसके लिए ट्रेनें बढ़ाने के साथ ट्रैक विस्तार भी करना होगा। ट्रेनों में रोजाना सफर करने वाले करीब 2 करोड़ लोगों को इसका फायदा होगा।

4. पीएम सूर्य घर योजना: 2 KW के सोलर पैनल पर 80 हजार सब्सिडी

बजट में 2 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर सब्सिडी को 30 हजार प्रति किलोवाट से बढ़ाकर 40 हजार करने का ऐलान हो सकता है। मौजूदा नियमों के मुताबिक 2 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाने पर 30 हजार प्रति किलोवाट के हिसाब से कुल 60 हजार रुपए की सब्सिडी मिलती है।

अगर बजट में सब्सिडी 10 हजार रुपए प्रति किलोवाट बढ़ाई गई तो 2KW के सोलर सिस्टम पर कुल 80 हजार रुपए सब्सिडी मिलेगी। यानी 20 हजार रुपए की बचत। वहीं 2 से 3 KW के बीच के सिस्टम के लिए सब्सिडी 18 हजार रुपए प्रति किलोवाट है। 3 KW से ऊपर के सिस्टम के लिए सब्सिडी 78 हजार रुपए पर सीमित है।

केंद्र सरकार का लक्ष्य मार्च 2026 तक 40 लाख और 2027 तक 1 करोड़ घरों को सोलर ग्रिड से जोड़ना है। इस योजना से सरकार को अपना लक्ष्य तेजी से हासिल करने में मदद मिलेगी। दिसंबर 2025 तक 19.45 लाख से ज्यादा पैनल लग चुके हैं।

फायदा: सब्सिडी बढ़ने से 2 KW का सिस्टम लगवाने वाले परिवारों को सीधे 20 हजार रुपए की एक्स्ट्रा बचत होगी। इससे न केवल परिवारों को मुफ्त बिजली मिलेगी, बल्कि वे एक्स्ट्रा बिजली को ग्रिड को बेचकर कमाई भी कर सकेंगे।

5. आयुष्मान भारत: 60 साल से ऊपर के सभी बुजुर्गों को फायदा

सरकार आयुष्मान भारत (पीएम-जेएवाई) योजना का दायरा बढ़ा सकती है। वर्तमान में 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को इस योजना का फायदा मिल रहा है, जिसे घटाकर 60 साल किया जा सकता है। साथ ही, सालाना 5 लाख के मुफ्त इलाज की लिमिट को बढ़ाया जा सकता है, ताकि कैंसर और हार्ट सर्जरी जैसी गंभीर बीमारियों का खर्च कवर हो सके।

क्यों हो सकती है घोषणा:

भारत में 60+ उम्र के बुजुर्गों में से 82% के पास कोई भी हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है। हालांकि 70+ उम्र वाले आयुष्मान में कवर है। 60 से 70 साल के बीच ऐसे बुजुर्ग जिनके पास हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है वे गंभीर बीमारियों के लिए अपनी जमापूंजी खर्च करने को मजबूर हैं। ऐसे में सरकार इन्हें राहत दे सकती हो।

फायदा: इलाज का दायरा 60 साल होने से करोड़ों नए परिवार योजना से जुड़ेंगे। वहीं इलाज की लिमिट बढ़ने से परिवारों को बड़े ऑपरेशनों के लिए कर्ज नहीं लेना पड़ेगा। मरीजों को बड़े और स्पेशलिस्ट अस्पतालों में भी मुफ्त इलाज मिल सकेगा।

पालतू कुत्ते का महिला पर हमला

चेहरे-गर्दन पर काटा, 50 से ज्यादा टांके आए, बचाने आए युवक पर भी झपटा

बेंगलुरु, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में मॉर्निंग वॉक के दौरान एक महिला पर पालतू कुत्ते ने जानलेवा हमला कर दिया। उसकी गर्दन, चेहरे, हाथों और पैरों पर काट लिया। साथ ही महिला को बचाने आए एक युवक पर भी हमला किया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि महिला की हालत गंभीर थी। उसके चेहरे और सिर पर 50 से ज्यादा टांके लगाए गए हैं।

घटना 26 जनवरी की सुबह करीब 6:54 बजे टीचर्स कॉलोनी इलाके में हुई।

महिला अपने घर के सामने टहल रही थी, तभी कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया था। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार छत्तीसगढ़ दौरे पर

रायपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार आज छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। वे सरगुजा संभाग के अंबिकापुर में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। रायपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए कन्हैया कुमार ने कई मुद्दों पर बयान दिए।

उन्होंने कहा कि गांधी कहते थे वैष्णव वही है, जो दूसरों की पीड़ा में दुखी हो। आज स्थिति यह है कि लोगों को दूसरों की पीड़ा में खुशी मिलती है।

पूरी राजनीति नफरत की राजनीति बन चुकी है। जब धर्म और नफरत के नाम पर राजनीति हो रही हो, तब गांधी को बार-बार याद करना चाहिए। कन्हैया कुमार ने कहा, "मैं भाजपा के लोगों से भी कहना चाहता हूं कि इस देश का इतिहास आपका भी इतिहास है। भारत का इतिहास हिंसा और असत्य का नहीं, बल्कि सत्य और अहिंसा का इतिहास है। उसी रास्ते पर चलने की जरूरत है।"

ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

भागते समय स्कूटी से गिरने पर पकड़ा गया नावाटोली बाईपास से 18 पुड़िया ब्राउन शुगर जब्त

गुमला, 30 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला पुलिस ने नावाटोली डुमरडीह बाईपास से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 18 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की गई, जिसका कुल वजन 7.10 ग्राम है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अमित कुमार साहु, शिरोमणि कुमार और सचिन कुमार नावाटोली डुमरडीह बाईपास पर ब्राउन शुगर का कारोबार कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों ने एक छापामारी दल का गठन किया।

छापामारी टीम शाम करीब 7:30 बजे मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर एक स्कूटी पर सवार तीन लड़के भागने लगे। भागने के दौरान स्कूटी पर पीछे बैठा एक लड़का गिर गया, जबकि स्कूटी सवार अन्य दो लड़के फरार हो गए।

गिरफ्तार किए गए लड़के की पहचान अमित कुमार साहु (पिता रामलाल साहु, शांति नगर, गुमला) के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि फरार हुए दोनों लड़के उसके छोटे भाई शिरोमणि कुमार और सचिन कुमार हैं। अमित कुमार साहु की तलाशी लेने पर उसके पैंट की दाहिनी जेब से एक पारदर्शी प्लास्टिक में रखी कागज की 18 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई।

अज्ञात महिला की लाश मिली

बोकारो, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बोकारो के सेक्टर-6 थाना क्षेत्र अंतर्गत बोकारो स्टील सिटी कॉलेज के पास झाड़ियों में एक अधेड़ उम्र की अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी सोमवार सुबह उस समय मिली, जब मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने झाड़ियों में शव पड़ा देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सेक्टर-6 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में महिला की सिर कुचलकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, महिला की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। शव की स्थिति और सिर पर गंभीर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका और गहरी हो गई है।

भाजपा विधायक ने समर्थकों संग घेरा मंत्री स्वतंत्र देव का काफिला

सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं में झड़प

महोबा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के महोबा जिले में एक दिवसीय महोबा भ्रमण पर आए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का युवा उद्घोष कार्यक्रम से लौटते समय भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत और उनके समर्थकों ने काफिला रोक लिया। इस दौरान विधायक व उनके समर्थकों ने जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों की बदहाली बताई। विरोध के दौरान कार्यकर्ताओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी झड़प हुई।

बताया जा रहा है कि शहर के रामश्री महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद मंत्री का काफिला लौट रहा था। तभी कलक्ट्रेट मार्ग पर बड़ी संख्या में भाजपा विधायक व समर्थकों ने काफिला रोका। सीओ सदर अरुण कुमार सिंह और एसडीएम शिवध्यान पांडेय ने मामले को नियंत्रण में किया। रास्ते से गाड़ी हटवाने के लिए स्वतंत्रदेव को खुद नीचे उतरकर आना पड़ा।

गाड़ी से नीचे उतरे मंत्री, विधायक से हुई कहासुनी

काफिला रुकने के बाद जलशक्ति मंत्री वाहन से नीचे उतर आए। इस दौरान विधायक से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। पूरा मामला पहले से प्लानिंग के तहत माना जा रहा है। चरखारी विधायक के साथ बड़ी संख्या में पहले से ही समर्थक कलक्ट्रेट मार्ग पर पहुंच गए थे। बीच सड़क पर गाड़ियां लगाकर काफिला रोका गया। जब मंत्री गाड़ी से उतरे तो कहासुनी हुई।

समर्थकों को अलग कराकर काफिला आगे बढ़ाया

इसके बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए समर्थकों को सड़क से अलग कराया और काफिला आगे बढ़वाया। भाजपा विधायक के साथ बड़ी संख्या में प्रधान भी पहुंचे। जिनका कहना था कि जल जीवन मिशन से खोदी गई सड़कों की दशा खराब है, जिन्हें आजतक दुरुस्त नहीं कराया गया। साथ ही, कई गांवों में अभी तक पानी नहीं पहुंच रहा है। तीन साल से समस्या बरकरार है। एसडीएम शिवध्यान पांडेय ने बताया कि विधायक के समर्थकों ने समस्या बताने के लिए जलशक्ति मंत्री के काफिले को रोका था। इसके बाद में समर्थकों को अलग कराकर काफिला आगे बढ़ाया गया।

काफिला रोकने के बाद चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव के बीच बातचीत हुई। मंत्री ने कहा कि जहां कोई शिकायत है, वहां मुझे लेकर चलो। उस गांव में मैं खुद चलता हूं। 40 गांवों में कहोगे तो मैं सभी जगह चेक करने चलूंगा, मेरे साथ अफसर हैं। सभी जगह देखूंगा, लापरवाही मिलने पर अफसरों को सस्पेंड कर दूंगा। आप मेरे साथ मेरी गाड़ी में चलिए।

'मौका पर चौका': बजट सत्र के बीच जीतन राम मांझी यात्रियों का दर्द देख हुए भावुक

पटना, 30 जनवरी (एजेंसियां)। सियासी समझ के जानकार केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी शायद ही कोई ऐसा मौका हो जब विकास को गति देने की बात होती है या फिर बिहार के निहितार्थ हिस्सेदारी की बात होती है तो हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ऐसा कोई मौका नहीं ढूंढ लेते हैं। कमियों के धरातल पर बिहार की जरूरत को उजागर करने से पीछे नहीं हटते हैं। एक बार फिर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी डिमांड को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार की आबादी के बरक्स राज्य में चल रही ट्रेनों की संख्या को ले कर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन पर भीड़ यह चीख चीख कर कह रही है कि बिहार रूट पर ट्रेनों की काफी कमी है। इस कमी को उजागर करते उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि वर्तमान में चलने वाली 12-13 ट्रेनें यात्रियों की भारी संख्या के मुकाबले नाकाफी हैं। आबादी के अनुसार केंद्र सरकार को ट्रेनों की संख्या और उनमें जनरल बोगियों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है।

दरअसल,इस बार केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने जो केंद्र सरकार से ट्रेन की मांग की है, उसका आधार उनका व्यक्तिगत अनुभव रहा है। केंद्रीय मंत्री आज यात्रा के क्रम में वे दिल्ली प्लेटफार्म पर खड़े थे। उन्हें नई दिल्ली से प्रयागराज तक रेलगाड़ी से सफर करना था। इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

पर जो नजारा मांझी ने देखा, उससे वे आहत हुए। उन्होंने देखा कि दिल्ली से बिहार आने-जाने वाले लाखों यात्रियों की रोजमर्रा की सच्चाई क्या है? खुद ट्रेन में चढ़ने के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि सीमित ट्रेनों और कम जनरल कोच के कारण बिहार के यात्रियों को किस तरह की दुर्दशा झेलनी पड़ती है। उनका यह अनुभव अब एक राजनीतिक मांग की राह पर चल पड़ा है।

अब इसे संयोग कह ले या राजनीतिक अनुभव का कमाल। लेकिन ऐन बजट सत्र के मौके पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रेल मंत्रालय का ध्यान तो अपनी मांग की तरफ आकर्षित किया। राजनीति का तकाजा है कि वे अपने इस भाव को रास्ता देने रेल मंत्री से मिले और इस मुलाक़ात को सार्वजनिक भी करें। आज की राजनीति का यह डिमांड भी है। जनता भी नजर रखती है कि किसने सरकार से कौन सी मांग रखी और पूरा हुआ। वैसे भी जीतन राम मांझी की राजनीति नीतीश कुमार की राह पर ही चलती है। जातीय राजनीति में कम संख्या के कारण ऐसे नेताओं के लिए विकास की पटरी पर राजनीतिक गाड़ी चलाना जरूरी भी है।

अज्ञात वाहन ने 3 युवकों को कुचला, मौत

बलौदाबाजार, 30 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में नेशनल हाईवे 130 पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार 3 युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों युवकों की मौत हो गई। युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। किसी का सिर फट गया है तो किसी के सीने पर गंभीर चोट है। मामला कसडोल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृतक तुरकीनडीह गांव के रहने वाले थे। शादी के लिए लड़की देखकर वापस लौट रहे थे, तीनों के नशे में होने की बात सामने आई है।

इनके साथ अन्य साथी भी थे। जो आगे निकल गए। ये तीनों सेल गांव के पास हादसे का शिकार हो गए। दरअसल, 29 जनवरी को 3 युवक शादी के लिए लड़की देखने के लिए गए थे।

कांग्रेस का चक्काजाम, वाहनों की कतारें लगीं

बिलासपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम और धान खरीदी की तारीख बढ़ाने को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, अंबिकापुर और रायगढ़ जिले में हर ब्लॉक में धरना-प्रदर्शन के साथ ही चक्काजाम किया गया।

बिलासपुर-अंबिकापुर हाईवे पर करीब आधे घंटे तक लोग जाम में फंसे रहे। कांग्रेसियों ने बीच सड़क बैठकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी करते रहे। इस दौरान वहां दोपहिया-चारपहिया वाहनों की कतारें लगी रहीं। रायपुर-जगदलपुर- ओडिशा एनएच-30 पर भी यही स्थिति रही। वहीं ड्राई डे में शराब दुकानें खुलने पर भी विरोध जताया गया। लालपुर चौक पर कांग्रेस ने मनरेगा में बदलाव के विरोध में सांकेतिक चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष श्रीकुमार मेनन की अगुवाई में हुए इस प्रदर्शन में रायपुर जिले के अन्य नेता भी मौजूद रहे। दुर्ग में भी कांग्रेस ने एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों के मुताबिक सरकार की दमनकारी नीतियों से किसानों का नुकसान हुआ है। कांग्रेस ने कहा है कि आगे मांगे पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन करेंगे। रामानुजगंज में कांग्रेस ने किसानों और आम जनता की मांगों को लेकर महावीरगंज चौक पर एक घंटे तक चक्का जाम किया। ब्लॉक अध्यक्ष मधु गुप्ता के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम तहसीलदार के माध्यम से मांग पत्र सौंपा। इसमें धान खरीदी की तिथि बढ़ाने, मनरेगा कानून को पूर्ववत लागू करने और पीडीएस में चावल की कमी दूर करने की मांग की गई।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रद्द की महाराष्ट्र के डॉक्टर की याचिका

युवती से रेप का आरोप, एफआईआर -चार्जशीट रद्द करने से इनकार, कहा-ट्रॉयल में रखें अपना पक्ष

बिलासपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दुष्कर्म केस में महाराष्ट्र के डॉक्टर की याचिका को खारिज कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने आदेश पारित करते हुए एफआईआर, चार्जशीट और संज्ञान आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया है।

महाराष्ट्र के लातूर जिले के रहने वाले डॉ विजय उमाकांत वाघमारे (33) एमएस ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं। उनके खिलाफ भिलाई नगर, जिला दुर्ग में वर्ष 2018 में अपराध दर्ज किया गया था। आरोप है कि डॉक्टर ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ रेप किया था।

जिसके बाद आरोपी लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। जांच के बाद 3 अक्टूबर 2025 को धारा 376 आईपीसी के तहत चार्जशीट पेश की गई, जिस पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, दुर्ग ने संज्ञान लिया। इसके खिलाफ आरोपी डॉक्टर ने बीएनएसएस की धारा 528 के तहत हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट ने तर्क दिया कि डॉक्टर को झूठे मामले में फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि कथित घटनाक्रम के समय याचिकाकर्ता पुणे के ससून जनरल अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टर के रूप में पदस्थ थे और अस्पताल की प्रमाणित उपस्थिति रजिस्टर से यह सिद्ध होता है कि वे लगातार ड्यूटी पर थे। दलील दी गई कि, मार्च 2017 में भिलाई जाने का आरोप असंभव है, क्योंकि उस दौरान वे पुणे में ड्यूटी पर थे।

शराब-अफीम तस्करी चार तस्कर गिरफ्तार

पलामू, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने गुरुवार को दो बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी का खुलासा करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब और अफीम की कुल अनुमानित कीमत 19 लाख रुपए बताई गई है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक पिकअप सवारी गाड़ी को रोका। वाहन चालक ने गाड़ी में पानी की पेटी होने की बात कही और संबंधित कागजात भी दिखाए। हालांकि, संदेह होने पर पुलिस ने गहन तलाशी ली।

बिहार के 3 अपराधियों को दौड़ाकर गोली मारी

जमशेदपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर में उद्योगपति के बेटे कैरव गांधी अपहरण कांड से जुड़े बिहार के अपराधियों के साथ गुरुवार रात पुलिस की मुठभेड़ हुई। इस दौरान बिष्टुपुर थाना प्रभारी आलोक दुबे बाल-बाल बचे।

पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में तीन अपराधियों के पैर में गोली मारी। फिलहाल तीनों को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिटी एसपी कुमार शिवाशीष के अनुसार, तीनों बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले हैं। घायल अपराधियों की पहचान गुड्डू सिंह, मोहम्मद इमरान और रमीज राजा के रूप में हुई है।

हथियार बरामदगी के लिए इन्हें लेकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी। इसी दौरान इन्होंने एक कॉस्टेबल से कार्बाइन छीनकर पुलिस पर फायरिंग कर दी। इसके बाद उनके पैर में गोली मारी गई।

मुठभेड़ बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में साईं मंदिर के पास रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच हुई। वहीं, इस अपहरण मामले में पुलिस ने गया के उपेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह उर्फ आर्यन और आगमकुआ पटना निवासी मोहन कुमार प्रसाद को भी गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस देर रात हथियार बरामद करने पहुंची थी। अपराधियों के बताए लोकेशन से हथियार और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। इसी दौरान अपराधियों ने मौके का फायदा उठाकर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। आज यानी शुक्रवार को डीजीपी तादाशा मिश्रा पूरे मामले को लेकर आधिकारिक ब्रीफिंग कर सकती हैं। बीते 13 जनवरी को युवा उद्योगपति कैरव गांधी का अपहरण हुआ था।

27 जनवरी को पुलिस ने 14 दिन बाद उन्हें अपहर्ताओं के चंगुल से मुक्त करा कर परिजनों को सौंप दिया था। इस मामले में पुलिस अब तक आधा दर्जन अपराधियों को गिरफ्तार कर चुकी है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सोना बनेगा राजा, डॉलर बनेगा रंक! खतरे में अमेरिका की बादशाहत

चीन–भारत ने कर दिया ये बड़ा 'खेल'

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बीते दिनों सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल सामान्य नहीं है। बाजार में हर दिन जिस तरह से कीमतें बढ़ रही हैं, वह केवल मांग या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं है।

इसके पीछे वैश्विक अर्थव्यवस्था की एक ऐसी करवट है, जो आने वाले समय में हम सब की जेब पर गहरा असर डाल सकती है। यह संकेत है एक बड़े बदलाव का, जिसे आर्थिक विशेषज्ञ 'डी-डॉलरीकरण' का नाम दे रहे हैं। आसान शब्दों में कहें तो दुनिया अब अमेरिकी डॉलर के मोहपाश से मुक्त होने की कोशिश कर रही है। अगर यह ट्रेंड जारी रहा, तो अमेरिका की वह सुपरपावर वाली छवि हमेशा के लिए धूमिल हो सकती है, जो दशकों से डॉलर की ताकत पर टिकी थी।

इस पूरी कहानी की जड़ें अमेरिका की कर्ज नीति और वैश्विक विश्वास में छिपी हैं। अब तक दुनिया के देश अमेरिका को सुरक्षित मानकर अपना पैसा 'अमेरिकी बांड' में निवेश करते थे। माना जाता था कि अमेरिका कभी डूब नहीं सकता और वहां पैसा सुरक्षित रहेगा। लेकिन अब यह भरोसा डगमगा रहा है। भारत और चीन जैसे बड़े देशों ने अब अमेरिका से अपना पैसा वापस निकालना शुरू कर दिया है। आंकड़े इस बदलाव की गवाही दे रहे हैं। नवंबर 2024 में भारत के पास करीब 21 लाख 52 हजार करोड़ रुपये के अमेरिकी बॉन्ड्स थे। लेकिन, महज एक साल के भीतर, नवंबर 2025 तक भारत ने इसमें से 4 लाख 36 हजार करोड़ रुपये के बॉन्ड्स बेच दिए। यानी भारत ने अमेरिकी कर्ज में अपनी हिस्सेदारी 20 फीसदी से ज्यादा घटा दी। यही हाल चीन का है, जिसने एक साल में करीब 8 लाख करोड़ रुपये के बॉन्ड्स बेच दिए हैं। ब्राजील और आयरलैंड जैसे देश भी इसी राह पर हैं। सवाल यह है कि बॉन्ड बेचकर जो पैसा (डॉलर) वापस मिल रहा है, उसका हो क्या रहा है? जवाब हैसोना। दुनियाभर के केंद्रीय बैंक अब डॉलर के कागज के टुकड़ों की जगह ठोस सोने पर भरोसा जता रहे हैं। बॉन्ड बेचने से मिली रकम का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर सोना खरीदने में किया जा रहा है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 15 फीसदी के पार चली गई है। साल 2021 से 2025 के बीच भारत ने 1 लाख 26 हजार किलोग्राम सोना खरीदा है। चीन ने तो और भी आक्रामक रुख अपनाते हुए चार सालों में 3। 5 लाख किलोग्राम से ज्यादा सोना अपने खजाने में जमा कर लिया है। इस बदलाव के पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हुआ एक वाकया भी जिम्मेदार है। जब अमेरिका ने रूस के डॉलर रिज़र्व को फ्रीज (जब्त) कर दिया, तो पूरी दुनिया को समझ आ गया कि डॉलर अब 'सुरक्षित' नहीं रहा। अमेरिका कभी भी अपनी मुद्रा का इस्तेमाल हथियार के तौर पर कर सकता है। लेकिन सोने को कोई फ्रीज नहीं कर सकता। यही कारण है कि अनिश्चितता के दौर में हर देश अपने घर में सोना भरकर रखना चाहता है, ताकि मुश्किल वक्त में किसी का मोहताज न होना पड़े। डॉलर की गिरती साख ने अमेरिका की नींद उड़ा दी है। पिछले एक साल में डॉलर की वैल्यू में 11 फीसदी की गिरावट आई है और यह चार साल के निचले स्तर पर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, जो 'अमेरिका फर्स्ट' की बात करते हैं, उनके लिए यह एक बड़ा झटका है।

ग्लोबल एनर्जी में भारत की भूमिका पहले से मजबूत आईईडब्ल्यू के समापन पर बोले हरदीप पुरी

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत ऊर्जा सप्ताह 2026 के समापन समारोह को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में निरंतर भू-राजनीतिक अस्थिरता से निपटने के लिए मजबूत तैयारी का प्रदर्शन किया है. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा में भारत केंद्रीय भूमिका निभाता रहेगा.

यह कार्यक्रम 27 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक गोवा में आयोजित किया गया. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की ऊर्जा रणनीति बदलावों पर आधारित है. हमने संकटों का लगातार सामना किया है. सप्लाई सोर्स के विविधीकरण और स्वच्छ ईंधन की ओर तेजी से बढ़ते कदम के माध्यम से हमने हर चुनौती को एक अवसर में परिवर्तित किया है. हरदीप पुरी ने कहा कि देश आज तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा शोधक और पेट्रोलियम उत्पादों के शीर्ष निर्यातकों में से एक है.

उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच भी भारत ऊर्जा की उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता सुनिश्चित करना जारी रखेगा. केंद्रीय मंत्री ने पारंपरिक ईंधनों में निरंतर निवेश के साथ-साथ बायोगैस (सीबीजी), हरित हाइड्रोजन और स्वदेशी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर सरकार के प्रयासों पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा, पारंपरिक ऊर्जा की जरूरत बनी रहेगी, लेकिन एथेनॉल मिश्रण से लेकर सीबीजी, हाइड्रोजन और जैव ईंधन तक, हम जो प्रगति कर रहे हैं, उससे हमें विश्वास है कि हरित ईंधन की भूमिका और भी बढ़ेगी.पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने भारत की विकास यात्रा को गति देने के लिए सरकार की योजना प्रस्तुत की. सचिव ने कहा- 7 प्रतिशत से अधिक की अनुमानित आर्थिक वृद्धि के साथ, ऊर्जा की मांग में तीव्र वृद्धि होगी. हमारा ध्यान दो मुख्य स्तंभों पर केंद्रित है: घरेलू स्तर पर अन्वेषण और उत्पादन को मजबूत करना, और भारत को विश्व के लिए परिष्कृत उत्पादों के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करना.

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू बाजार में गिरावट

जानिए सेंसेक्स–निफ्टी का हाल

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को तीन दिन की तेजी के बाद गिरावट के साथ बंद हुए। यह तेजी धातु, आईटी शेयरों और 1 फरवरी को बजट पेश होने से पहले बरती जा रही सतर्कता के कारण जारी रही। विदेशी निधियों की नई निकासी और रुपये की कमजोरी ने भी शेयर बाजारों में मंदी के रुझान को और बढ़ा दिया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 296.59 अंक या 0.36 प्रतिशत गिरकर 82,269.78 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 625.34 अंक या 0.75 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 81,941.03 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 98.25 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 25,320.65 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 92.02 पर पहुंच गया, लेकिन मजबूत अमेरिकी मुद्रा और अस्थिर भू-राजनीतिक संकेतों के बीच मामूली बढ़त के साथ 91.97 पर बंद हुआ।सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस और कोटक महिंद्रा बैंक भी गिरावट दर्ज करने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईटीसी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं।केंद्रीय बजट से पहले भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बने रहे, आईटी और धातु शेयरों में कमजोरी के कारण बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट आई। वैश्विक विकास संबंधी चिंताओं और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के कारण आईटी क्षेत्र पिछड़ गया, जबकि मजबूत डॉलर के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा कि लगातार एफआईआई (वित्तीय निवेशक) की बिकवाली और रुपये के लगातार अवमूल्यन ने बाजार के माहौल को सतर्क बनाए रखा। उन्होंने आगे कहा कि भू-राजनीतिक जोखिमों और वैश्विक टैरिफ दबावों में वृद्धि के साथ, विकास को समर्थन देने और राजकोषीय अनुशासन पर संकेत मिलने के लिए केंद्रीय बजट का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।सरकार द्वारा गुरुवार को जारी बजट-पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था में 6.8-7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो व्यापार जोखिमों और वैश्विक अस्थिरता के बावजूद देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करता है।

क्या घटने वाली है महंगाई दर?

इस बड़े बदलाव से रोजमर्रा की चीजें हो सकती हैं सस्ती

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)।आम लोगों की रोजमर्रा की महंगाई को मापने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के नियम बदलने जा रहे हैं। सरकार ने सीपीआई का बेस ईयर 2011-12 से बदलकर 2023-24 कर दिया है, जिससे महंगाई के आंकड़ों में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है।

एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, नए वेटेज लागू होने पर कुल महंगाई दर में करीब 20-30 आधार अंकों की मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने इंडेक्स पर नए वेटेज लागू करने से कुल महंगाई में हल्की बढ़ोतरी दिखती है। हालांकि, जिन महीनों में खाद्य महंगाई ज्यादा होगी, उन महीनों में नया सीपीआई पुराने सीरीज की तुलना में 20-30 आधार अंक कम भी हो सकता है। यह आकलन सीपीआई के बेस ईयर को 2011-12 से बदलकर 2023-24 करने की प्रक्रिया के बीच सामने आया है। बदलते उपभोग पैटर्न और वैश्विक मानकों के अनुरूप महंगाई माप को अधिक सटीक बनाने के लिए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया था, जिसकी सिफारिशें हाल ही में जारी की गई हैं। नई सीपीआई 2024 सीरीज में कुल 358 वस्तुओं को शामिल किया गया है, जिन्हें 12 डिवीजन, 43 समूह, 62 वर्ग और 192 उप-वर्गों में वर्गीकृत किया गया है। नई सीरीज के तहत पहला सीपीआई डेटा 12 फरवरी 2026 को जारी किया जाएगा, जिसमें जनवरी 2025 से इंडेक्स डेटा और जनवरी 2026 की महंगाई दर शामिल होगी।इसके साथ ही ग्रामीण, शहरी और संयुक्त स्तर पर जनवरी 2013 से बैक सीरीज डेटा भी जारी किया जाएगा।बेस ईयर संशोधन के साथ सीपीआई के वेटेज स्ट्रक्चर में भी अहम बदलाव हुए हैं।

दैनिक पंचांग

एलपीजी से लेकर सिगरेट की कीमतों तक 1 फरवरी से क्या-क्या बदलेगा? आम आदमी की जेब पर सीधा असर!

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जनवरी खत्म होते ही फरवरी की शुरुआत होने जा रही है और इस बार नया महीना आम लोगों के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। 1 फरवरी 2026 को जहां देश का आम बजट पेश किया जाएगा, वहीं रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े कई बड़े नियमों में बदलाव भी लागू होंगे। इन बदलावों का असर सीधे आपकी जेब, घरेलू खर्च, टैक्स प्लानिंग, निवेश और दैनिक जरूरतों पर पड़ेगा। गैस सिलेंडर से लेकर सिगरेट, ईंधन से लेकर बैंकिंग और फास्टैग तक हर क्षेत्र में कुछ न कुछ बदलाव संभव है। ऐसे में जानना जरूरी है कि 1 फरवरी से क्या-क्या बदल सकता है और इसका आपके जीवन

पर क्या असर पड़ेगा।हर महीने की तरह 1 फरवरी 2026 को भी एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें जारी की जाएंगी। खास तौर पर 14 किलो घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बदलाव की उम्मीद है। हाल के महीनों में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 1 जनवरी को दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 14.50 रुपये की कटौती हुई थी, जिसके बाद इसकी कीमत 1804 रुपये हो गई थी। अब घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों पर भी लोगों की नजर टिकी हुई है। एलपीजी के साथ-साथ 1 फरवरी को एयर टर्बाइन फ्यूल की नई कीमतें भी जारी होंगी। एटीएफ की कीमतों में बदलाव का असर सीधे हवाई यात्रा के किराए पर पड़ता है। पिछले महीने 1 जनवरी को दिल्ली में एटीएफ की कीमतों में करीब 7% की कटौती हुई थी। इसके अलावा सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में भी बदलाव संभव है, जिससे वाहन चलाने और घरेलू गैस खर्च पर असर पड़ सकता है। फास्टैग यूजर्स के लिए भी 1 फरवरी से नियमों में बदलाव होने जा रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी क्रैश: 24 घंटे में 15.62 लाख करोड़ डूबे बिटकॉइन और इथेरियम 6% से ज्यादा गिरे

नई दिल्ली,30 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में उतार-चढ़ाव स्थिर होने का नाम शुक्रवार को क्रिप्टोकरेंसी मार्केट क्रैश हो गई। 24 घंटे में क्रिप्टो मार्केट कैप 5 फीसदी से ज्यादा गिर गया। वहीं बिटकॉइन और इथेरियम समेत कई क्रिप्टो 6 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गईं। 24 घंटे में क्रिप्टो निवेशकों के 15.62 लाख करोड़ रुपये डूब गए। सुबह करीब 10:30 बजे क्रिप्टो मार्केट कैप 5.42% की गिरावट के साथ 2.82 ट्रिलियन डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट का असर सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी पर दिखाई दिया। बिटकॉइन करीब 6 फीसदी की गिरावट के साथ 82,835 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले एक हफ्ते में इसमें 7 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। वहीं इथेरियम पिछले 24 घंटे में 6 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई है। यह करीब 2740 डॉलर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा बाइनेंस, रिपल, सोलाना आदि क्रिप्टो में भी 24 घंटे में 6 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई।

केंटन में आई तेजी

क्रिप्टो मार्केट में बड़ी गिरावट से केंटन क्रिप्टो कॉइन पर कोई असर नहीं पड़ा। बल्कि इसमें तेजी आ गई। इसमें पिछले 24 घंटे में करीब 6 फीसदी की तेजी आई। इस तेजी के यह 0.1722 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले एक हफ्ते में यह 20 फीसदी से ज्यादा उछल गई है। वहीं एक महीने का इसका रिटर्न करीब 16 फीसदी रहा है।

फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स में गिरावट

क्रिप्टो मार्केट में काफी लंबे समय में कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ है। ऐसे में निवेशकों में डर का माहौल है। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार इसका फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स एक दिन पहले गुरुवार को 38 था, जो शुक्रवार को गिरकर 28 रह गया। यह बताता है कि लोग अब क्रिप्टो में निवेश से कतराने लगे हैं। जो लोग पहले से निवेश कर रहे हैं, उन्होंने भी इसमें पैसा लगाना कम कर दिया है और निकासी पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। डिस्क्लेमर: क्रिप्टोकरेंसी में 24 घंटे कारोबार होता है। ऐसे में इनकी कीमत पल-पल बदलती रहती है। कुछ ही मिनटों में क्रिप्टोकरेंसी की कीमत काफी गिर जाती है और निवेशकों को बड़ा नुकसान हो जाता है।

यूएन प्रमुख की दो टूक, एक या दो देशों से ही नहीं चलेगी दुनिया, मूडीज की रिपोर्ट में ईयू एफटीए पर क्या कहा

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने दुनिया में बहुआयामी व्यवस्था (मल्टी-पोलैरिटी) को समर्थन देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि वैश्विक समस्याओं का समाधान किसी एक या दो ताकतों द्वारा संभव नहीं है। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का हवाला देते हुए कहा कि देशों के बीच मजबूत साझेदारी ही स्थिर और संतुलित विश्व व्यवस्था की आधारशिला बन सकती है। 2026 की प्राथमिकताओं को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुटेरेस ने कहा कि मौजूदा समय में अमेरिका दुनिया की सबसे शक्तिशाली शक्ति है, जबकि भविष्य में अमेरिका और चीन के दो ध्रुवों वाली व्यवस्था की चर्चा होती है। लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि न तो एक ताकत और न ही दो ताकतें दुनिया की समस्याओं का समाधान कर सकती हैं। इसके लिए देशों के बीच व्यापक नेटवर्क और सहयोग जरूरी है। गुटेरेस ने हालिया अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों का उल्लेख करते हुए भारत और ईयू के बीच हुए एफटीए को सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ के मार्कोसुर और इंडोनेशिया के साथ समझौते, भारत-ईयू डील, साथ ही चीन के साथ कनाडा और ब्रिटेन के व्यापार संबंध वैश्विक सहयोग के बढ़ते नेटवर्क को दर्शाते हैं। भारत और यूरोपीय संघ के बीच हाल ही में हुआ मुक्त व्यापार समझौता करीब दो अरब लोगों के बाजार को जोड़ने वाला ऐतिहासिक करार माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने इस समझौते के साथ व्यापार, रक्षा और प्रतिभा गतिशीलता को लेकर दो अहम समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए।

अडानी-रिलायंस से आगे, दो सोलर कंपनियों के पास 73,000 करोड़ के ऑर्डर

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारत दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज़ी से बढ़ते रिन्यूएबल एनर्जी बाजारों में से एक है. यह सेक्टर 2024 में 23.9 अरब डॉलर से बढ़कर 2033 तक 52.1 अरब डॉलर (करीब 4.5 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचने की उम्मीद है. यानी सालाना औसतन 8.1% की ग्रोथ. इस तेजी की सबसे बड़ी वजह सोलर मॉड्यूल की बढ़ती मांग है. प्रीमियर एनर्जी के मुताबिक, भारत में सोलर मॉड्यूल की मांग 2025 में 50 गीगावॉट से बढ़कर 2035 तक 126 गीगावॉट हो सकती है.

मैक्रो सपोर्ट: 500 गीगावॉट का भारत मिशन

सरकार का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल पावर क्षमता हासिल करना है, जो 2025 में 250 गीगावॉट थी. फिलहाल भारत के बिजली मिश्रण में नॉन-फॉसिल एनर्जी की हिस्सेदारी 50% तक पहुंच चुकी है. ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, पीएम सूर्य घर और पीएम कुसुम जैसी योजनाएं इस सेक्टर को और रफ्तार दे रही हैं. 2026 से 2028 के बीच लागू होने वाली एएलएमएम नीति के तहत रूफटॉप, ओपन एक्सेस और यूटिलिटी प्रोजेक्ट्स में 100% घरेलू मैन्युफैक्चरिंग जरूरी होगी. इस बदलाव का फायदा खासतौर पर दो कंपनियों को मिल सकता है.वारी एनर्जीज़ भारत की बड़ी सोलर मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में से एक है. अब यह सिर्फ सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी (वारी 1.0) से आगे बढ़कर एक पूरी ग्रीन एनर्जी प्लेटफॉर्म (वारी 2.0) बनने की ओर बढ़ रही है. 60,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक कंपनी ने क्यू3 में शानदार प्रदर्शन किया. रेवेन्यू सालाना आधार पर 119% बढ़कर 7,565 करोड़ रुपये ईबीआईटीडीए 167% बढ़कर 1,928 करोड़ रुपये और मार्जिन करीब 25.5% वारी के पास फिलहाल 60,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक है, जिससे अगले

दो साल से ज्यादा की कमाई साफ दिखती है। इसमें करीब 65% ऑर्डर विदेश से और 35% भारत से हैं.

वारी 2.0: सिर्फ मॉड्यूल नहीं, पूरा ग्रीन बिजनेस

वारी अब सोलर की पूरी वैल्यू चेन में उतर रही है. पॉलीसिलिकॉन से लेकर सेल, वेफर और मॉड्यूल तक। एफवाई27 तक कंपनी 6 जीडब्ल्यू मॉड्यूल, 10 जीडब्ल्यू सेल और 10 जीडब्ल्यू वेफर/इंगट क्षमता चालू करने की योजना में है.एफवाई28 तक 20 जीडब्ल्यूएच की बैटरी स्टोरेज यूनिट लगाने की योजना है, जिस पर 10,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा. इसके अलावा, एफवाई27 तक 1 जीडब्ल्यू की इलेक्ट्रोलाइज़र फैक्ट्री भी शुरू करने का लक्ष्य है. वारी अमेरिका में टैरिफ से निपटने के लिए स्मार्ट स्ट्रैटेजी अपना रही है और चीन से अलग पॉलीसिलिकॉन सप्लाई चेन बनाने पर भी काम कर रही है.प्रीमियर एनर्जीज़ भारत की प्रमुख सोलर सेल और मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी है. यह ट्रांसफॉर्मर, इन्वर्टर और बैटरी स्टोरेज जैसे जुड़े प्रोडक्ट्स में भी उतर रही है, हालांकि इसकी ग्रोथ वारी से थोड़ी धीमी है. 13,724 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक क्यू3 एफवाई26 में रेवेन्यू 13% बढ़कर 1,937 करोड़ रुपये ईबीआईटीडीए 593 करोड़ रुपये, मार्जिन 30.6% मुनाफा 53% बढ़कर 392 करोड़ रुपये कंपनी के पास 13,724 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक है, जो पूरी तरह घरेलू बाजार से है.प्रीमियर एनर्जीज़ मिशन 2028 के तहत अपनी क्षमता तेजी से बढ़ा रही है.

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपका कार्य जीवन उत्साह ला सकता है, नई शुरुआत की चिंगारी जगा सकता है। अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें और अपनी परियोजनाओं को पोषित करें। विवरण पर ध्यान देकर, आपकी उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। विलक्षण कार्यों की अपेक्षा करें, और अपने अध्ययन या कैरियर में बदलावों को अपनाएँ। रचनात्मक ऊर्जाएँ पनपेंगी, जिससे यह दिन गतिशील संभावनाओं और आशाजनक अंत का दिन बनेगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज, कर्क राशि में सूर्य चिंतनशील, पर्दे के पीछे के कामों का पक्षधर है। मिथुन राशि में चंद्रमा संचार और अनुकूलनशीलता को बढ़ाता है, जिससे आपको कार्यों को शालीनता से संभालने में मदद मिलती है। बृहस्पति वर्ग शनि सपनों और वास्तविकता के बीच संतुलन का आग्रह करता है। योजना बनाने पर ध्यान केंद्रित करें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

जैसे-जैसे आत्मविश्वास आपके कार्यों को गति देता है, आपकी सामाजिक उपस्थिति और भी मज़बूत होती जाती है। स्वतंत्र निर्णय आपके मार्ग को आकार देते हैं, जिससे आप अपनी मौलिकता के साथ अलग नज़र आते हैं। तार्किक सोच आपकी योजना बनाने और अपने काम या पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने की क्षमता को बढ़ावा देती है। प्रगति निरंतर होती है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आप ऊर्जावान महसूस करते हैं और साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं, अपने करियर में रचनात्मक प्रेरणा का संचार करते हैं। नवाचार सहजता से प्रवाहित होता है, जिससे आपको नई अंतर्दृष्टि के साथ समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलती है। आपको निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आपका करियर अंतर्ज्ञान और स्पष्ट सोच के सहज संतुलन द्वारा समर्थित है। मेष राशि में चंद्रमा आपकी प्रेरणा और उत्साह को बढ़ाता है, जबकि कर्क राशि में सूर्य आपको सहानुभूति के माध्यम से दूसरों से जुड़ने में मदद करता है। आप विचारों को अच्छी तरह से व्यक्त करते हैं, विकास और स्पष्टता दिखाते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी भावनात्मक अंतर्ज्ञान में वृद्धि हुई है, जो आपके करियर के निर्णयों का मार्गदर्शन करती है। सामंजस्य की भावना काम पर आपके रचनात्मक प्रयासों को बढ़ावा देती है, जो आपकी परियोजनाओं के माध्यम से चमकती है। हालाँकि तीव्र भावनात्मक जीवन और भावनात्मक संघर्ष पढ़ाई में संतुलन बनाए रखने की आपकी क्षमता को चुनौती दे सकते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप सुरक्षात्मक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील महसूस कर सकते हैं, परिचित, व्यक्तिगत स्थानों में आराम की तलाश कर सकते हैं। अप्रत्याशित ऊर्जा आपको अनुकूलनीय बनाती है, लेकिन चिंता करने की प्रवृत्ति रखती है। दूसरों के साथ बातचीत तनाव या शिकायतों का कारण बन सकती है। संघर्ष उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे आप अपने रिश्तों में सामंजस्य और सहज, सरल संबंध की चाहत रख सकते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

अपने काम या अध्ययन के पैटर्न में बदलाव की अपेक्षा करें। लचीले बने रहें और बदलावों को धैर्य के साथ अपनाएँ। मानसिक कोहरा स्पष्टता को धीमा कर सकता है, लेकिन अतिरिक्त ऊर्जा को उत्पादक गतिविधि में लगाएँ। आत्मविश्वास आपकी प्रगति का समर्थन करता है, जबकि विवरणों पर सावधानीपूर्वक ध्यान आपको ट्रैक पर बने रहने में मदद करता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

काम पर संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है, जबकि तेज विश्लेषणात्मक कौशल आपको विस्तार से ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। तार्किक सोच और सावधानीपूर्वक योजना बनाना प्रगति लाता है, लेकिन नियंत्रण करने की इच्छा से बचें। इसके बजाय, अपनी तीव्रता को विचारशील संचार में लगाएं।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने पेशेवर जीवन में आत्मविश्वास से भरपूर हैं और अपनी साहसिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति से ध्यान आकर्षित करते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे नए समाधान स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। आपकी तीक्ष्ण बुद्धि जहाँ तीव्र सोच को बढ़ावा देती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

23 साल की साध्वी को उनके आश्रम में ही समाधि

पिता बोले-उन्हें केवल जुकाम थी, इंजेक्शन से हुई मौत, ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाए थे

बाड़मेर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा को आज बालोतरा में उनके आश्रम में समाधि दी गई। बुधवार शाम को जोधपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में कथावाचक की मौत हो गई थी। साध्वी की मौत के करीब 3 घंटे बाद एक कथित सुसाइड नोट भी सामने आया था। इससे मौत को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। बाईसा की मौत को लेकर पिता का दावा है कि उन्हें केवल जुकाम था। एक इंजेक्शन लगाने के कुछ सेकेंड बाद साध्वी की तबीयत बिगड़ी थी। वहीं, उनके भक्त पिता के साथ 6 महीने पुराने एक ब्लैकमेलिंग केस से भी उनकी मौत को जोड़कर देख रहे हैं।

अंतिम दर्शन के लिए पहुंच रहे साधु-संत

साध्वी प्रेम बाईसा का निधन होने के बाद शुक्रवार को उनके पैतृक गांव परेऊ में अंतिम संस्कार किया जाएगा। गांव में बड़ी संख्या में साधु-संत और उनके समर्थक पहुंच चुके हैं। अंतिम संस्कार के बाद उन्हें समाधि दी जाएगी। साध्वी की पार्थिव देह को भक्तों

और समर्थकों के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। गुरुवार देर शाम को जोधपुर से साध्वी प्रेम बाईसा की पार्थिव देह उनके पैतृक गांव परेऊ लाई गई। इसके बाद गांव में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। इस दौरान उनके पिता भावुक होकर रोते नजर आए।

साध्वी की मौत पर कई सवाल बरकरार

> आज आएगी पीएम रिपोर्ट

जोधपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध मौत के बाद उनकी मृत्यु का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है और पुलिस हत्या, आत्महत्या अथवा अन्य संभावित कारणों के सभी पहलुओं से जांच कर रही है। मेडिकल बोर्ड द्वारा कराए गए पोस्टमार्टम के बाद अब रिपोर्ट के सार्वजनिक होने का इंतजार है।

गृह राज्यमंत्री क्या बोले ?

इस पूरे घटनाक्रम पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि साध्वी प्रेम बाईसा की मौत को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। परिवार गलत इंजेक्शन से मौत की बात कर रहा है, अस्पताल का कहना है कि उन्हें ब्रॉट डेड हालत में लाया गया था और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें फैल रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है और सच्चाई सामने लाई जाएगी। गृह राज्य मंत्री ने साध्वी प्रेम बाईसा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे सनातन संस्कृति की अच्छी प्रचारक और कथा वाचक थीं तथा समाज में उनकी गहरी श्रद्धा थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होगी।

क्या था घटनाक्रम ?

यह मामला जोधपुर के बोरानाडा थाना क्षेत्र के पाल स्थित आरती नगर आश्रम से जुड़ा है, जहां साध्वी प्रेम बाईसा की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां बुधवार शाम करीब 5:50 बजे उनकी मौत हो गई। इसके बाद शव को एमजीएच मोर्चरी ले जाया गया, जहां मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम कराया गया।

पुलिस के अनुसार साध्वी की तबीयत खराब होने पर क्षेत्र के एक मेडिकल स्टोर के माध्यम से डॉक्टर से परामर्श लिया गया था। डॉक्टर की सलाह पर एक कंपाउंडर आश्रम पहुंचा और उन्हें इंजेक्शन लगाया। कुछ देर आराम मिलने के बाद उनकी हालत फिर बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कोर्ट का सुपरफास्ट फैसला, 5:30-घंटे में ट्रायल कर सुनाई सजा

जज ने न लंच किया, न चैंबर को समय दिया

दोषियों को 3-3 साल की जेल

कोटपूतली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। कोटपूतली-बहरोड़ के पावटा कोर्ट में चार्जशीट पेश होने के बाद महज 5:30 घंटे में ही जज डॉ. अजय कुमार बिश्नोई ने फैसला सुना दिया। चोरी के तीनों दोषियों को 3-3 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है।

5 जनवरी को वारदात, 27 को आरोपी गिरफ्तार

दरअसल, वारदात 5 जनवरी की रात नारायणपुर मोड़ पर हुई थी। चोर हरिओम जनरल स्टोर, श्री श्याम मिष्ठान भंडार, एमएस मोबाइल सेंटर और मानवी हेल्थ केयर के शटर तोड़कर नकदी ले गए थे। प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम की टीम ने 27 जनवरी को विजयपाल और कपिल निवासी गण्डाला (नीमराना) और राजेश निवासी फतेहपुरा (नीमराना) को गिरफ्तार कर लिया। 29 जनवरी को कोर्ट में चालान पेश किया गया।

5:30 घंटे में ट्रायल पूरा, सुनाई सजा

प्रागपुरा पुलिस ने गुरुवार सुबह 11:30 बजे चार्टशीट पेश की। इसके महज 5:30 घंटे में ट्रायल पूरा कर लिया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. अजय कुमार बिश्नोई ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया और तीन-तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुना दी। साथ ही तीनों दोषियों पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

जज ने न लंच लिया, न चैंबर को समय दिया

अभियोजन अधिकारी डॉ. पंकज यादव ने बताया- कोर्ट में रिकॉर्ड समय में 7 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और 50 अहम दस्तावेज देखे। ये राजस्थान का संभवतः पहला ऐसा मामला है, जब चालान पेश होने के दिन ही गवाही, दस्तावेज प्रदर्शन (डॉक्यूमेंट प्रजेंटेशन) और बहस पूरी कर फैसला सुनाया गया। इस दौरान जज ने न लंच लिया, न चैंबर को समय दिया।

दरअसल, कोटपूतली-बहरोड़ के जिला एवं सेशन न्यायाधीश रवि शर्मा ने चोरी, लूट जैसे मामलों में शीघ्र निर्णय किए जाने के लिए सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य सिस्टम कटघरे में; गलत इलाज बना मौत की वजह

दो साल में 12 मरीजों की जान गई

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में बीते 2 वर्षों में सरकारी अस्पतालों में मेडिकल लापरवाही के कारण 12 मरीजों की मौत हुई। स्वास्थ्य विभाग ने विधानसभा में बताया कि 34 मेडिकल स्टाफ को निलंबित या बर्खास्त किया गया है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में गलत ब्लड ट्रांसफ्यूजन से दो मौतें हुईं।

दो साल में 401 ब्लड सेंटरों की जांच की गई, 85 के लाइसेंस सस्पेंड और 7 रद्द किए गए। यह खुलासा राजस्थान विधानसभा में एक अतारांकित प्रश्न के जवाब में हुआ है। राज्य सरकार ने विधानसभा में अतारांकित प्रश्न के जवाब में बताया कि वर्ष 2023 से 2025 के बीच प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मेडिकल लापरवाही के कारण कम से कम 12 मरीजों की मौत हुई है। इन मामलों में अब तक 34 चिकित्सा कर्मियों को निलंबित या सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है। छबड़ा विधायक प्रताप सिंह सिंघवी के सवाल के जवाब में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में गलत ब्लड ट्रांसफ्यूजन के कारण दो मरीजों की मौत हुई। इनमें फरवरी 2024 में दौसा निवासी 23 वर्षीय सचिन शर्मा और मई 2025 में टोंक निवासी 23 वर्षीय चाइना देवी शामिल हैं। इस मामले में तीन डॉक्टरों और एक नर्सिंग स्टाफ को निलंबित किया गया है और जांच जारी है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बीते दो वर्षों में प्रदेश के 401 ब्लड सेंटरों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 85 के लाइसेंस निलंबित किए गए, जबकि 7 के लाइसेंस रद्द कर दिए गए। इसके अलावा 272 ब्लड सेंटरों को नोटिस जारी किए गए। विभाग ने यह भी बताया कि अन्य जिलों के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की मौत से जुड़े 10 मामलों में 20 डॉक्टरों और 11 नर्सिंग कर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है।

43 हजार लीटर मिलावटी घी पकड़ा

3 अलग-अलग ब्रांड के नाम से हो रही थी पैकिंग
फर्म के रजिस्टर्ड पते पर मिली दूसरी कंपनी

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में फूड एंड सेफ्टी डिपार्टमेंट की सेंट्रल टीम ने 43 हजार लीटर से ज्यादा मिलावटी घी पकड़ा है। माचेड़ा स्थित श्याम विहार कॉलोनी में गुरुवार को एक फर्म पर कार्रवाई की गई। एक फर्म के ऑथोराइज्ड पते पर यह कार्रवाई की गई थी, लेकिन वहां कोई दूसरी फर्म चल रही थी। जबकि दूसरी फर्म अपना कारोबार चोरी-छिपे अन्य स्थान से चला रही थी। दोनों फर्म मिलकर 3 अलग-अलग नाम के ब्रांड से घी पैकिंग करके बाजार में बेचती है। यहां भोग विनायक, हरियाणा क्रीम और नक्ष डेयरी के नाम से घी के पैकेट मिले।

राजस्थान में कोहरे के कारण टकराईं गाड़ियां, 3 की मौत

6 से ज्यादा लोग घायल, एम्बुलेंस जाम में फंसी; प्रदेश में फिर बारिश-ओले गिरने की चेतावनी

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान आज भी घने कोहरे की चपेट में है। कोहरे के कारण भीलवाड़ा जिले में नेशनल हाईवे- 58 पर 5 से ज्यादा गाड़ियां टकरा गईं। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 6 से ज्यादा लोग घायल हैं। एक्सीडेंट के कारण भीलवाड़ा-उदयपुर हाईवे पर जाम लग गया है। घायलों के लिए पहुंची एम्बुलेंस भी जाम में फंस गई। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों में कोहरे की चेतावनी दी थी।

मौसम विशेषज्ञों ने बताया-31 जनवरी से एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। जिसके असर से राजस्थान के पूर्वी हिस्सों (जयपुर, भरतपुर, बीकानेर और कोटा संभाग) के जिलों में बादल छा सकते हैं। कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। इस सिस्टम का असर 2 फरवरी तक रहेगा। शुक्रवार सुबह भीलवाड़ा में कम विजिबिलिटी के कारण नेशनल हाईवे-58 पर हादसा हुआ। एक्सीडेंट में एक के बाद एक 6 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। गाड़ियों में फंसे 3 लोगों की मौत हो गई। गाड़ियों में फंसे घायलों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया है। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। कई घायल चीखते-चिल्लाते गाड़ियों से मदद मांगते नजर आए। दरअसल, 27 जनवरी को हुई मावठ के बाद प्रदेश के अधिकतर जिलों में सुबह कोहरा छा रहा है।

कोटा में कॉन्स्टेबल समेत 6 लोगों पर मुकदमा दर्ज

प्राइवेट व्यक्तियों के साथ मिलकर लूट का आरोप, दो को किया डिटेन

कोटा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा में एक बार फिर खाकी की साख को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। कानून की रक्षा करने वाले ही जब लूट जैसी संगीन वारदात में शामिल पाए गए, तो पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

एक पुलिसकर्मी ने प्राइवेट व्यक्तियों के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया, जिसकी शिकायत परिवादी ने सीधे एसपी ऑफिस में की। मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉन्स्टेबल मनीष यादव सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

खाकी ड्रेस पहने व्यक्ति पर आरोप

सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने खाकी ड्रेस पहने व्यक्ति पर आरोप लगाया है।

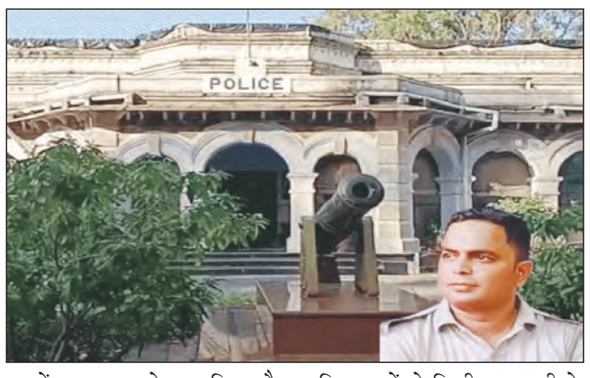

इसमें कुल 6 लोग शामिल है। अभी एफआईआर दर्ज हुई है। एफआईआर में नामजद लोग है। उनमें दो को डिटेन किया गया है। अभी हम पहचान परेड करवाएंगे। उसके बाद सस्पेंड ही नहीं, गिरफ्तार भी करेंगे।

नशे की खेप जब्त करने से जुड़ा है पूरा मामला

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पूरा मामला नशे की खेप जब्त करने से जुड़ा है।

हालांकि, आधिकारिक तौर पर ये साफ नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले पुलिस कर्मी मनीष यादव को मुखबिर के जरिए नशे की तस्करी की सूचना मिली थी। पुलिसकर्मी ने प्राइवेट व्यक्तियों को पैसे का लालच देकर अपने साथ लिया। पुलिसकर्मी ने प्राइवेट व्यक्तियों को साथ लेकर राठौड़ी तरीके से कार्रवाई की। नशे का सामान जब्त कर लिया। संबंधित को छोड़ दिया। जप्ती को पुलिस रिकॉर्ड में नहीं दिखाकर अपने स्तर से खुर्द बुर्द कर दिया। इस कार्रवाई में प्राइवेट व्यक्ति की कार को यूज लिया गया।

एसपी ऑफिस में अपहरण और लूट की शिकायत

मामले में पुलिस कार्रवाई नहीं होने के बाद संबंधित व्यक्ति को फ्रॉड होने का एहसास हुआ तो उसने एसपी ऑफिस में जाकर अपहरण और लूट की शिकायत की। जिसके बाद सिटी एसपी तेजस्विनी गौतम ने जांच के निर्देश दिए। पूरे मामले की जांच डीएसपी सौंपी है।

भुसावर के आयुर्वेद औषधालय को जमीन अलॉट हो चुकी, मंत्री को पता ही नहीं

भरतपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को भरतपुर जिले में भुसावर के आयुर्वेद औषधालय का मुद्दा गूंजा। सदन में सरकार की उस समय अजीबोगरीब स्थिति हो गई जब विधायक बहादुर सिंह कोली के एक सवाल के जवाब में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि यहां आयुर्वेद औषधालय 1950 से विद्यापीठ गर्ल्स छात्रावास के निजी भवन में चल रहा है।

इसकी निजी बिल्डिंग के लिए हम लगातार पत्र लिख रहे हैं। लेकिन, जमीन उपलब्ध नहीं होने से इसकी बिल्डिंग नहीं बन पा रही है।

उन्होंने विधायक बहादुर सिंह कोली से आग्रह किया कि वे जिला कलेक्टर से बात करके नगर पालिका से राजकीय आयुर्वेद औषधालय के लिए जमीन अलॉट कराएं। धन की कोई कमी नहीं है, बिल्डिंग बना दी जाएगी। इस पर विधायक बहादुर सिंह कोली ने खुलासा किया कि इस औषधालय के लिए उनके प्रयासों से पिछली कांग्रेस सरकार में ही नगर पालिका ने जमीन अलॉट कर दी थी।

यहां तक कि कांग्रेस सरकार में इस औषधालय की बिल्डिंग के लिए भूमि पूजन भी हो गया था। लेकिन, फिर भी बिल्डिंग नहीं बन सकी है। चूंकि यह औषधालय गर्ल्स छात्रावास की बिल्डिंग में चल रहा है, वहां पुरुष रोगियों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसलिए बिल्डिंग का जल्द निर्माण कराया जाए। इस पर आयुर्वेद मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि उन्होंने इस विषय में विभाग के नए और पुराने सभी अधिकारी-कर्मचारियों से चर्चा की है।

कांग्रेस ने चार जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की

जयपुर शहर का जिम्मा सुनील शर्मा को

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान के तहत बचे हुए पांच जिलों में से चार जिलों के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है। जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष के रूप में सुनील शर्मा को नियुक्त किया गया। शर्मा पिछले लोकसभा चुनाव में जयपुर से कांग्रेस के उम्मीदवार थे, लेकिन उन्होंने विवाद के बाद टिकट लौटा दिया था। पार्टी ने प्रतापगढ़ में दिग्विजय सिंह पुरावत, झालावाड़ में वीरेंद्र सिंह गुर्जर और बारां में हंसराज मीणा को जिलाध्यक्ष बनाया है।

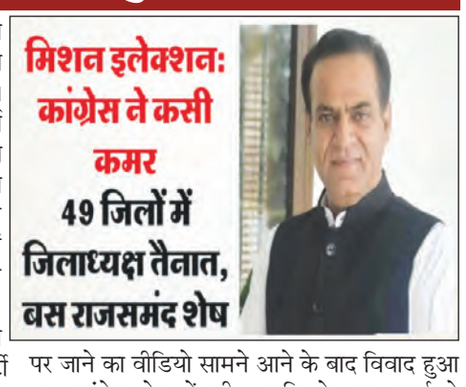

राजसमंद में अब भी जिलाध्यक्ष की घोषणा बाकी है। माना जा रहा है कि राजसमंद को लेकर भी पार्टी जल्द ही निर्णय लेगी। संगठनात्मक नियुक्तियों के इस फैसले को आगामी पंचायत और निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस की रणनीति और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने वाला कदम माना जा रहा है। इससे पहले नवंबर में 45 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की जा चुकी थी। अब तक राजस्थान के 50 जिलों में 49 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है। नियुक्ति राहुल गांधी के फीडबैक और संगठन के फार्मूले के अनुसार की गई। लोकसभा चुनाव के दौरान सुनील शर्मा के आरएसएस समर्थक मंच 'जयपुर डायलॉग्स' पर जाने का वीडियो सामने आने के बाद विवाद हुआ था। कांग्रेस नेताओं की आपत्ति के बाद शर्मा ने उम्मीदवारगी छोड़ने की पेशकश की थी और उनकी जगह प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दिया गया था। गुरुवार को हुई मीटिंग में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने 4 जिलाध्यक्षों के नाम का ऐलान किया। बैठक में संगठन निर्माण, सक्रियता, एसआईआर और मनरेगा से जुड़े आंदोलनों पर भी चर्चा हुई। इसमें नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र सिंह, सचिन पायलट और प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा भी मौजूद थे।

डांसर की लाश मामले में एफआईआर दर्ज

परिवार ने जताया था हत्या का शक, डोली समाज ने एसपी को दी थी शिकायत

अजमेर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर में 26 जनवरी को जनाना रॉड पर मिली डांसर की लाश मामले में क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। भाई की रिपोर्ट पर पुलिस की ओर से एससी-एसटी, आत्महत्या की उकसाने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच सीओ शिवम जोशी को सौंपी गई है। बता दें कि गुरुवार को ही डोली समाज ने प्रदर्शन करते हुए अजमेर एसपी वंदिता राणा को ज्ञापन दिया था। ज्ञापन के जरिए डांसर की लाश के मामले में हत्या का शक जाहिर किया था। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार भाई जितेंद्र राव के रिपोर्ट पर करीब सात जनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। भाई ने आरोपियों पर उसके भाई के घर से जेब्रा चोरी कर धमकाने का आरोप लगाया है। मामले में अनुसंधान जारी है।

लाउडस्पीकर पर सियासी संग्राम, डोटासरा ने उठाई कार्रवाई की मांग

बेढम बोले-नियम सब पर लागू होंगे

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में लाउडस्पीकर की आवाज को लेकर सियासत तेज हो गई है। मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों की आवाज तय करने के मुद्दे पर विधानसभा से लेकर सड़कों तक हंगामा देखने को मिला। इस मामले में प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम के बयान सामने आए हैं, वहीं हवामहल से बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य ने भी अपनी बात दोहराई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने लाउडस्पीकर के मुद्दे पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य की सदस्यता रद्द की जानी चाहिए और भविष्य में उन्हें चुनाव लड़ने पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। डोटासरा ने कहा कि इस तरह के बयान और गतिविधियां समाज में तनाव पैदा करने वाली हैं।

एमएलए का फेक वीडियो बनाने वाले का सम्मान वापस लिया

ऋतु बनावत ने उठाए थे सवाल; कलेक्टर टीना डाबी बोलीं-कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी

बाड़मेर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर कलेक्टर ने बयाना एमएलए ऋतु बनावत से जुड़े डीपफेक वीडियो मामले के आरोपी का सम्मान वापस ले लिया है। गणतंत्र दिवस पर जिला स्तरीय समारोह में दिनेश मांजू को वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया था। समारोह में मंत्री के.के. विश्नोई ने उसे प्रशस्ति पत्र दिया था। दिनेश मांजू पर बयाना थाने में एफआईआर दर्ज है।

मांजू को सम्मानित करने पर निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत ने ऐतराज जताते हुए पूरे सिस्टम पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा- बाड़मेर जिला प्रशासन ऐसे व्यक्ति को सम्मानित कर रहा है, जिसने डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इसकी शिकायत मैंने दिनेश एमएन (एडीजी क्राइम) को दी थी। इसमें उसके सहयोगी आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी अब तक गिरफ्त से बाहर है। इसके बावजूद उसे सम्मानित किया जाना बेहद गंभीर मामला है। विवाद बढ़ने पर बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने गुरुवार रात आदेश जारी कर दिनेश मांजू को दिया गया सम्मान वापस ले लिया। साथ ही इस चूक के लिए संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ जांच के निर्देश भी दिए गए हैं।

वन्य जीव संरक्षण के लिए किया था सम्मान

गणतंत्र दिवस पर बाड़मेर जिला कलेक्टर ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 113 लोगों की सूची जारी की थी। इसमें वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले दिनेश मांजू का नाम भी शामिल किया गया।26 जनवरी को आदर्श स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में मंत्री के.के. विश्नोई ने दिनेश मांजू को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जब इसकी जानकारी बयाना विधायक ऋतु बनावत को मिली तो उन्होंने बाड़मेर जिला प्रशासन सहित पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े किए।

राज्यपाल ने मेडारम जातरा का दौरा किया

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और प्रथम महिला सुधा देव वर्मा ने शुक्रवार को मेडारम जातरा का दौरा कर आदिवासी संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का अनुभव किया। उन्होंने सम्मक्का-सरलम्मा देवी की प्रार्थना अर्पित की और पारंपरिक साड़ियां भेंट कीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने पवित्र अनुष्ठानों में भाग लेकर प्राचीन परंपराओं और आधुनिक श्रद्धा का समन्वय दर्शाया।

मेडारम सम्मक्का-सरालम्मा महा जातरा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़, व्यवस्थाओं को मिली सराहना

मुलुगु, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुलुगु जिले में चल रही विश्व विख्यात मेडारम सम्मक्का-सारलम्मा महा जातरा अपने अंतिम चरण में है, जहां लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। यह जातरा आदिवासी धार्मिक आयोजनों में सबसे बड़ा माना जाता है। श्रद्धालु तेलंगाना के साथ ही देश के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में शामिल हुए। भक्त परंपरागत भेंट जैसे हल्दी, कुमकुम, गुड़, चावल और वस्त्र अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। यह आयोजन जंगल देवताओं की पूजा और आदिवासी संस्कृति की सादगी को दर्शाता है। भीड़ के बावजूद सम्मक्का और सारलम्मा के दर्शन सुव्यवस्थित तरीके से हो रहे हैं। कतार व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के प्रभावी उपायों से श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर पा रहे हैं। जातरा का माहौल अत्यंत श्रद्धाभाव से भरपूर है। राज्य सरकार, जिला प्रशासन और पुलिस ने भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातायात, कतार और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। जंपन्ना वागु पर श्रद्धालु सुरक्षित रूप से पवित्र स्नान कर रहे हैं। जतरा क्षेत्र में चिकित्सा टीम तैनात हैं। 500 एनएसएस स्वयंसेवक काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल से श्रद्धालुओं की मदद में लगे हुए हैं। वे गद्देलु पर सहायता, कतार मार्गदर्शन, भीड़ नियंत्रण और खोए श्रद्धालुओं को परिवार से मिलाने का काम कर रहे हैं। श्रद्धालुओं ने सरकारी व्यवस्थाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिछले सालों की तुलना में दर्शन अब तेज और संगठित हैं। स्वच्छता, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वयंसेवक सहायता में भी सुधार नजर आया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मंत्री दानसारी सीतक्का, वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा, सांसद पोरेका बालराम नाइक, एमएलसी बसवराज सरैया, विधायक नैनी राजेंदर रेड्डी सहित कई प्रमुख व्यक्तियों ने सम्मक्का-सारलम्मा के दर्शन कर अपने व्रत पूरे किए। पूर्व राज्यपाल बंदरू दत्तात्रेय और पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने भी पूजा अर्पित की। मेडारम जातरा न केवल आस्था और संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि प्रशासनिक दक्षता और सुरक्षित आयोजन का उत्कृष्ट उदाहरण भी बन गया है।

मेडाराम जातरा में मंत्री के काफिले पर हमले से तनाव

वारंगल, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडाराम जातरा में शुक्रवार तड़के कुछ घंटों तक तनाव का माहौल बना रहा, जब अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण के काफिले पर कथित तौर पर श्रद्धालुओं ने हमला कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब मंत्री गद्देलु में सरालम्मा के दर्शन के लिए जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार तड़के 2:30 बजे हुई। मंत्री का काफिला श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच से गुजरने की कोशिश कर रहा था। भीड़ अधिक होने और व्यवस्थाओं में कमी से नाराज श्रद्धालुओं ने कथित तौर पर काफिले पर हमला कर दिया। इसी दौरान बिजली आपूर्ति भी बाधित थी, जिससे स्थिति और बिगड़ गई।

अधिकारियों के मुताबिक, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन काफिले में शामिल लगभग चार वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। कुछ वाहनों के पीछे के शीशे टूट गए, जबकि एक कार का साइड दरवाजा भी क्षतिग्रस्त हुआ। स्थिति को बाद में नियंत्रण में कर लिया गया।

मंदिर दर्शन में बाधा का आरोप

बीआरएस विधायक ने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव की मांग की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार से करीमनगर जिले में मंदिर दर्शन के दौरान बाधा डालने, अपमान करने और विधायी विशेषाधिकार के उल्लंघन के आरोप में तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने का आग्रह किया है। उन्होंने अध्यक्ष से संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब करने, उनके आचरण की जांच कराने और सदन तथा उसके सदस्यों की गरिमा की रक्षा के लिए उचित कार्रवाई की मांग की।

शुक्रवार को स्पीकर को सौंपे गए नोटिस में हुजूराबाद विधायक ने करीमनगर पुलिस आयुक्त गौश आलम, हुजूराबाद एसीपी माधवी और जम्मीकुंटा ग्रामीण निरीक्षक लक्ष्मी नारायण का नाम लिया। उन्होंने बताया कि 29 जनवरी को जब वे करीमनगर जिले के अपने पैतृक गांव वीनवंका स्थित सम्मक्का-सारलम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे, तब पुलिस अधिकारियों ने उन्हें और उनके परिवार को गैरकानूनी रूप से हिरासत में लिया। कौशिक रेड्डी ने आरोप लगाया कि उन्हें जबरन मंदिर परिसर से बाहर निकाला गया और धार्मिक अनुष्ठान करने से रोका गया।

आईपीएस अधिकारी संघ ने विधायक से बिना शर्त माफी की मांग की

पुलिस आयुक्त पर लगाए गए आरोप को निराधार बताया

तेलंगाना पुलिस अधिकारी संघ ने एमएलए के टिप्पणियों की निंदा की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के हुजूराबाद के बीआरएस विधायक पाड़ी कौशिक रेड्डी द्वारा पुलिस आयुक्त, करीमनगर गौस आलम के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर आईपीएस अधिकारी संघ, तेलंगाना ने नाराजगी जताई है। संघ ने सेवारत आईपीएस अधिकारी के विरूद्ध एक वर्तमान विधायक द्वारा लगाए गए दुर्भावनापूर्ण, निराधार एवं घोर आपत्तिजनक आरोपों की कड़ी निंदा की है। संघ ने कहा है कि जब स्थानीय पुलिस अधिकारी अपने विधिसम्मत कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे, उस समय विधायक ने बिना किसी आधार एवं उकसावे के, गौस आलम, आईपीएस के विरूद्ध झूठे एवं असत्यापित आरोप लगाए। विधायक द्वारा अधिकारी का धर्म उल्लेखित करते हुए यह आरोप लगाया गया कि वे अन्य धर्मों के लोगों का अपने धर्म में धर्मांतरण कराने का प्रयास कर रहे हैं। आईपीएस अधिकारी संघ को एक सेवारत अधिकारी के धर्म को लेकर की गई इस प्रकार की निम्नस्तरीय टिप्पणी से गहरा आघात पहुंचा है, जिसमें धर्मांतरण जैसे झूठे आरोप लगाए गए। संघ इस घटना को सिविल सेवाओं के मनोबल, स्वतंत्रता एवं गरिमा पर गंभीर हमला मानता है। तेलंगाना आईपीएस अधिकारी संघ विधायक पाड़ी कौशिक रेड्डी से तत्काल और बिना शर्त सार्वजनिक माफी की मांग करता है। साथ ही, हम संबंधित प्राधिकरणों से भी आग्रह करेंगे कि वे एक वर्तमान विधायक द्वारा किए गए इस गंभीर कदाचार का संज्ञान लें और आवश्यक कार्रवाई करें। इसी क्रम में तेलंगाना पुलिस अधिकारी संघ के अध्यक्ष गोपीरेड्डी येदुल ने सम्मक्का-सारलम्म जातरा के अवसर पर विधायक पाड़ी कौशिक रेड्डी द्वारा पुलिस अधिकारियों के विरूद्ध की गई टिप्पणियों तथा उनके व्यवहार निंदा की हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आचार संहिता लागू होने के बावजूद समूह में आगे बढ़ने का प्रयास करना, एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि होते हुए भी न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन करना और इससे शांति एवं कानून व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा शांति-व्यवस्था की स्थिति और न्यायालय के आदेशों की पूरी जानकारी देने के बावजूद विधायक का अनुचित व्यवहार करना, महिला पुलिस अधिकारियों के प्रति भी दुर्व्यवहार करना निंदनीय है और यह शांति-व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। इसके अलावा, मौके पर उपस्थित न होने के बावजूद करीमनगर पुलिस आयुक्त के विरूद्ध धार्मिक संदर्भ में की गई टिप्पणियां अत्यंत आपत्तिजनक और निंदनीय हैं। केवल प्रचार के उद्देश्य से विवाद खड़े करना और शांति-व्यवस्था को बाधित करना लोकतांत्रिक सोच रखने वाले सभी लोगों द्वारा निंदा योग्य है। उन्होंने कहा कि हम मांग करते हैं कि विधायक पाड़ी कौशिक रेड्डी तत्काल अपनी अनुचित एवं असंगत टिप्पणियां वापस लें और पुलिस अधिकारियों से बिना शर्त माफी मांगें।

शी टीम रिफ्रेशर कोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम की मेजबानी महिला सुरक्षा विंग ने की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शी टीम के समस्त कर्मियों के लिए रिफ्रेशर कोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मार्गदर्शन वी.सी. सज्जनार पुलिस आयुक्त, हैदराबाद और एम. श्रीनिवास, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध एवं एसआईटी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की मेजबानी हैदराबाद के महिला सुरक्षा विंग ने की। महिला सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के अपने समर्पित प्रयासों के चलते, एम. श्रीनिवास ने प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों को संवेदनशील और महिला-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाकर कर्तव्यों का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शी टीम कर्मियों को महिलाओं और बालिकाओं के साथ अपने हर संवाद में गरिमा, विश्वास और भावनात्मक समर्थन को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि कानून प्रवर्तन मानवीय, कानूनी और पीड़ितों की जरूरतों के अनुरूप हो और महिला सुरक्षा तंत्र पर जनता का विश्वास मजबूत बने। डॉ. लावण्या एनजेपी, डीसीपी, महिला सुरक्षा विंग, हैदराबाद ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि शी टीम कर्मियों के व्यावसायिक कौशल को बढ़ाना आवश्यक है, जिसमें कानूनी जागरूकता, तकनीक का प्रभावी उपयोग, पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण और मजबूत फील्ड प्रैक्टिस शामिल हैं, ताकि कानूनी रूप से सुरक्षित और परिणामोन्मुखी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

संसाधन व्यक्तियों में कानूनी विशेषज्ञ, साइबरक्राइम विशेषज्ञ, काउंसलर और अनुभवी सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ, जिन्होंने कहा कि सत्र व्यावहारिक, प्रासंगिक और सीधे फील्ड कर्तव्यों में लागू करने योग्य थे, जिससे महिला और बालिकाओं की सेवा में कार्यकुशलता और कार्य निष्पादन में सुधार हुआ।

मंदिर परिसर से भारी मात्रा में गांजा बरामद

संगारेड्डी, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के नारायणखेड़ मंडल के पंचमगम गांव में आबकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को एक मंदिर परिसर से भारी मात्रा में सूखा गांजा और गांजे के पौधे बरामद किए। अधिकारियों ने 15 किलोग्राम सूखा गांजा और 600 गांजे के पौधे जब्त किए, जो विट्ठलेश्वर स्वामी की जमीन पर उगाए जा रहे थे। आबकारी विभाग ने बताया कि प्रारंभिक जांच में उन्हें संदेह है कि गांजा उगाने में मंदिर से जुड़े संत का हाथ हो सकता है। मामले की आगे की जांच जारी है।

महाप्रबंधक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दक्षता शील्ड हैदराबाद और गुंतकल को

डिवीज़न/ विभागों को 35 ज़ोनल स्तर के दक्षता शील्ड

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने गुरुवार को रेल कलारंग में 70वां रेलवे सप्ताह समारोह के दौरान अपने अधिकारियों को शील्ड और पुरस्कार प्रदान किया। महाप्रबंधक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दक्षता शील्ड हैदराबाद और गुंटकल डिवीज़न को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। इसी क्रम में अन्य 35 ज़ोनल स्तर दक्षता शील्ड डिवीज़न/विभागों को प्रदान की गईं। इनमें सिकंदराबाद डिवीज़न वित्त (खाता) शील्ड, महाप्रबंधक की स्वच्छता शील्ड (स्टेशन- संयुक्त रूप से गुंटूर डिवीज़न के साथ), ट्रैक्शन वितरण शील्ड, सर्वश्रेष्ठ ट्रैक शील्ड (गुंटकल के साथ संयुक्त), सिविल इंजीनियरिंग शील्ड (विजयवाड़ा के साथ संयुक्त), मैकेनिकल शील्ड, सर्वश्रेष्ठ लंबी दूरी की ट्रेन रखरखाव (टी नंबर. 12727/12728 गोदावरी एक्सप्रेस) और ऑपरेशन शील्ड दिया गया। हैदराबाद डिवीज़न को कार्य शील्ड, पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग शील्ड, हिंदी (राजभाषा) शील्ड, सिग्नल एवं टेलिकॉम शील्ड, महाप्रबंधक का सर्वश्रेष्ठ दक्षता शील्ड (गुंतकल के साथ संयुक्त) रूप से दिया गया। विजयवाड़ा डिवीज़न को वाणिज्यिक शील्ड, इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विसेज़ ,शील्ड, सिविल इंजीनियरिंग शील्ड (सिकंदराबाद के साथ संयुक्त), एचआरडी (कर्मचारी) शील्ड, सर्वश्रेष्ठ रखरखाव एमआरवी शील्ड (नांदेड़ के साथ संयुक्त), नवाचार शील्ड मिला।

गुंतकल डिवीज़न को संचालन एवं रनिंग रूम शील्ड, सर्वश्रेष्ठ ट्रैक शील्ड (सिकंदराबाद के साथ संयुक्त), सर्वश्रेष्ठ डिवीज़न लेवल क्रॉसिंग्स उन्मूलन (नांदेड़ के साथ संयुक्त), सर्वश्रेष्ठ लोडिंग प्रयास शील्ड, सर्वश्रेष्ठ स्कूल (आरएचएस/ईएम/जीटीएल), शिकायत निवारण यंत्र शील्ड, सुरक्षा शील्ड और महाप्रबंधक का सर्वश्रेष्ठ दक्षता शील्ड (हैदराबाद के साथ संयुक्त)मिला। गुंटूर डिवीज़न को महाप्रबंधक की स्वच्छता शील्ड (स्टेशन- सिकंदराबाद के साथ संयुक्त), सर्वश्रेष्ठ ट्रैक मशीन उपयोग शील्ड, चिकित्सा शील्ड, सुरक्षा शील्ड, सर्वश्रेष्ठ रखरखाव एआरटी शील्ड, स्क्रैप निपटान शील्ड प्राप्त हुआ है। नांदेड़ डिवीज़न को सर्वश्रेष्ठ डिवीज़न लेवल क्रॉसिंग्स उन्मूलन (गुंतकल के साथ संयुक्त), पुल शील्ड, सर्वश्रेष्ठ रखरखाव एमआरवी शील्ड (विजयवाड़ा के साथ संयुक्त), रेल मदद शील्ड मिला। सर्वश्रेष्ठ डीज़ल/इलेक्ट्रिक लोको शेड, इलेक्ट्रिक लोको शेड/विजयवाड़ा, मैकेनिकल- कार्यशाला: तिरुपति कार्यशाला, सर्वश्रेष्ठ रखरखाव डीईएमयू/ एमईएमयू/ईएमयू शेड: डीज़ल लोको शेड/मौलालि, सर्वश्रेष्ठ स्टोर डिपो शील्ड: एमएंडई, लालगुड़ा को मिला है। 70वें रेलवे सप्ताह के अवसर पर महाप्रबंधक ने 86 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट सेवा योगदान के लिए व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान किए।

केटी रामाराव ने आर्थिक सर्वेक्षण को बीआरएस की उपलब्धियों का सबूत बताया

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा है कि आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के कथित फोन टैपिंग मामले में नोटिस जारी करने के प्रयास को झटका दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार बीआरएस नेतृत्व में हुए दशकभर के विकास को कम आंकने का लगातार प्रयास कर रही थी।

रामाराव ने बयान में कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण ने बीआरएस शासन के दौरान तेलंगाना की उल्लेखनीय प्रगति को स्पष्ट रूप से दर्शाया है।

सीडब्लूसी बैठक जल संसाधनों के शोषण की साजिश का हिस्सा : एर्रा सत्यनारायण

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष एर्रा सत्यनारायण ने आरोप लगाया कि दिल्ली में हुई केंद्रीय जल आयोग (सीडब्लूसी) बैठक आंध्र प्रदेश क्षेत्र के जल संसाधनों के शोषण की साजिश को साकार करने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि बैठक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू के प्रभाव में हुई और इसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के राजनीतिक समझौते की भूमिका भी रही। सत्यनारायण ने राज्य सरकार पर ध्यान भटकाने और पूर्व सांसद संतोष को फोन टैपिंग मामले में फंसाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने पोलावरम, नल्लमाला सागर और बनकाचरला जैसे आंध्र परियोजनाओं के कथित गुप्त मंजूरी का सवाल उठाते हुए कहा कि यह जल संसाधनों के शोषण की नई कड़ी है।

मेडारम जातरा के चलते 5 किमी लंबा जाम

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले में चल रहे सम्मक्का-सरलम्मा जातरा के कारण मेडरम-तदवाई मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। लाखों श्रद्धालुओं के भारी आगमन के चलते निजी वाहनों और आरटीसी बसों को घंटों फंसा रहना पड़ा। पर्याप्त ट्रैफिक नियंत्रण कर्मियों की अनुपस्थिति ने स्थिति और गंभीर कर दी।

इस बीच, पुजारी पहले ही सरलम्मा, पगिदिद्दाराजु, गोविंदराजुलु और सम्मक्का को वेदी पर ले गए हैं। जातरा 28 जनवरी को शुरू हुई थी और 31 जनवरी को समाप्त होगी। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शुक्रवार को मंदिर का दौरा कर देवी-देवताओं को अपने शरीर के वजन के बराबर गुड़ अर्पित किया। उनका स्वागत मंत्री सीताक्का और अन्य अधिकारियों ने किया।

दक्षिण मध्य रेलवे

सं. एनडब्ल्यू/148/ डब्ल्यू।।/निविदा सूचना/ 2025-26, दि.27-01-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय अभियंता, को-आर्डि., नांदेड, दक्षिण मध्य रेलवे- द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं 01, निविदा सं.-टी-202526-2-106, ... प्रतिस्थापन कार्य ... पूरा करने की अवधि: बारह महीने।

क्रम सं 02, निविदा सं.-टी-202526-2-010%, ... निविदा मूल्य रु.62872752.77, पूर्व धरोहर राशि रु.464400.00, ... पूरा करने की अवधि: बारह महीने।

क्रम सं 03, निविदा सं.-टी-202526-2-0108, ... निविदा मूल्य रु.76221329.73, पूर्व धरोहर राशि रु.531100.00, ... कार्य पूरा करने की अवधि: अठारह महीने।

क्रम सं 04, निविदा सं.-टी-202526-3-0109, ... निविदा मूल्य रु.72916642.47, पूर्व धरोहर राशि रु.514600.00, ... कार्य पूरा करने की अवधि: बारह महीने।

क्रम सं 05, निविदा सं.-टी-202526-3-0110, ... निविदा मूल्य रु.72962011.26, पूर्व धरोहर राशि रु.514800.00, ... कार्य पूरा करने की अवधि: बारह महीने।

क्रम सं.1, निविदा सं.-टी-202526-2-106, ... क्रम सं.2, निविदा सं.-टी-202526-2-107, ... क्रम सं.3, निविदा सं.-टी-202526-2-108, ... क्रम सं.4, निविदा सं.-टी-202526-3-109, ... क्रम सं.5, निविदा सं.-टी-202526-3-110, ...

उपरोक्त निविदाएं दि.25-02-2026 को 15.00 बजे बंद होंगी।

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर लॉगिन करें। --सीनि.डीइएन/को-आर्ड./नांदेड

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीडु/सी-सी/एसएसी, सीडु/सी-II/एसएसी निर्माण संगठन, द.म. रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01, एनआवटी नं. 02-सीएओ-सी-एसएसी-2026, दि.19-01-2026, ... अनुमानित मूल्य रु.82,39,599.80, ... खोलने की तिथि: 12-02-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.-02, एनआवटी नं.-03-सीएओ-सी-एसएसी-2026, दि.23-01-2026, ... अनुमानित मूल्य रु.41,40,11,882.75, पूर्व धरोहर राशि-रुपए रु.22,20,100.00, ... खोलने की तिथि: 17-02-2026 के 15.00 बजे

मुख्य प्रशासकीय अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

निविदा सं. जीटीईएल-इएम-74-2025-26, दि.29-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

... गुंटकल डिवीजन ... अनुमानित मूल्य रु. 24,56,017.39

बंद करने की तिथि व समय: 19-02-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणी: ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु ... वेबसाइट https://www.ireps.gov.in ...

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

A2323

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.SANDT_WAT_26_S_SSBPAC

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के 12 संख्यक ब्लॉक सेक्शन में SSBPAC का प्रावधान। स्थानों : (1)कोत्तवलसा-मल्लिवीडु, (2) मल्लिवीडु-लक्कावरपुकोटा, (3) लक्कावरपुकोटा-श्रृंगवरपुकोटा, (4) नौपाडा-पारलाखेमुन्डी, (5) पारलाखेमुन्डी-गुणुपुर, (6) टिकिरि-सिंगाराम, (7) सिंगाराम-लक्ष्मीपुर रोड, (8) लक्ष्मीपुर रोड-काकिरिगुमा, (9) काकिरिगुमा-बाईगुडा, (10) बाईगुडा-दामनजोड़ि, (11) दामनजोड़ि-डुमुरीपुट, (12) डुमुरीपुट-कोरापुट।

विज्ञापित मूल्य (रुपये में) : 2,85,21,177.50, EMD (रुपये में) : 2,92,600/-, पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक : 30.01.2026, निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक :13.02.2026 को 1700 बजे।

ऐसी निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर/ वाल्टियर

PR-1066/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.SANDT_WAT_26_S_RTUs

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के 27 संख्यक स्थान (एंड गुमटी) में रिमोट टर्मिनल युनिट (RTUs) का प्रावधान। स्थानों : (1)विशाखापट्टनम-07, (2) गोपालपट्टनम-03, (3)पेन्दुर्ति-04, (4)कोत्तवलसा-05, (5)कंटकापल्लि-02, (6) अलमण्डा-02, (7) कोरुकोण्डा-02, (8)लक्कावरपुकोटा-02, (9)शिवलिंगपुरम-02, (10)स्याड़ा-02, (11)बोर्रागुहालु-02, (12) आमागुडा-02, (13)अम्बागांव-02, (14) नक्टीसेमरा-02, (15) भंसी-02, (16) तोकापाल-02, (17) बड़ेआरापुर-02, (18)दिलिमिलि-02, (19) सिलकझोरी-02, (20) कुम्हार मारंगा-02, (21) चिमिडिपल्लि-02, (22) केउटगुडा-02, (23) सिकरपाई-02, (24) भालुमास्का-02, (25) लीलीगुम्मा-02, (26) गेट जंक्शन-01, (27)राउलि-02।

विज्ञापित मूल्य (रुपये में) : 2,61,18,247/-, EMD (रुपये में) : 2,80,600/-, पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक : 20.01.2026, निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक :03.02.2026 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर/ वाल्टियर

PR-1065/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

विविध स्थैतिक सेवाओं की ई-नीलामी

नीलामी सूचीपत्र सं. CAT-MSS-LINEN-1

(1) लॉट सं./श्रेणी: MSS-WAT-VSKP-STGen-101-26-1 (Misc-Static-Services-Static General)

विवरण: वाल्टियर मंडल से यात्रा आरम्भ करने वाली मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, जिसका प्राथमिक रखरखाव विशाखापट्टणम (VSKP) यार्ड में किया जाता है, के आरक्षित कोचों में विज्ञापन के साथ पर्यावरण हितैषी, स्वाभाविक रूप से सड़नशील, मजबूत एवं दोबारा प्रयोग के योग्य लीनेन कवरों की खरीददारी एवं आपूर्ति के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए संविदा।

नीलामी सूचीपत्र सं. WAT-SL-Pod-04

(2) लॉट सं./श्रेणी: MSS-WAT-SCM-SIPod-100-26-1 (Misc-Static-Services-Sleeping pods at station)

विवरण: सिम्हाचलम रेलवे स्टेशन में स्लीपिंग पॉडों की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव।

पार्किंग की ई-नीलामी

नीलामी सूचीपत्र सं. CAT-RADIO-002

(3) लॉट सं./श्रेणी: PARKING-WAT-CHE-RT-146-26-1 (Parking - Radio Taxi)

विवरण: श्रीकाकुलम स्टेशन में रेडियो टैक्सी सुविधा दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया।

(4) लॉट सं./श्रेणी: PARKING-WAT-VZM-RT-143-26-1 (Parking - Radio Taxi)

विवरण: विजयनगरम स्टेशन में रेडियो टैक्सी सुविधा दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया।

दर इकाई: वार्षिक लाइसेंस शुल्क (सभी के लिए), ट्रिप/दिन: 1096 (क्रम सं. 1, 3 एवं 4 के लिए) तथा 1826 (क्रम सं. 2 के लिए)। न्यूनतम वृद्धि: 0.2% (प्रत्येक के लिए)। लॉट की स्थिति: मसौदा सूचीपत्र में नया (प्रत्येक के लिए)।

नीलामी के शुरू होने की तारीख : 09.02.2026 (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 10.02.2026 (क्रम सं. 2, 3 एवं 4 के लिए)। शुरू होने का समय: 1100 बजे (प्रत्येक के लिए)।

नीलामी बंद होने की तारीख: 09.02.2026 (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 10.02.2026 (क्रम सं. 2, 3 एवं 4 के लिए)। बंद होने का समय: 1130 बजे (क्रम सं. 1, 2 एवं 3 के लिए) तथा 1140 बजे (क्रम सं. 4 के लिए)।

टिप्पणी: प्रत्याशित बोलीदाताओं को www.ireps.gov.in देखने एवं इस ई-नीलामी से संबंधित सभी अपेक्षित जानकारी के लिए आगामी ई-नीलामी लीजिंग टैब की जांच करने की सलाह दी जाती है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-1072/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व कप की तैयारियों को अंतिम रूप देने उतरेगा भारत

अपने आखिरी मुकाबले में न्यूजीलैंड का सामना करेगी टीम इंडिया

तिरुवनंतपुरम, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम टी20 विश्व कप से पहले अपने आखिरी मुकाबले में शनिवार को न्यूजीलैंड का सामना करेगी। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की द्विपक्षीय सीरीज का पांचवां टी20 मैच तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। सात फरवरी से टी20 विश्व कप की शुरुआत हो रही है, ऐसे में दोनों टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने उतरेंगी। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय संजू सैमसन की खराब फॉर्म है।

सीरीज जीत से भारत का बढ़ेगा आत्मविश्वास

पांचवें टी20 के दौरान उम्मीद रहेगी कि संजू सैमसन अपने घरेलू दर्शकों के सामने फॉर्म में वापसी करने और अक्षर पटेल फिटनेस हासिल करने में सफल रहेंगे। सैमसन अब अपने गृह नगर में खेलेंगे और यहां के अपने समर्थकों के सामने शायद वह अपनी खोई हुई लय को फिर से प्राप्त कर लें। भारत टी20 विश्व कप में अपना पहला मैच सात फरवरी को मुंबई में खेलेगा और वह उससे पहले यहां जीत हासिल करना चाहेगा। इस तरह से देखा जाए तो भारत इस मैच को औपचारिकता नहीं मानेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत से शैली, ताकत और गहराई से भरपूर टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।

तिरुवनंतपुरम में भारत का रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में ढेरों रन बनते रहे हैं। भारत ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है।

न्यूजीलैंड को गेंदबाजी में करना होगा सुधार

दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम पहले तीन मैचों में भारत के आक्रामक रवैये के सामने बेबस नजर आई, लेकिन विशाखापत्तनम में उन्होंने भारत के प्रमुख बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कामयाबी हासिल की। अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव को आउट करने के बाद, न्यूजीलैंड के गेंदबाज शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी के बावजूद बाकी बल्लेबाजों को रोकने में सफल रहे। अब उन्हें पता चल गया है कि यह भारतीय टीम अजेय नहीं है और 3-2 का अंतर उन्हें आगामी बड़े मुकाबलों से पहले मानसिक रूप से मजबूत कर सकता है। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को काफी मजबूती मिली है। न्यूजीलैंड की टीम हालांकि गेंदबाजी में सुधार की उम्मीद कर रही होगी। उसके प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन टीम में शामिल है लेकिन वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच 31 जनवरी यानी शनिवार को खेला जाएगा।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच शाम 7:00 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 6:30 बजे होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज के प्रसारण अधिकार स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चैनलों पर देख सकेंगे। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी।

नहीं रहे पीटी उषा के 'पिलर ऑफ सपोर्ट' श्रीनिवासन

आईओए अध्यक्ष से बात कर पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 67 साल के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, श्रीनिवासन शुक्रवार सुबह अपने घर पर अचानक गिर पड़े थे। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएम मोदी ने पीटी उषा से फोन पर की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद खबर के बाद पीटी उषा से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। पीएमओ के अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। श्रीनिवासन एक पूर्व केंद्र सरकार के कर्मचारी थे, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश समय पीटी उषा के खेल और राजनीतिक सफर को संवारने में लगाया।श्रीनिवासन को खेल जगत में पीटी उषा के 'पिलर ऑफ सपोर्ट के रूप में जाना जाता था। उषा के एक एथलीट के रूप में शानदार करियर से लेकर आईओए अध्यक्ष बनने और राज्यसभा सांसद के रूप में उनके राजनीतिक सफर तक, श्रीनिवासन हर कदम पर उनके साथ रहे। वे अक्सर महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में उषा के साथ देखे जाते थे। खेल जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि उषा की कई व्यावसायिक और पेशेवर उपलब्धियों के पीछे श्रीनिवासन की रणनीति और मेहनत का बड़ा हाथ था।

राज्यपाल और केंद्रीय मंत्रियों ने जताया दुख

केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने श्रीनिवासन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, 'राज्यसभा सांसद और आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा के पति वी.श्रीनिवासन के निधन से अत्यंत दुख हुआ। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

पांचवें टी20 में संजू सैमसन पर होंगी नजरें

तिरुवनंतपुरम, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रही 5 टी20 मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को ग्रीनफील्ड स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। इस मैच में सबकी नजरें स्थानीय खिलाड़ी संजू सैमसन पर होंगी। संजू सैमसन सीरीज के शुरुआती चारों मुकाबलों में बुरी तरह फ्लॉप रहे हैं।

टी20 विश्व कप की प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह बची रहे, इसके लिए जरूरी है कि तिरुवनंतपुरम में खेले जाने वाले टी20 मैच में वह बड़ी पारी खेलें और अपना खोया आत्मविश्वास हासिल करें। संजू सैमसन के लिए तिरुवनंतपुरम होम ग्राउंड है। इसलिए उम्मीद है कि वह स्थानीय दर्शकों के बीच अपने बुरे फॉर्म का दौर छोड़ बड़ा स्कोर करेंगे। 31 साल के सैमसन को शुभमन गिल को टीम से बाहर कर बतौर ओपनर टीम में जगह दी गई थी।

विकेटकीपर के तौर पर भी वह पहली पसंद थे, लेकिन सीरीज के शुरुआती 4 मैचों में निराशाजनक बल्लेबाजी से सैमसन ने अपने लिए खुद ही मुश्किल बढ़ा ली है। वह 4 मैचों में सिर्फ 40 रन बना सके हैं और 24 उनका सर्वाधिक स्कोर है। वहीं टीम में दूसरे विकेटकीपर के तौर पर शामिल ईशान किशन बेहतरीन फॉर्म में हैं और दूसरे टी20 में 76 रन की विस्फोटक पारी खेल चुके हैं। ईशान की फॉर्म ने भी सैमसन की चिंता बढ़ाई है। सैमसन टी20 विश्व कप 2026 की प्लेइंग इलेवन में होंगे या नहीं, यह तिरुवनंतपुरम टी20 में मौका मिलने पर उनकी बल्लेबाजी पर निर्भर करता है। ग्रीनफील्ड स्टेडियम में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। भारतीय टीम ने इस स्टेडियम में खेले गए चार टी20 मैचों में से तीन में जीत हासिल की है। इस स्टेडियम में पहली पारी का औसत स्कोर 155 है, जबकि सबसे बड़ा स्कोर भारत ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था।

उस मैच में भारतीय टीम ने 20 ओवर में 235 रन बनाए थे। मैच शाम 7 बजे से खेला जाएगा। मैच का लाइव ब्रॉडकास्ट स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर होगी।

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

न्यूजीलैंड टीम : मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कोनवे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैक फाउल्केस, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवोन जैकब्स, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, ईश सोढ़ी।

नॉर्वे चेस विमेन में डेब्यू करेंगी भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख, रच देंगी इतिहास

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख 2026 में नॉर्वे चेस विमेन में डेब्यू करने जा रही हैं। इसी के साथ दिव्या 2024 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से सबसे युवा प्रतिभागी बनकर इतिहास रचेंगी। नॉर्वे चेस की ओर से जारी एक बयान में दिव्या ने कहा, मैं नॉर्वे चेस में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हूं। यह टूर्नामेंट में मेरा पहला मौका है। मैं वास्तव में यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि नॉर्वे कैसा है। मैं इस अनोखे फॉर्मेट का अनुभव करने और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने का अधिक इंतजार नहीं कर सकती। मुझे सपोर्ट करने वाले सभी फैंस को, प्यार और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद। आप सभी से वहीं मिलूंगी। अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर यह खबर साझा करते हुए, नॉर्वे चेस ने लिखा, नॉर्वे चेस विमेन 2026 में एक नया नाम शामिल हुआ है। दिव्या देशमुख नॉर्वे चेस विमेन में शामिल हुईं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में दोहराया गया इतिहास

किसी कपल ने 37 साल बाद लगातार दूसरे साल जीता खिताब

मेलबर्न, 31 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में ओलिविया गादेकी और जॉन पीयर्स की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने इतिहास रच दिया है। इस ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में फ्रांस की क्रिस्टिना मलादेनोविक और मैनुएल गिनार्ड की जोड़ी को हराकर खिताब जीत लिया है।

इसके साथ ही वे ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास में लगातार दूसरी बार ये खिताब जीतने वाली 37 साल में पहली जोड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं किसी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने लगातार दूसरे साल खिताब जीतने का कारनामा 62 साल बाद किया है। इस जोड़ी ने फाइनल में फ्रांसीसी जोड़ी को पहला सेट हारने के बाद कड़े संघर्ष के बीच 4-6, 6-3 और 10-8 से हराकर खिताब अपने नाम किया है।

1989 में हुआ था आखिरी बार ऐसा

ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास में आखिरी बार 1989 में ऐसा हुआ था, जब कोई जोड़ी अपने मिक्स्ड डबल्स खिताब का बचाव करने में सफल रही थी। तब यह रिकॉर्ड याना नोवोत्ना और जिम पुघ की जोड़ी ने बनाया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार दो साल ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स खिताब जीतने वाली जोड़ी मार्ग्रेट कोर्ट और केन फ्लेचर की थी, जिन्होंने 62 साल पहले ऐसा किया था।

पहला सेट जीतकर फ्रांसीसी जोड़ी ने बना ली थी पकड़

फ्रांसीसी जोड़ी ने पहला सेट 6-4 से जीतकर बढ़त बना ली थी। उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ बनाने का संकेत दिया था, लेकिन अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रही ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार वापसी कर ली। दूसरे सेट को ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने बहुत ही आसानी से 6-3 से अपने नाम कर लिया और फ्रांसीसी जोड़ी को 10 पॉइंट के टाईब्रेक के लिए मजबूर कर दिया।

टाईब्रेकर में भी पिछड़ रही थी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी

रॉड लेवर एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में टाईब्रेकर के दौरान भी स्टैंड्स में बैठे ऑस्ट्रेलियाई दर्शक तब मायूस दिख रहे थे, जब गादेकी और पीयर्स की स्थानीय जोड़ी 5-7 से पिछड़ गई थी।

मैच पूरी तरह फ्रांसीसी जोड़ी के कब्जे में दिख रहा था। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए पलटवार किया और टाईब्रेकर को 10-8 से अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने दूसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर जैसे ही जीत हासिल की, पूरे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी के साथ इस जोड़ी का नाम इतिहास के पन्ने पर लिखा जा चुका था।

'बाइज्जत कहूंगा...' अपनी टीम को बधाई देकर सरेआम बेइज्जत हो गए पाकिस्तानी पीएम

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)।पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ सोशल मीडिया ट्रोलिंग का शिकार हो गए हैं। दरअसल शरीफ पाकिस्तान क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत की बधाई देते हुए कुछ ज्यादा ही भावनाओं में बह गए।

शरीफ ने इस जीत को जबरदस्त और इलेक्ट्रिफाइंग परफॉर्मेंस बताते हुए ट्वीट कर दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी जमकर बेइज्जती हो रही है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर क्रिकेट एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा ने ऑस्ट्रेलिया की तकरीबन बी-टीम के खिलाफ परफॉर्मेंस को जबरदस्त बताने के लिए शरीफ की जमकर खिंचाई कर दी है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की जीत के बाद शाहबाज शरीफ ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर एक ट्वीट किया है।

पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्कारेज

> ज्वेरेव को कड़े मुकाबले में दी मात

मेलबर्न, 31 जनवरी (एजेंसियां)। स्पेन के कार्लोस अल्कारेज वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। अल्कारेज ने पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में जर्मनी के एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों में हराया। अल्कारेज और ज्वेरेव के बीच यह मुकाबला पांच घंटे 27 मिनट तक चला जिसमें आखिरकार स्पेन का यह खिलाड़ी जीत दर्ज करने में सफल रहा। अल्कारेज ने ज्वेरेव को 6-4, 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 (4), 7-5 के अंतर से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

अंत तक करीबी रहा मुकाबला

अल्कारेज और ज्वेरेव के बीच शुरू से ही यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। अल्कारेज ने जहां पहले दो सेट जीतकर मैच में बढ़त ले ली थी तो वहीं ज्वेरेव ने टाई ब्रेकर में जाकर अगले दो सेट अपने नाम किए जिससे मैच का निर्णय पांचवें सेट में जाकर हुआ। निर्णायक सेट ज्वेरेव ने शुरुआती दो गेम जीते, लेकिन तीसरा गेम अपने नाम किया। ज्वेरेव ने भी हालांकि हार नहीं मानी और चौथा गेम जीतने में सफल रहे। इसके बाद अल्कारेज ने 10वें गेम में जाकर स्कोर 5-5 से बराबर किया और फिर उन्होंने ज्वेरेव को कोई मौका नहीं देते हुए अगले दो गेम जीते और पांचवां सेट जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अल्कारेज का फाइनल मुकाबले में सामना नोवाक जोकोविच और यानिक सिनर के बीच होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल मैच के विजेता से होगा। ओलिविया गाडेकी और जॉन पीयर्स 1989 के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार दूसरे साल मिश्रित युगल का खिताब जीतने वाली पहली जोड़ी बन गई है। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली गाडेकी और पीयर्स की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने फाइनल में क्रिस्टीना म्लादेनोविक और मैनुअल गिनार्ड की फ्रांसीसी जोड़ी को 4-6, 6-3, 10-8 से हराया।

टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड ने बेन सियर्स को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया

वेलिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज बेन सियर्स को 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी।

सियर्स रविवार को मुंबई में टी20 विश्व कप टीम से जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि सियर्स काइल जैमीसन की जगह लेंगे, जिन्हें पिछले सप्ताह एडम मिल्ने के हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बाहर होने के बाद टीम में शामिल किया गया था। मिल्ने को एसए20 में गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी, जिसके बाद हुए स्कैन से चोट की गंभीरता का पता चला। सियर्स न्यूजीलैंड के घरेलू सुपर स्मैश कॉम्पिटिशन में वेलिंगटन के लिए अच्छी फॉर्म में हैं। हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि सियर्स ने हैमस्ट्रिंग इंजरी से अच्छी वापसी की है, जिसकी वजह से वह होम समर की शुरुआत से बाहर हो गए थे। उन्होंने कहा, बेन ने खुद को वापस मैदान पर लाने के लिए कड़ी मेहनत की है, और उसे वापस खेलते और अच्छा परफॉर्म करते देखना बहुत अच्छा रहा है। उसने फायरबड्र्स के साथ पूरा सुपर स्मैश कैंपेन खेला, जहां वह अपने नौ मैचों में 15 विकेट लेकर राउंड-रॉबिन स्टेज से कॉम्पिटिशन का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज था। वाल्टर ने कहा, बेन का भारत में हमारे साथ होना और विश्व कप में किसी के चोटिल होने पर असर डालने के लिए तैयार रहना बहुत अच्छा होगा।

न्यूजीलैंड को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, साउथ अफ्रीका और यूएई के साथ रखा गया है। कीवी टीम का पहला मैच 8 फरवरी को चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ होगा।

विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड स्क्वाड: मिशेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 2 विकेट से हराया

> टी-20 सीरीज पर कब्जा; क्विंटन डिकॉक ने 43 बॉल में जड़ा शतक

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज अपने नाम कर ली है। सुपरस्पोर्ट पार्क में खेले गए इस मैच में क्विंटन डिकॉक के तूफानी शतक की बदौलत साउथ अफ्रीका ने 222 रन का टारगेट आसानी से हासिल कर लिया। डिकॉक ने करीब तीन साल बाद घरेलू मैदान पर अपना पहला टी-20 इंटरनेशनल खेलते हुए सिर्फ 43 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। साउथ अफ्रीका ने यह मैच 15 गेंद शेष रहते जीत लिया।

डिकॉक ने 115 रन की पारी में 10 छक्केजड़े

क्विंटन डिकॉक ने मैच की शुरुआत से ही कैरिबियाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था। उन्होंने अपनी 115 रनों की पारी में 49 गेंदें खेलीं, जिसमें 10 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। डिकॉक ने महज 21 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की और अगले 22 गेंदों में उसे शतक में बदल दिया। पूरी पारी के दौरान उन्होंने सिर्फ 8 डॉट बॉल खेलीं। यह उनके टी-20 करियर का दूसरा शतक है। इसी के साथ उन्होंने टी-20 क्रिकेट में अपने 12,000 रन भी पूरे कर लिए और फाफ डु प्लेसिस को पीछे छोड़कर साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

रिकल्टन के साथ 162 रनों की पार्टनरशिप

डिकॉक को दूसरे विकेट के लिए रायन रिकेल्टन का भरपूर साथ मिला। दोनों ने मिलकर महज 72 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी की। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने आए रिकेल्टन ने अपने करियर की बेस्ट पारी खेलते हुए 25 गेंदों में अर्धशतक जमाया। वे 77 रन बनाकर नाबाद रहे। इस मैदान पर यह पांचवीं बार है जब किसी टीम ने 200 से ज्यादा का टारगेट सफलतापूर्वक चेज किया है।

किंग-हेटमायर के बीच 115 रन की साझेदारी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत शानदार रही थी। ब्रैंडन किंग (11 गेंदों में 27 रन) और शिमरॉन हेटमायर ने मिलकर पहले 10 ओवर में टीम का स्कोर 115 रन तक पहुंचा दिया था। आखिरी ओवरों में शेरफेन रदरफोर्ड ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। उन्होंने महज 24 गेंदों में 57 रन बनाए, जिसकी मदद से वेस्टइंडीज ने 221 रनों का स्कोर खड़ा किया। कैरेबियाई टीम ने आखिरी 5 ओवरों में 76 रन जोड़े। एक समय लग रहा था कि वेस्टइंडीज 250 के पार जाएगी, लेकिन केशव महाराज ने 15वें ओवर में रोवमैन पॉवेल और फिर शिमरॉन हेटमायर को आउट कर वेस्टइंडीज की रन गति रोक दी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.